



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 248]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 10, 2016/ ज्येष्ठ 20, 1938

No. 248]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 10, 2016/JYAISTHA 20, 1938

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 जून, 2016

लेखांकन पृथक्करण पर मसौदा रिपोर्टिंग पद्धति विनियम, 2016 (2016 का 5)

फा. सं. 16-02/2015-एफएंडईए.—भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 (1997 का 24वां) की धारा 11 की उप-धारा (1) के खंड (ख) के उप-खंड (i) के साथ पठित धारा 36 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, नामतः :-

अध्याय 1 प्रारंभिक
1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ और लागू होना – (i) इन विनियमों को लेखांकन पृथक्करण पर रिपोर्टिंग पद्धति विनियम, 2016 कहा जाएगा। (ii) ये विनियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे। (iii) ये विनियम ऐसे प्रत्येक सेवा प्रदाताओं पर लागू होंगे, जिनका भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13वां) की धारा 4 के अंतर्गत जारी किए गए लाइसेंस के अंतर्गत प्रचालनों से, इन विनियमों के अंतर्गत प्रस्तुत की जाने हेतु अपेक्षित रिपोर्टों के लिए लेखा वर्ष जोकि 31 मार्च, 2016 को समाप्त हो रहा है के दौरान समग्र कुल राजस्व 100 करोड़ रुपए से कम न हो।
2. परिभाषाएं: इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, –
(i) "लेखांकन पृथक्करण विवरण" का अभिप्राय इन विनियमों की अनुसूची-III में निर्धारित प्रपत्रों पर दिये गये विवरण से है;
(ii) "लेखा वर्ष" का अभिप्राय कंपनी अधिनियम, 2013 (वर्ष 2013 का 18वां) की धारा 2 की उप-धारा (41) के तहत परिभाषित वित्तीय वर्ष से है
(iii) "अधिनियम" का अभिप्राय भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 (1997 का 24वां) से है;
(iv) "वार्षिक वित्तीय विवरण" का अभिप्राय कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 128 के अंतर्गत तैयार किए गए वित्तीय विवरण से है;
(v) "प्राधिकरण" का अर्थ अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के अंतर्गत स्थापित भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण से है;
(vi) "ब्रॉडबैंड" अथवा "ब्रॉडबैंड सेवा" का अभिप्राय किसी ऐसे डाटा कनेक्शन से है जो इंटरनेट एक्सेस सहित इंटरएक्टिव सेवाओं को सहायक देने में समर्थ हो तथा जिसकी ब्रॉडबैंड सेवा उपलब्ध कराने के इच्छुक सेवा प्रदाता की मौजूदगी के स्थान (पीओपी) से किसी पृथक उपभोक्ता को 512 किलोबाइट प्रति सेकेंड या अथवा इससे अधिक गति हो, जैसा कि समय-समय पर लाइसेंसधारक द्वारा यथाविनिर्धारित किया जाए;
(vii) "केबल लैंडिंग स्टेशन" का अभिप्राय किसी ऐसे स्थान से है,

(क)	जिस पर अंतर्राष्ट्रीय सबमरीन केबल क्षमता, बैकहॉल परिपथ के साथ जोड़ी जाती है; और
(ख)	जिस पर अंतर्राष्ट्रीय सबमरीन केबल, अंतर्राष्ट्रीय सबमरीन केबल क्षमता एक्सेस करने के लिए तट पर उपलब्ध हैं; और इस प्रकार के स्थानों में सबमरीन केबल के अपतटीय किनारे के भवन और बैकहॉल परिपथों को जोड़ने के लिए उपकरण शामिल हैं;
(viii)	"सह-स्थान प्रभार" का अभिप्राय सह-स्थान उपकरणों जैसे स्विचों, रैंको और केजों, क्रॉस-कनेक्शनों और अन्य सेवा प्रदाता के स्वामित्व वाले परिसरों में अन्य केबलिंग की संस्थापना सहित भूमि, भवन परिसर, उपस्कर और संयंत्रों, पर्यावरणीय सेवाओं, सुरक्षा, स्थल अनुसंधान, पावर, विद्युतीय संस्थापनाओं, केबलों, ट्रांसफार्मरों, अग्नि संसूचन, अग्निशमन प्रणालियों और अंतःसंयोजन के उद्देश्य के लिए बैकअप पावर सहित सुविधाओं का इस्तेमाल करने के लिए किसी सेवा प्रदाता द्वारा भुगतान किए गए प्रभार से है;
(ix)	"लागत केंद्र" का अभिप्राय किसी कंपनी का सहायक कार्य या विभाग या कोई नेटवर्क घटक, जिस पर लागत आती हो, से है;
(x)	"वित्तीय पूंजी रखरखाव" का अभिप्राय प्रतिस्थापन लागत लेखांकन के फलस्वरूप उत्पन्न धारित लाभ या हानि को दृष्टिगत रखने के पश्चात् लाभ को स्वीकार करने की क्रियाविधि से है;
(xi)	"परंपरागत लागत लेखांकन" का अभिप्राय लेखांकन की ऐसी कोई पद्धति से है जिससे परिसंपत्तियों, देयताओं, लागतों और राजस्वों को उस मूल्य के आधार पर रिकॉर्ड किया जाता है, जब लेन-देन किया गया था और जहां परिसंपत्तियों का मूल्यांकन और मूल्यहास खरीद के समय की उनकी लागत के अनुसार किया गया है।
(xii)	"धारित लाभ या हानि" का अभिप्राय किसी परिसंपत्ति की प्रतिस्थापन लागत में परिवर्तन से उत्पन्न लाभ या हानि, जबकि परिसंपत्ति का धारण परंपरागत लागत पर ही किया जा रहा है और इसका परिकलन निम्नलिखित तरीके से किया जाता है:  $\text{धारित लाभ या हानि} = \text{NBV}_{t-1} \times (\text{GRC}_t/\text{HC}) - \text{NBV}_{t-1} \times (\text{GRC}_{t-1}/\text{HC})$ जहां $\text{NBV}_{t-1}$ = वर्ष के आरंभ में 't' परंपरागत लागत पर किसी परिसंपत्ति का ह्रासित अर्थात् घटे हुए मूल्य से है, $\text{GRC}_t$ = वर्ष के t के अंत में किसी परिसंपत्ति की सकल प्रतिस्थापन लागत; $\text{HC}$ = इसकी खरीद के समय किसी परिसंपत्ति की परंपरागत लागत से है।
(xiii)	"इंटरनेट सेवा" का अभिप्राय सभी प्रकार की इंटरनेट एक्सेस या लाइसेंस में यथा- उपबंधित इंटरनेट विषय-वस्तु सेवाओं से है;
(xiv)	"लाइसेंस" का अभिप्राय प्रदान किया गया कोई लाइसेंस या ऐसा प्रभाव रखने वाला लाइसेंस जैसेकि यह भारतीय तार अधिनियम, 1885 (1885 का 13) की धारा 4 या भारतीय वायरलैस टेलीग्राफी अधिनियम, 1933 (1933 का 17) के उपबंधों के अंतर्गत प्रदान किया गया हो;
(xv)	"मैनुअल" का अभिप्राय इन विनियमों के विनियम 3 में उल्लिखित मैनुअल से है;
(xvi)	"मीट मी रूम" का अभिप्राय किसी ऐसे स्थान से है, जहां दूरसंचार सेवा प्रदाता अपने उपकरण कनेक्ट करते हैं;
(xvii)	"आधुनिक समतुल्य परिसंपत्ति" का अभिप्राय क्षमता के उसी स्तर और मूल परिसंपत्ति की कार्यात्मकता के साथ उपलब्ध परिसंपत्ति का वर्तमान मूल्य से है;
(xviii)	"ऑफ-नेट कॉल" का अभिप्राय ऑन नेट कॉल के अलावा किसी अन्य कॉल से है;
(xix)	"ऑन-नेट कॉल" का अभिप्राय किसी ऐसी कॉल से है जिसका उद्गम तथा समापन समान लाइसेंस क्षेत्र के भीतर समान सेवा प्रदाता के नेटवर्क पर होता है;
(xx)	"पास थ्रू प्रभार" का अभिप्राय सेवा प्रदाता के लाइसेंस करार के अंतर्गत यथा उपबंधित लाइसेंस शुल्क लगाने के उद्देश्य के लिए, समायोजित सकल राजस्व का हिसाब लगाने हेतु सकल राजस्व से निकाल दिए गए प्रभार से है;
(xxi)	"लाभ केंद्र" का अभिप्राय किसी सेवा प्रदाता द्वारा प्रस्तुत कोई सेवा या उत्पाद, जिस पर उस कार्यकलाप से लाभ का परिकलन करने के लिए लागत और राजस्व का पता लगाया जा सकता हो, से है;
(xxii)	"विनियम" का अभिप्राय लेखांकन पृथक्करण पर रिपोर्टिंग पद्धति विनियम, 2016 से है;
(xxiii)	"संबंधित पक्ष" का अभिप्राय भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए संबंधित पक्ष विगोपन (एएस 18) पर लेखांकन मानक में इसे दिया गया अर्थ तथा दूरसंचार कंपनी के भीतर पृथक लाइसेंसों से संबंधित लेन-देन से है;
(xxiv)	"संबंधित पक्ष लेनदेन" का अभिप्राय संबंधित पक्षों के बीच संसाधनों और दायित्वों का अंतरण, चाहे कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं, से है;
(xxv)	"प्रतिस्थापन लागत लेखांकन" का अभिप्राय लेखांकन की पद्धति, जहां किसी परिसंपत्ति का मूल्य, उस मूल्य पर वित्तीय विवरण में दर्ज किया जाता है, जिसका भुगतान किया जाना आवश्यक है, यदि वही या उसके समतुल्य परिसंपत्ति खरीदी जाती है, से है;
(xxvi)	"रिपोर्ट" का अभिप्राय विनियम 4 के अंतर्गत सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए वित्तीय और गैर-वित्तीय लेखांकन पृथक्करण विवरण से है;
(xxvii)	"खुदरा राजस्व" का अभिप्राय प्रत्यक्षतः अंत्य उपभोक्ता को उत्पादों और सेवाओं की बिक्री से सेवा प्रदाता द्वारा अर्जित राजस्व से है;
(xxviii)	"सेवा प्रदाता" का अभिप्राय किसी सेवा प्रदाता के रूप में सरकार और इसमें शामिल किसी लाइसेंसधारी से है;
(xxix)	"अनुपूरक मूल्यहास" का अभिप्राय परंपरागत लागत पर मूल्यहास और किसी परिसंपत्ति की प्रतिस्थापन लागत पर मूल्यहास के बीच अंतर से है;
(xxx)	"मार्गस्थ परिवहन प्रभार" का अभिप्राय उस लंबी दूरी के चार्जिंग एरिया के कम दूरी वाले चार्जिंग एरिया में समाप्त करने के लिए लंबी दूरी वाले चार्जिंग एरिया के लेवल II ट्रंक ऑटोमैटिक एक्सचेंज (टीएएक्स) में सेल्युलर मोबाइल नेटवर्कों से निश्चित नेटवर्क को सौंपे गए अंतःसर्किल ट्रैफिक के परिवहन के लिए प्रभार से है;

(xxxixi) "मूल्यवर्धित सेवाओं" का अभिप्राय प्रमुख सेवाओं के मूल्य में वृद्धि करने के लिए प्रदान की जाने वाली ऐसी सेवाओं से है। प्रमुख सेवाएं वॉयस कॉलें, वॉयस या गैर-वॉयस संदेश और आंकड़ा प्रेषण होती हैं;
(xxxixii) "थोक अंतःसंयोजन" का अभिप्राय किसी ऐसे लेन-देन से है जिसके लिए कॉलें या संदेश वहन करने या समाप्त करने के लिए या अंतःसंयोजन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अन्य सेवा प्रदाता से राजस्व प्राप्त किया जाता है;
(xxxixiii) "थोक राजस्व" का अभिप्राय अंत्य उपभोक्ताओं को प्रदान की गई सेवाओं और उत्पादों के अलावा अन्य उत्पादों और सेवा की बिक्री से प्राप्त राजस्व से है;
(xxxixiv) इन विनियमों में प्रयुक्त ऐसे सभी शब्द और अभिव्यक्तियां, जिनकी परिभाषा यहां नहीं दी गई है, परंतु अधिनियम और/या उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों तथा विनियमों में दी गई है, उनके अर्थ क्रमशः वही होंगे, जो उन्हें अधिनियम या नियमों या अन्य विनियमों, जैसा भी मामला हो, में दिए गए हैं।
<div>अध्याय II</div> <div>मैनुअल और रिपोर्टें</div>
<div>3. मैनुअल :</div> <div>(1) प्रत्येक सेवा प्रदाता, इन विनियमों के अंतर्गत विनिर्धारित लेखांकन और रिपोर्टिंग पद्धतियों के कार्यान्वयन के उद्देश्य के लिए इन विनियमों के प्रारंभन की तारीख से 90 दिन के अंदर प्राधिकरण को एक मैनुअल प्रस्तुत करेगा, जिसमें लेखांकन और लागत आबंटन के लिए नीतियां, सिद्धांत, पद्धतियां और प्रक्रियाएं होंगी;</div> <div>बशर्ते कि सेवा प्रदाता, जिन पर इन विनियमों के लागू होने की तिथि पर इस विनियम के उपबंध लागू नहीं होते हैं, वे लेखांकन वर्ष जिसमें इन विनियमों के उपबंध उस पर लागू होते हैं, की समाप्ति के अंत से नब्बे दिनों के भीतर लेखांकन तथा लागत आबंटन हेतु नियम पुस्तिका (मैनुअल) प्राधिकरण को उपलब्ध कराएगा जिसमें नीतियां, सिद्धांत, पद्धतियां तथा प्रक्रियाएं अंतर्विष्ट हों;</div>
<div>(2) मैनुअल में निम्नलिखित मदें अंतर्विष्ट होंगी, नामतः—</div> <div>(क) सेवा प्रदाता के संगठनात्मक ढांचे के ब्योरे;</div> <div>(ख) दूरसंचार सेवा क्षेत्र में प्रचालनरत समूह के अंदर सभी प्रतिष्ठानों की एक सूची और अंतःसंयोजन तथा ऐसी कंपनियों के साथ सेवा प्रदाता का संबंध;</div> <div>(ग) पूंजीकरण, मूल्यहास, राजस्व की अग्रिम प्राप्तियों, प्रतिभूति जमा, अशोध्य और संदिग्ध ऋणों आदि के प्रावधान से संबंधित नीतियों सहित सेवा प्रदाता द्वारा अपनाई गई वित्तीय लेखांकन पद्धति के ब्योरे;</div> <div>(घ) उत्पादों, सेवाओं, नेटवर्क घटकों और लाइसेंस प्रदत्त सेवा क्षेत्रों, जिन्हें लेखांकन पृथक्करण विवरण तैयार करने के लिए अलग खंडों के रूप में माना जाएगा, के ब्योरे;</div> <div>(च) राजस्व, लागत, परिसंपत्तियों और देयताओं के आबंटन और संविभाजन के लिए लेखांकन नीतियों का विवरण;</div> <div>(छ) लेखांकन पृथक्करण सूचना और रिपोर्टें रिकॉर्ड करने और तैयार करने के लिए अपनाई गई लेखाकरण पद्धति के ब्योरे जिनमें लागत और लाभ केंद्रों की सूची, लागत और लाभ केंद्रों के साथ वित्तीय शीर्षों के संबंध शामिल होंगे;</div> <div>(ज) लागत संविभाजन और लागत आबंटन प्रक्रिया में किए गए अध्ययनों, सर्वेक्षणों और अपनाए गए मॉडल का विवरण;</div> <div>(झ) मैनुअल में प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा; और</div> <div>(ट) मैनुअल के रखरखाव और अद्यतनीकरण के लिए अपनाई गई प्रक्रिया।</div>
(3) मैनुअल में किया गया कोई भी परिवर्तन तथा तत्संबंधी कारणों को सेवा प्रदाता द्वारा रिपोर्टें के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।
<div>4. रिपोर्टें —</div> <div>(1) प्रत्येक सेवा प्रदाता प्राधिकरण को प्रत्येक लाइसेंस प्रदत्त सेवा क्षेत्र के लिए पृथक् तथा एकसेस सेवाओं के मामले में सभी लाइसेंस प्रदत्त सेवा क्षेत्रों के लिए समेकित निम्नलिखित रिपोर्टें, प्राधिकरण को प्रस्तुत करेगा, नामतः—</div> <div>(क) वित्तीय रिपोर्ट, जिसमें निम्नवत अंतर्विष्ट होंः—</div> <div>(i) इन विनियमों की अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट प्रत्येक सेवा के संबंध में इन विनियमों की अनुसूची-III के प्रपत्र 'ए' पर लाभ और हानि विवरण;</div> <div>(ii) इन विनियमों की अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट प्रत्येक उत्पाद के संबंध में इन विनियमों की अनुसूची-III के प्रपत्र 'बी' पर लाभ और हानि विवरण;</div> <div>(iii) इन विनियमों की अनुसूची-III के प्रपत्र 'सी' पर नेटवर्क घटक-वार लागत शीट, जिसमें नेटवर्क घटक-वार लागत और विभिन्न उत्पादों के प्रति उसका आबंटन, उस आबंटन का आधार और इन विनियमों की अनुसूची-II में दी गई विभिन्न सेवाओं के नेटवर्क घटकों की सूची पर आधारित इस्तेमाल की प्रति इकाई लागत दी गई हो;</div> <div>(iv) इन विनियमों की अनुसूची-III के प्रपत्र 'डी' पर सहायक कार्य और विभाग की लागत शीट और उत्पादों तथा नेटवर्क घटकों के प्रति इसका आबंटन;</div> <div>(v) इन विनियमों की अनुसूची-III के प्रपत्र 'ई' पर विवरण, जिसमें श्रेणी-वार अचल परिसंपत्तियां और उन पर मूल्यहास दिया गया हो;</div> <div>(vi) सेवा प्रदाता द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाओं के लिए, इन विनियमों की अनुसूची-III के प्रपत्र 'एफ' पर नियोजित पूंजी विवरण;</div> <div>(vii) इन विनियमों की अनुसूची-III के प्रपत्र 'जी' पर विवरण; जिसमें इन विनियमों की अनुसूची-I में दिए गए उत्पादों के</div>

<p>संबंध में प्रत्येक सेवा के लिए नियोजित पूंजी का आबंटन दर्शाया गया हो;</p> <p>(viii) प्रपत्र 'एच' में विनिर्दिष्ट उत्पादों हेतु सकल राजस्व और संबंधित पक्ष के बारे में जानकारी के संबंध में अनुसूची-III के प्रपत्र 'एच' में विवरण;</p> <p>(ख) गैर-वित्तीय रिपोर्टें जिनमें विनियमों की अनुसूची I में उल्लिखित सेवाओं के लिए इन विनियमों की अनुसूची III के प्रपत्र 'जे' पर विवरण, जिसमें उपभोक्ताओं, नेटवर्क के उपयोग और नेटवर्क क्षमता से संबंधित गैर-वित्तीय सूचना दी गई हो;</p>
<p>(2) प्रत्येक सेवा प्रदाता, उप-विनियम (1) में उल्लिखित रिपोर्टें प्रस्तुत करेगा;</p> <p>(क) इन विनियमों की अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट सभी सेवाओं के लिए परंपरागत लागत लेखांकन पर आधारित प्रत्येक लेखांकन वर्ष के लिए; और</p> <p>(ख) दिनांक 31 मार्च, 2017 को समाप्त लेखांकन वर्ष के प्रारंभ तथा तत्पश्चात् प्रत्येक दूसरे लेखांकन वर्ष के लिए निम्नलिखित सेवाओं के संबंध में प्रतिस्थापन लागत लेखांकन, नामतः –</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>एक्सेस सेवा (वायरलैस)</li> <li>एक्सेस सेवा (वायरलाइन)</li> <li>लम्बी दूरी की राष्ट्रीय सेवा;</li> <li>लम्बी दूरी की अंतर्राष्ट्रीय सेवा;</li> </ol> <p>बशर्ते कि, किसी सेवा प्रदाता के लिए लाइसेंस जारी किए जाने की तिथि से तीन वर्ष तक प्रतिस्थापन लागत लेखांकन पर आधारित वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत करना अनिवार्य नहीं होगा;</p> <p>बशर्ते कि, आगे कि सेवा प्रदाता, प्रथम परंतुक में यथा वर्णित लाइसेंस/प्राधिकार को जारी किए जाने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि की समाप्ति के तुरंत पश्चात्, उप-खण्ड (ख) में यथा उपबंधित समयावधि तथा सेवाओं के लिए प्रतिस्थापन लागत लेखांकन के आधार पर रिपोर्टें प्रस्तुत करेगा</p>
<p>(3) प्रत्येक सेवा प्रदाता कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 128 के अंतर्गत तैयार किए गए लेखापरीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरण के साथ, उप-विनियम (1) की खंड (क) की उप-खण्ड (i) में उल्लिखित परंपरागत लागत लेखांकन के आधार पर बनाए गए लाभ और हानि विवरण का समाधान करेगा और अनुसूची-III के प्रपत्र "आई" में एक समाधान विवरण प्रस्तुत करेगा।</p>
<p>(4) प्रत्येक सेवा प्रदाता प्रतिस्थापन लागत लेखांकन के आधार पर रिपोर्टें तैयार करते हुए:-</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>वित्तीय पूंजी रखरखाव पद्धति अपनाएगा;</li> <li>लागत समायोजन को अचल परिसंपत्तियों तक सीमित करेगा;</li> <li>तीन वर्षों से कम जीवनकाल वाली परिसंपत्तियों के लिए प्रतिस्थापन लागत समायोजन की अनदेखी करेगा;</li> <li>आधुनिक समतुल्य परिसंपत्ति की लागत लेगा, जब प्रौद्योगिकी में परिवर्तन के कारण मौजूदा परिसंपत्ति उपलब्ध न हो या पुरानी परिसंपत्ति को आधुनिक समतुल्य परिसंपत्ति द्वारा प्रतिस्थापित किया गया हो;</li> <li>प्रतिधारण लाभ या हानि और अनुपूरक मूल्यह्रास दर्शाएगा;</li> <li>प्रचालन व्यय में परिवर्तन दर्शाएगा, जब किसी पुरानी परिसंपत्ति को किसी आधुनिक समतुल्य परिसंपत्ति द्वारा प्रतिस्थापित किया गया हो।</li> </ol>
<p>(5) प्रत्येक सेवा प्रदाता रिपोर्टों के साथ मैनुअल के प्रासंगिक भाग को उपलब्ध कराएगा जिसमें राजस्व, लागत, परिसंपत्तियों और देयताओं के आबंटन तथा विनियोजन हेतु लेखांकन नीतियों का ब्यौरा तथा लागत आबंटन तथा संविभाजन का आधार दिया जाएगा।</p>
<p><b>5. रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण –</b> (1) सेवा प्रदाता द्वारा विनियम 4 में संदर्भित प्रत्येक रिपोर्ट एवं विनियम 7 में उल्लिखित लेखा परीक्षक द्वारा परीक्षित विधिवत लेखापरीक्षित रिपोर्ट को प्राधिकरण के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में लेखांकन वर्ष के अंत से सात महीने के भीतर प्रस्तुत किया जाएगा:</p> <p>बशर्ते कि प्राधिकरण निर्देश द्वारा रिपोर्ट के ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण सहित कोई अन्य पद्धति विनिर्दिष्ट कर सकता है;</p>
<p>(2) यदि किसी सेवा प्रदाता का लेखांकन वर्ष 15 कैलेंडर माह से अधिक का हो जाता है, तो ऐसे सेवा प्रदाता दो भागों में रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा – एक भाग, जिसमें 12 महीने की रिपोर्ट हो और दूसरा भाग, जिसमें शेष अवधि की रिपोर्ट हो।</p> <p><b>6. सेवा प्रदाता द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किए जाने तथा गलत रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के परिणाम—</b> (1) यदि कोई सेवा प्रदाता विनियम 5 के प्रावधानों का उल्लंघन करता है तो यह इसके लाइसेंस के नियमों और शर्तों अथवा अधिनियम के प्रावधानों अथवा तैयार नियमों अथवा विनियमों अथवा आदेशों, अथवा इसके तहत जारी निर्देशों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना वित्तीय निरुत्साहन के माध्यम से पांच लाख रुपये से अनधिक की राशि का भुगतान करेगा, यदि चूक पंद्रह दिनों से अधिक समय तक जारी रहती है तो जिन पंद्रह दिनों तक चूक जारी रहती है, उन पंद्रह दिनों के पश्चात् प्रत्येक दिन के लिए अतिरिक्त पचास हजार रुपये से अनधिक</p>

<p>की राशि, जैसा प्राधिकरण आदेश द्वारा निर्देश देगा, का भुगतान करेगा।</p> <p>बशर्ते यदि कोई सेवा प्रदाता उत्तरवर्ती वर्षों में विनियम 5 के उपबंधों को उल्लंघन करेगा तो ऐसा सेवा प्रदाता प्रत्येक उल्लंघन के लिए वित्तीय निरुत्साहन के माध्यम से दस लाख रुपए से अनधिक की राशि का भुगतान करेगा और यदि चूक रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने की अंतिम तिथि से पंद्रह दिनों से अधिक की अवधि तक जारी रहती है तो पंद्रह दिनों के पश्चात्, प्रत्येक दिन के विलम्ब के लिए जब तक चूक जारी रहती है, एक लाख रुपए से अनधिक की अतिरिक्त राशि, जैसा प्राधिकरण आदेश द्वारा निर्देश दे, का भुगतान करेगा।</p> <p>(2) यदि सेवा प्रदाता द्वारा विनियम 5 के तहत प्रस्तुत की गई रिपोर्ट गलत पाई जाती है तथा जो ऐसा सेवा प्रदाता के जानने या मानने में गलत हो अथवा उसके मतानुसार गलत हो या किसी तथ्यात्मक जानकारी का जानबूझ कर लोप किया गया हो, तो यह इसके लाइसेंस के नियमों और शर्तों अथवा अधिनियम के प्रावधानों अथवा तैयार नियमों अथवा विनियमों अथवा आदेशों अथवा इसके तहत जारी किए निर्देशों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना वित्तीय निरुत्साहन के माध्यम से दस लाख रुपए से अनधिक की राशि, जैसा प्राधिकरण, आदेश द्वारा निर्देश दे, का भुगतान करेगा।</p> <p>(3) प्राधिकरण द्वारा वित्तीय निरुत्साहन के माध्यम से किसी भी राशि के भुगतान करने का कोई आदेश तब तक जारी नहीं किया जाएगा, जब तक कि प्राधिकरण, सेवा प्रदाता को उसके द्वारा की गई चूक के विरुद्ध, अपना पक्ष रखने का एक उचित अवसर नहीं देता है।</p>		
<p><b>7. लेखापरीक्षा –</b> (1) प्रत्येक सेवा प्रदाता, इन विनियमों के विनियम 4 के तहत सेवा प्रदाताओं द्वारा तैयार की गई रिपोर्टों की लेखापरीक्षा करने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 141 अथवा 148 के अंतर्गत लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्ति हेतु एक योग्य लेखापरीक्षक को नियुक्त करेगा और अनुसूची- IV में विनिर्दिष्ट प्रपत्र में लेखापरीक्षक से लेखापरीक्षा की रिपोर्ट प्राप्त करेगा।</p> <p>(2) इन विनियमों के विनियम 4 के अंतर्गत सेवा प्रदाता द्वारा तैयार की गई रिपोर्टें, कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अपनाई जाएंगी और इसे उप-विनियम (1) के अंतर्गत नियुक्त किए गए लेखापरीक्षक को प्रस्तुत करने से पहले इन पर प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।</p> <p>(3) इन विनियमों के विनियम 4 के अंतर्गत सेवा प्रदाता द्वारा तैयार की गई रिपोर्टें और उप-विनियम (1) में संदर्भित लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर लेखापरीक्षक अथवा यदि किसी फर्म को एक लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया हो तो किसी साझेदार द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।</p> <p>(4) सेवा प्रदाता प्राधिकरण को उप-विनियम (1) में उल्लिखित लेखापरीक्षक द्वारा दी गई लेखापरीक्षा रिपोर्ट तथा विनियम 4 में उल्लिखित रिपोर्ट की माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल प्रारूप में सॉफ्ट कॉपी के साथ लेखापरीक्षित रिपोर्टें प्रस्तुत करेगा।</p>		
<p><b>अध्याय III</b></p> <p><b>विविध</b></p>		
<p><b>8. निरसन और व्यावृत्तियां –</b> (1) लेखांकन पृथक्करण पर रिपोर्टिंग पद्धति संबंधी विनियम, 2012 (2012 का 7वां ) का एतद्द्वारा निरसन किया जाता है।</p> <p>(2) इस निरसन के होते हुए भी उक्त विनियम के अंतर्गत किए गए किसी कार्य या की गई किसी कार्यवाई को, इन विनियमों के तदनुरूपी उपबंधों के अंतर्गत किया गया कार्य या की गई कार्यवाई माना जाएगा।</p>		
<p><b>9. निर्वचन –</b> इन विनियमों के उपबंधों के किसी निर्वचन से संबंधित किसी संदेह के मामले में प्राधिकरण का स्पष्टीकरण अंतिम और बाध्यकारी होगा।</p>		

### अनुसूची – I

दूरसंचार सेवा का नाम	लाइसेंस प्रदत्त प्रचालन का सेवा क्षेत्र	उत्पाद/घटक
(1)	(2)	(3)
(I) एक्सेस सेवा – वायरलैस (II) एक्सेस सेवा – वायरलाइन	लाइसेंस प्रदत्त सेवा क्षेत्र अर्थात् दूरसंचार सर्किल	<p>(क) किराया/सक्रियकरण/एक मुश्त/रिचार्ज शुल्क</p> <p>(ख) वॉयस कॉल्स (अर्थात् लाइसेंस सेवा क्षेत्र में स्वयं के सब्सक्राइबर द्वारा):</p> <p style="padding-left: 40px;">(1) स्थानीय</p> <p style="padding-left: 40px;">(2) एसटीडी</p> <p style="padding-left: 40px;">(3) आईएसडी</p> <p>(ग) गैर वॉयस: संक्षिप्त संदेश सेवा एसएमएस/मल्टीमीडिया संदेश सेवा (एमएमएस)</p> <p>(घ) मूल्यवर्धित सेवाएं</p> <p>(ङ) ऑऊट रोमिंग (अर्थात् अपने सब्सक्राइबर द्वारा लाइसेंस सेवा क्षेत्र से बाहर):</p> <p style="padding-left: 40px;">(i) राष्ट्रीय</p> <p style="padding-left: 40px;">(ii) अंतर्राष्ट्रीय</p> <p>(च) डाटा</p> <p>(छ) लीज्ड सर्किट</p> <p>(झ) टावरों की सहभागिता/पट्टे पर देना</p>

दूरसंचार सेवा का नाम	लाइसेंस प्रदत्त प्रचालन का सेवा क्षेत्र	उत्पाद/घटक
(1)	(2)	(3)
		(ज) थोक (अंतःसंयोजन) : (i) वॉयस कॉल समापन (ii) एसएमएस/ एमएमएस समापन (iii) सह-स्थान सहित पोर्ट प्रभार (iv) ट्रांजिट कैरिज प्रभार (v) एक्सेस प्रभार (कालिंग कार्ड) (vi) इन- रोमिंग (vii) अंतरा- सर्किट रोमिंग (viii) अन्य अंतःसंयोजन प्रभार (ट) अन्य कोई उत्पाद (कृपया प्रत्येक उत्पाद के नाम का अलग से उल्लेख करें)
(III) इंटरनेट सेवा	लाइसेंस प्रदत्ता सेवा क्षेत्र	(क) इंटरनेट – ब्रॉडबैंड (ख) इंटरनेट – नैरोबैंड (ग) इंटरनेट टेलीफोनी (घ) इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) टीवी (च) इंटरनेट सामग्री (छ) वेब होस्टिंग और वेब-संस्थिति (ज) 'डार्क फाइबर' (झ) अन्य कोई उत्पाद (कृपया प्रत्येक उत्पाद के नाम का अलग से उल्लेख करें)
(IV) राष्ट्रीय लंबी दूरी सेवा	अखिल भारत	(क) वॉयस : (i) कैरिज सेवाएं (ii) कॉलिंग कार्ड (ख) लीज्ड सर्किट: (i) घरेलू समर्पित लीज्ड सर्किट (ii) प्रबंधित डेटा सेवाएं (वीपीएन/सीयूजी) (ग) 'डार्क फाइबर' (घ) अन्य कोई उत्पाद (कृपया प्रत्येक उत्पाद के नाम का अलग से उल्लेख करें)
(V) अंतर्राष्ट्रीय लंबी दूरी सेवा	अखिल भारत	(क) वॉयस : (i) कैरिज सेवाएं (ii) कॉलिंग कार्ड (ख) लीज्ड सर्किट: (i) अंतर्राष्ट्रीय प्राइवेट लीज्ड सर्किट (आईपीएलसी) (ii) प्रबंधित डाटा सेवाएं (वीपीएन/सीयूजी) (ग) केबल लैंडिंग स्टेशन (i) सह-स्थान (ii) एक्सेस सुगमता (घ) 'डार्क फाइबर' (ङ) अन्य कोई उत्पाद (कृपया प्रत्येक उत्पाद के नाम का अलग से उल्लेख करें)
(VI) मोबाइल नम्बर सुवाह्यता (एमएनपी)	अखिल भारत	उत्पाद का कोई उप-वर्गीकरण नहीं किया गया
(VII) अत्यधिक लघु एपचर टर्मिनल सेवा (वीएसएटी)	अखिल भारत	उत्पाद का कोई उप-वर्गीकरण नहीं किया गया

**अनुसूची – II**

क्रम संख्या	दूरसंचार सेवा का नाम	नेटवर्क घटक
(1)	(2)	(3)
(I)	एक्सेस सेवा- वॉयरलैस	<p><b>(क) कोर नेटवर्क :</b> (मोबाइल सेवाएं स्विचिंग केन्द्र (एमएससी)/गेटवे मोबाइल सेवाएं स्विचिंग केन्द्र (जीएमएससी), एमएससी-सर्वर/वर्चुअल एमएससी, मीडिया गेटवे (एमजीडब्ल्यू)/गेटवे मीडिया गेटवे (जीएमजीडब्ल्यू), आंगतुक स्थान रजिस्टर (वीएलआर), सर्विंग जीपीआरएस सपोर्ट नोड (एसजीएसएन), गेटवे जीपीआरएस सपोर्ट नोड (जीजीएसएन), ईआईआर (उपकरण पहचान रजिस्टर), एचएलआर (गृह स्थान रजिस्टर), एयूसी (प्रमाणन केन्द्र), ट्रांसपोंडर, सिगनलिंग गेटवे, अन्य)</p> <p><b>(ख) रेडियो एक्सेस नेटवर्क :</b> (नोड बी (आरएएन- रेडियो एक्सेस नेटवर्क), बीटीएस (बेस ट्रांसमिशन स्टेशन), आरएनसी (रेडियो नेटवर्क नियंत्रक), बीएससी (बेस स्टेशन नियंत्रक), अन्य)</p> <p><b>(ग) ट्रांसमिशन मीडिया/उपकरण :</b> (नेटवर्क घटकों के मध्य ट्रांसमिशन मीडिया अर्थात् ओएफसी/केबल/माइक्रोवेव, ट्रांसमिशन उपकरण, अन्य)</p> <p><b>(घ) अन्य नेटवर्क तत्व:</b> (एसएमएससी (संक्षिप्त संदेश सेवा केन्द्र), एमएमएससी (मल्टी मीडिया संदेश सेवा केन्द्र), एचएसएस (गृह उपभोक्ता सर्वर), मूल्य वर्धित सेवाओं के लिए अनुप्रयोग सर्वर, एनएमएस (नेटवर्क प्रबंधन पद्धति), बिलिंग सर्वर, आईयूसी सर्वर/आईसीबी सर्वर (अंतःसंयोजित बिलिंग सर्वर), आईएन सर्वर, एलआईएस (विधिपूर्ण अवरोधन सर्वर) एमएनपी के लिए सुविधा, टावर तथा संबद्ध अवसंरचना, अन्य)</p>
(II)	एक्सेस सेवा- वॉयरलाइन	<p>(क) उपभोक्ता छोर पर उपकरण – पीओटीएस, आईएसडीएन, पीएबीएक्स, वीपीटी उपकरण आदि।</p> <p>(ख) स्थानीय स्विचों एवं उपभोक्ता छोर के बीच एक्सेस मीडिया- कॉपर लूप/ऑप्टिकल फाइबर आदि।</p> <p>(ग) स्थानीय स्विच-स्थानीय स्विच (एनजीएन एवं आईपी सहित), रिमोट स्विचिंग यूनिट, रिमोट लॉजिकल यूनिट आदि।</p> <p>(घ) टैन्डम/टैक्स स्विच</p> <p>(च) मीडिया गेटवे (एमजीडब्ल्यू)</p> <p>(छ) ट्रांसमिशन मीडिया/उपकरण</p> <p>(ज) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)</p>
(III)	इंटरनेट सेवा	<p>(क) उपभोक्ता परिसर उपकरण (सीपीई)</p> <p>(ख) एक्सेस मीडिया (कॉपर लूप/ऑप्टिकल/फाइबर, केबल/वायरलेस नेटवर्क आदि।</p> <p>(ग) डीएसएलएएम</p> <p>(घ) रॉउटर (ईडीजीई/पीई/कोर)</p> <p>(च) एमयूएक्स/स्विच</p> <p>(छ) ट्रांसमिशन मीडिया/नेटवर्किंग घटकों के बीच पद्धति</p> <p>(ज) समर्पित सर्वर</p> <p>(झ) फाइबर</p> <p>(ञ) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)</p>
(IV)	राष्ट्रीय लंबी दूरी की सेवा	<p>(क) स्विच (एनजीएन एवं आईपी सहित)</p> <p>(ख) मीडिया गेटवे (एमजीडब्ल्यू)</p> <p>(ग) ट्रांसमिशन मीडिया एवं उपकरण</p> <p>(घ) फाइबर</p> <p>(ङ) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)</p>
(V)	अंतर्राष्ट्रीय लंबी दूरी की सेवा	<p>(क) स्विच (एनजीएन एवं आईपी सहित)</p>

क्रम संख्या (1)	दूरसंचार सेवा का नाम (2)	नेटवर्क घटक (3)
		(ख) मीडिया गेटवे (एमजीडब्ल्यू) (ग) ट्रांसमिशन- घरेलू (घ) ट्रांसमिशन- अंतर्राष्ट्रीय (ङ) केबल लैंडिंग स्टेशन से मीट मी रूम (एमएमआर) तक पारेषण लाइन (च) केबल लैंडिंग स्टेशन में मीट मी रूम (एमएमआर) में नेटवर्क उपकरण (छ) फाइबर (ज) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)
(VI)	मोबाइल नम्बर सुवाह्यता (एनएनपी)	(क) सर्वर (ख) रॉउटर/स्विच (ग) ट्रांसमिशन मीडिया (घ) गेटवे (च) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)
(VII)	अत्यधिक लघु एपर्चर टर्मिनल सेवा (वीएसएटी)	(क) अंतर्निक्षेप सेगमेंट ट्रांसपॉन्डर (ख) भू सेगमेंट (ग) अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)

**अनुसूची – III****प्रपत्रों की सूची**

क्रम संख्या	प्रपत्र	प्रपत्र का विवरण
1	प्रपत्र ए	लाभ एवं हानि विवरण – सेवा
2	प्रपत्र बी	लाभ एवं हानि विवरण – उत्पाद
3	प्रपत्र सी	लागत पत्रक- नेटवर्क घटक
4	प्रपत्र डी	लागत पत्रक- सहायक कार्य/विभाग
5	प्रपत्र ई	सकल खंड, मूल्यहास एवं निवल खंड का विवरण- सेवा
6	प्रपत्र एफ	नियोजित पूंजी विवरण – सेवा
7	प्रपत्र जी	नियोजित पूंजी विवरण – उत्पादों के लिए आबंटन
8	प्रपत्र एच	संबंधित पक्ष लेन-देन (राजस्व) संबंधी विवरण
9	प्रपत्र आई	लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के साथ समाधान विवरण (सभी सेवाओं और प्रचालन क्षेत्रों को शामिल करके)
10	प्रपत्र जे	प्रत्येक दूरसंचार सेवा के लिए गैर वित्तीय सूचना का विवरण

**अनुसूची III****प्रपत्र –ए****लाभ एवं हानि विवरण – सेवा**

कंपनी का नाम :

सेवा का नाम :

प्रचालन का लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र :

अवधि :

लागत आधार : परंपरागत लागत लेखांकन/ प्रतिस्थापन लागत लेखांकन

(लाख रुपए में)

क्रम संख्या	विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	राजस्व		
1.1	राजस्व (सेवा कर से निवल):		
1.2	घटाएं : पारगमन प्रभार(पास श्रु):		
1.2.1	एक्सेस सेवा प्रदाताओं को		



1.2.2	एनएलडी सेवा प्रदाताओं को		
1.2.3	आईएलडी सेवा प्रदाताओं को		
1.2.4	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
<b>1.3</b>	राजस्व (पारगमन प्रभार से निवल)		
<b>2</b>	<b>लागत:</b>		
<b>2.1</b>	<b>कार्मिक लागत:</b>		
2.1.1	वेतन एवं पारिश्रमिक		
2.1.2	भविष्य निधि एवं अन्य निधियों में अंशदान		
2.1.3	कर्मचारी कल्याण		
2.1.4	प्रशिक्षण एवं भर्ती		
2.1.5	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
	<b>उप योग</b>		
<b>2.2</b>	<b>प्रशासनिक लागत:</b>		
2.2.1	किराया (नेटवर्क उपकरण घटकों एवं सेल साइटों के अलावा)		
2.2.2	दरें एवं कर		
2.2.3	बीमा प्रभार (नेटवर्क उपकरण घटकों के अलावा)		
2.2.4	संचार लागत :		
2.2.5	विद्युत		
2.2.6	यात्रा एवं वाहन व्यय		
2.2.7	कानूनी एवं पेशेवर प्रभार		
2.2.8	मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
2.2.9	लेखापरीक्षा शुल्क		
2.2.10	ऑउटसोर्सिंग प्रभार		
2.2.11	एमएनपी के लिए सुवाह्यता प्रभार		
2.2.12	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
	<b>उप योग</b>		
<b>2.3</b>	<b>बिक्री एवं विपणन लागत:</b>		
2.3.1	विज्ञापन एवं व्यवसाय संवर्धन व्यय		
2.3.2	बिक्री कमीशन		
2.3.3	अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान		
2.3.4	बट्टे खाते में डाले गए अशोध्य ऋण		
2.3.5	ऑउटसोर्सिंग (बिलिंग सेवाएं एवं ग्राहक सेवाएं)		
2.3.6	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
	<b>उप योग</b>		
<b>2.4</b>	<b>अनुरक्षण लागत:</b>		
2.4.1	वार्षिक अनुरक्षण प्रभार		
2.4.2	नेटवर्क उपभोग्य		
2.4.3	मरम्मत एवं अनुरक्षण:		
2.4.3.1	भवन		
2.4.3.2	संयंत्र एवं मशीनरी		
2.4.3.3	अन्य		
2.4.4	अनुरक्षण क्रियाकलापों के लिए ऑउटसोर्सिंग प्रभार		
2.4.5	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
	<b>उप योग</b>		

<b>2.5</b>	<b>सरकारी प्रभार:</b>		
2.5.1	लाइसेंस शुल्क		
2.5.2	लाइसेंस शुल्क दंड, यदि कोई हो		
2.5.3	डब्ल्यूपीसी प्रभार :		
2.5.3.1	रेडियो स्पेक्ट्रम प्रभार		
2.5.3.2	माइक्रोवेव प्रभार		
2.5.4	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
	<b>उप योग</b>		
<b>2.6</b>	<b>नेटवर्क प्रचालन लागत:</b>		
2.6.1	लीज्ड सर्किट एवं गेटवे प्रभार		
2.6.2	तकनीकी जानकारी शुल्क के लिए रॉयल्टी		
2.6.3	किराया (नेटवर्क घटक उपकरण और सेल साइट)		
2.6.4	बिजली एवं ईंधन		
2.6.5	अतःसंयोजन		
2.6.5.1	सुवाह्यता प्रभार		
2.6.5.2	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
2.6.6	निष्क्रिय अवसंरचना प्रभार:		
2.6.7	बीमा प्रभार (नेटवर्क घटक उपकरण)		
2.6.8	नेटवर्क घटक उपकरणों हेतु आउटसोर्सिंग हेतु प्रभार		
2.6.9	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
	<b>उप योग</b>		
<b>2.7</b>	<b>मूल्यह्रास एवं परिशोधन :</b>		
2.7.1	नेटवर्क घटकों पर मूल्यह्रास		
2.7.2	एकमुश्त प्रवेश शुल्क / लाइसेंस शुल्क पर मूल्यह्रास		
2.7.3	स्पेक्ट्रम नीलामी राशि पर मूल्यह्रास		
2.7.4	अन्य मूल्यह्रास / परिशोधन (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
	<b>उप योग</b>		
<b>2.8</b>	<b>अन्य लागत:</b>		
2.8.1	अचल संपत्ति (निवल) की बिक्री पर हानि		
2.8.2	निगमित कार्यालय व्यय		
2.8.3	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
	<b>उप योग</b>		
<b>2.9</b>	<b>वित्त प्रभार (टिप्पणी 1 का संदर्भ लें)</b>		
2.9.1	बैंक प्रभार		
2.9.2	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)		
	<b>उप योग</b>		
<b>2.10</b>	<b>कुल लागत</b>		
<b>3</b>	<b>ब्याज तथा कर पूर्व लाभ एवं हानि</b>		
<b>4</b>	<b>प्रतिस्थापन लागत समायोजन (टिप्पणी 2 का संदर्भ लें)</b>		
4.1	होलिडिंग लाभ / हानि		

4.2	अनुपूरक मूल्यहास		
4.3	परिसंपत्तियों के प्रतिस्थापन के फलस्वरूप प्रचालन लागत में परिवर्तन		
4.4	कुल समायोजन		
5	ब्याज तथा कर पूर्व लाभ एवं हानि		
6	कुल नियोजित पूंजी		
7	नियोजित पूंजी पर प्रतिफल (%)		
8	कारोबार पर प्रतिफल (%)		

#### टिप्पणी

- 1 ऋण/उधार निधियों पर ब्याज को छोड़कर
- 2 प्रतिस्थापन लागत लेखांकन के आधार पर रिपोर्टिंग के लिए प्रासंगिक। प्रतिस्थापना लागत लेखांकन के आधार पर पिछले वर्ष के आंकड़ों को भरने की कोई आवश्यकता नहीं है।
- 3 विनियम की अनुसूची- I में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, प्रत्येक सेवा के लिए अलग-अलग प्रपत्र तैयार किया जाएगा।

#### प्रपत्र बी लाभ एवं हानि विवरण – उत्पाद

कंपनी का नाम :

सेवा का नाम :

प्रचालन का लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र:

अवधि :

लागत आधार : परंपरागत लागत लेखांकन/ प्रतिस्थापन लागत लेखांकन

(रूपे लाख में)

क्रम संख्या	विवरण	उत्पाद का प्रकार (टिप्पणी 1 देखें)				कुल
		उत्पाद क	उत्पाद ख	उत्पाद ग	उत्पाद ....	
<b>1</b>	<b>राजस्व</b>					
1.1	राजस्व (सेवा कर से निवल)					
1.2	घटाएँ : पारगमन (पास थ्रू) प्रभार					
1.2.1	एक्सेस सेवा प्रदाताओं को					
1.2.2	एनएलडी सेवा प्रदाताओं को					
1.2.3	आईएलडी सेवा प्रदाताओं को					
1.2.4	अन्य (कृपया उल्लेख करें)					
1.3	राजस्व (पास थ्रू का निवल)					
<b>2</b>	<b>लागत:</b>					
<b>2.1</b>	<b>कार्मिक लागत:</b>					
2.1.1	वेतन एवं पारिश्रमिक					
2.1.2	भविष्य निधि एवं अन्य निधियों में अंशदान					
2.1.3	कर्मचारी कल्याण					
2.1.4	प्रशिक्षण एवं भर्ती					
2.1.5	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
	<b>उप योग</b>					

<b>2.2</b>	<b>प्रशासनिक लागत:</b>					
2.2.1	किराया (नेटवर्क उपकरण घटकों एवं सेल साइटों के अलावा)					
2.2.2	दरें एवं कर					
2.2.3	बीमा प्रभार (नेटवर्क उपकरण घटकों के अलावा)					
2.2.4	संचार लागत :					
2.2.5	विद्युत					
2.2.6	यात्रा एवं वाहन व्यय					
2.2.7	कानूनी एवं पेशेवर प्रभार					
2.2.8	मुद्रण एवं लेखन सामग्री					
2.2.9	लेखापरीक्षा शुल्क					
2.2.10	ऑउटसोर्सिंग प्रभार					
2.2.11	एमएनपी के लिए सुवाह्यता प्रभार					
2.2.12	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
	<b>उप योग</b>					
<b>2.3</b>	<b>बिक्री एवं विपणन लागत:</b>					
2.3.1	विज्ञापन एवं व्यवसाय संवर्धन व्यय					
2.3.2	बिक्री कमीशन					
2.3.3	अशोध्य एवं सदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान					
2.3.4	बटूटे खाते में डाले गए अशोध्य ऋण					
2.3.5	ऑउटसोर्सिंग (बिलिंग सेवाएं एवं ग्राहक सेवाएं)					
2.3.6	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
	<b>उप योग</b>					
<b>2.4</b>	<b>अनुरक्षण लागत:</b>					
2.4.1	वार्षिक अनुरक्षण प्रभार					
2.4.2	नेटवर्क उपभोग्य					
2.4.3	मरम्मत एवं अनुरक्षण:					
2.4.3.1	भवन					
2.4.3.2	संयंत्र एवं मशीनरी					
2.4.3.3	अन्य					
2.4.4	अनुरक्षण क्रियाकलापों के लिए ऑउटसोर्सिंग प्रभार					
2.4.5	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
	<b>उप योग</b>					
<b>2.5</b>	<b>सरकारी प्रभार:</b>					
2.5.1	लाइसेंस शुल्क					
2.5.2	लाइसेंस शुल्क दंड यदि कोई हो					
2.5.3.1	डब्ल्यूपीसी प्रभार					
2.5.3	रेडियो स्पेक्ट्रम प्रभार					
2.5.3.2	माइक्रोवेव प्रभार					
2.5.4	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					

	उप योग					
<b>2.6</b>	<b>नेटवर्क प्रचालन लागत:</b>					
2.6.1	लीज्ड सर्किट एवं गेटवे प्रभार					
2.6.2	तकनीकी जानकारी शुल्क के लिए रॉयल्टी					
2.6.3	किराया (नेटवर्क घटक उपकरण और सेल साइट)					
2.6.4	बिजली एवं ईंधन					
2.6.5	अतःसंयोजन					
2.6.5.1	सुवाह्यता प्रभार					
2.6.5.2	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
2.6.6	निष्क्रिय अवसंरचना प्रभार:					
2.6.7	बीमा प्रभार (नेटवर्क घटक उपकरण)					
2.6.8	नेटवर्क घटक उपकरणों हेतु आउटसोर्सिंग हेतु प्रभार					
2.6.9	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
	उप योग					
<b>2.7</b>	<b>मूल्यहास एवं परिशोधन :</b>					
2.7.1	नेटवर्क घटकों पर मूल्यहास					
2.7.2	एकमुश्त प्रवेश शुल्क / लाइसेंस शुल्क पर मूल्यहास					
2.7.3	स्पेक्ट्रम नीलामी राशि पर मूल्यहास					
2.7.4	अन्य मूल्यहास / परिशोधन (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
	उप योग					
<b>2.8</b>	<b>अन्य लागत:</b>					
2.8.1	अचल संपत्ति (निवल) की बिक्री पर हानि					
2.8.2	निगमित कार्यालय व्यय					
2.8.3	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
	उप योग					
<b>2.9</b>	<b>वित्त प्रभार (टिप्पणी 1 का संदर्भ लें)</b>					
2.9.1	बैंक प्रभार					
2.9.2	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
	उप योग					
	<b>कुल प्रत्यक्ष लागत (I)</b>					
<b>3</b>	<b>नेटवर्क घटक लागत(टिप्पणी 3 का संदर्भ लें):</b>					
3.1	नेटवर्क घटक 1					
3.2	नेटवर्क घटक 2					
3.3	नेटवर्क घटक 3					
3.4	नेटवर्क घटक 4					
3.5	नेटवर्क घटक .....					

	कुल नेटवर्क घटक लागत (II)				
4	सहायक कार्य/विभाग लागत (टिप्पणी 4 का संदर्भ लें):				
	कुल सहायक कार्य/विभाग लागत (III)				
5	कुल लागत (I+II+III)				
6	ब्याज तथा कर पूर्व लाभ एवं हानि				
7	प्रतिस्थापन लागत समायोजन (टिप्पणी 5 का संदर्भ लें)				
7.1	होल्डिंग लाभ/हानि				
7.2	अनुपूरक मूल्यवृद्धि				
7.3	परिसंपत्तियों के प्रतिस्थापन के कारण प्रचालन लागत में परिवर्तन				
7.4	कुल समायोजन				
8	ब्याज तथा कर पूर्व लाभ एवं हानि				
9	कुल नियोजित पूंजी				
10	नियोजित पूंजी पर प्रतिफल(%)				
11	टर्नओवर पर प्रतिफल (%)				

टिप्पणियां:

1. विनियम की अनुसूची- I में यथा विनिर्दिष्ट प्रत्येक प्रासंगिक उत्पाद के लिए यह विवरण तैयार किया जाएगा ।
2. ऋण/उधार ली गई निधियों पर ब्याज को छोड़कर।
3. प्रपत्र ग से यथा अंतरित
4. प्रपत्र घ से यथा अंतरित/ विभाजित
5. प्रतिस्थापन लागत समायोजन का उपयोग तब होगा जब रिपोर्ट प्रतिस्थापन लागत लेखांकन के आधार पर बनाई गई हो।

**प्रपत्र सी**  
**लागत पत्रक : नेटवर्क घटक**

कंपनी का नाम :

सेवा का नाम :

प्रचालन का लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र:

अवधि :

लागत आधार : परंपरागत लागत लेखांकन/ प्रतिस्थापन लागत लेखांकन

(रूपे लाख में)

क्रम संख्या	विवरण	नेटवर्क घटक 1	नेटवर्क घटक 2	नेटवर्क घटक ....	जोड़
	लागतें:				
1	नेटवर्क प्रत्यक्ष लागत				
1.1	कर्मचारी लागत				
1.1.1	वेतन एवं पारिश्रमिक				
1.1.2	भविष्य निधि एवं अन्य निधियों में				

	अंशदान				
1.1.3	कर्मचारी कल्याण				
1.1.4	प्रशिक्षण एवं भर्ती				
1.1.5	अन्य (कृपया उल्लेख करें)				
	<b>उप-जोड़</b>				
<b>1.2</b>	<b>प्रशासनिक लागत:</b>				
1.2.1	किराया (नेटवर्क उपकरण घटकों एवं सेल साइटों के अलावा)				
1.2.2	दरें एवं कर				
1.2.3	बीमा प्रभार (नेटवर्क उपकरण घटकों के अलावा)				
1.2.4	संचार लागत :				
1.2.5	विद्युत				
1.2.6	यात्रा एवं वाहन व्यय				
1.2.7	कानूनी एवं पेशेवर प्रभार				
1.2.8	मुद्रण एवं लेखन सामग्री				
1.2.9	लेखापरीक्षा शुल्क				
1.2.10	ऑउटसोर्सिंग प्रभार				
1.2.11	एमएनपी के लिए सुवाह्यता प्रभार				
1.2.12	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
	<b>उप योग</b>				
<b>1.3</b>	<b>बिक्री एवं विपणन लागत:</b>				
1.3.1	विज्ञापन एवं व्यवसाय संवर्धन व्यय				
1.3.2	बिक्री कमीशन				
1.3.3	अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान				
1.3.4	बट्टे खाते में डाले गए अशोध्य ऋण				
1.3.5	ऑउटसोर्सिंग (बिलिंग सेवाएं एवं ग्राहक सेवाएं)				
1.3.6	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
	<b>उप योग</b>				
<b>1.4</b>	<b>अनुरक्षण लागत:</b>				
1.4.1	वार्षिक अनुरक्षण प्रभार				
1.4.2	नेटवर्क उपभोग्य				
1.4.3	मरम्मत एवं अनुरक्षण:				
1.4.3.1	भवन				
1.4.3.2	संयंत्र एवं मशीनरी				
1.4.3.3	अन्य				
1.4.4	अनुरक्षण क्रियाकलापों के लिए ऑउटसोर्सिंग प्रभार				
1.4.5	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
	<b>उप योग</b>				
<b>1.5</b>	<b>सरकारी प्रभार:</b>				
1.5.1	लाइसेंस शुल्क				
1.5.2	लाइसेंस शुल्क दंड, यदि कोई हो				

1.5.3	डब्ल्यूपीसी प्रभार :				
1.5.3.1	रेडियो स्पेक्ट्रम प्रभार				
1.5.3.2	माइक्रोवेव प्रभार				
1.5.4	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
	<b>उप योग</b>				
<b>1.6</b>	<b>नेटवर्क प्रचालन लागत:</b>				
1.6.1	लीज्ड सर्किट एवं गेटवे प्रभार				
1.6.2	तकनीकी जानकारी शुल्क के लिए रॉयल्टी				
1.6.3	किराया (नेटवर्क घटक उपकरण और सेल साइट)				
1.6.4	बिजली एवं ईंधन				
1.6.5	अतःसंयोजन				
1.6.5.1	सुवाह्यता प्रभार				
1.6.5.2	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
1.6.6	निष्क्रिय अवसंरचना प्रभार:				
1.6.7	बीमा प्रभार (नेटवर्क घटक उपकरण)				
1.6.8	नेटवर्क घटक उपकरणों हेतु आउटसोर्सिंग हेतु प्रभार				
1.6.9	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
	<b>उप योग</b>				
<b>1.7</b>	<b>मूल्यहास एवं परिशोधन :</b>				
1.7.1	नेटवर्क घटकों पर मूल्यहास				
1.7.2	एकमुश्त प्रवेश शुल्क/ लाइसेंस शुल्क पर मूल्यहास				
1.7.3	स्पेक्ट्रम नीलामी राशि पर मूल्यहास				
1.7.4	अन्य मूल्यहास/ परिशोधन (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
	<b>उप योग</b>				
<b>1.8</b>	<b>अन्य लागत:</b>				
1.8.1	अचल संपत्ति (निवल) की बिक्री पर हानि				
1.8.2	निगमित कार्यालय व्यय				
1.8.3	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
	<b>उप योग</b>				
<b>1.9</b>	<b>वित्त प्रभार (टिप्पणी 1 का संदर्भ लें)</b>				
1.9.1	बैंक प्रभार				
1.9.2	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)				
	<b>उप योग</b>				
	<b>कुल लागत</b>				
<b>1.10</b>	<b>प्रतिस्थापन लागत समायोजन (टिप्पणी 2 देखें)</b>				
1.10.1	होल्डिंग लाभ/हानि				
1.10.2	पूरक मूल्यहास				



1.10.3	परिसंपत्तियों के प्रतिस्थापन के लागत में परिवर्तन कारण प्रचालन				
1.10.4	कुल समायोजन				
	<b>कुल नेटवर्क प्रत्यक्ष लागत (I)</b>				
<b>2</b>	<b>सहायक कार्य/विभाग से अंतरित लागत</b>				
2.1	<b>विभाग 1</b>				
2.2	<b>विभाग 2</b>				
2.3	<b>विभाग 3</b>				
2.4	<b>विभाग .....</b>				
	<b>कुल सहायक कार्य/विभाग लागत (II)</b>				
	<b>कुल नेटवर्क लागत (I+II)</b>				

**उत्पादों हेतु नेटवर्क घटक लागत का उत्पादों में आबंटन**

विवरण	उत्पाद क	उत्पाद ख	उत्पाद ग	उत्पाद .....	जोड़
नेटवर्क घटक 1					
नेटवर्क घटक 2					
नेटवर्क घटक .....					
जोड़					

टिप्पणियां:

- 1 ऋण/उधार ली गई निधियों पर ब्याज को छोड़कर।
- 2 प्रतिस्थापन लागत समायोजन का उपयोग तब होगा जब रिपोर्ट प्रतिस्थापन लागत लेखांकन के आधार पर बनाई गई हो।
- 3 यदि किसी अन्य सेवा के साथ कोई संयुक्त नेटवर्क घटक है, तो उसकी लागत को विभाजित किया जाएगा तथा उसे संबंधित सेवावार लागत पत्रक में दर्शाया जाएगा।
- 4 विनियम की अनुसूची- II में नेटवर्क घटकों की सूची दी गई है। सेवा प्रदाताओं द्वारा इस सूची का प्रयोग किया जाए। यदि कोई नेटवर्क घटक प्रासंगिक नहीं है तो इसे शून्य के रूप में दर्शाया जाएगा।

**प्रपत्र डी**  
**लागत पत्रक: सहायक कार्य/विभाग**

कंपनी का नाम:

सेवा का नाम:

प्रचालन का लाइसेंस प्राप्त क्षेत्र:

अवधि:

लागत का आधार: परंपरागत लागत लेखांकन/प्रतिस्थापन लागत लेखांकन

(रुपए लाख में)

क्रम संख्या	विवरण	विभाग 1	विभाग 2	विभाग 3	विभाग 4	विभाग 5	अन्य	जोड़
	लागते							
<b>1.1</b>	<b>कर्मचारी लागत</b>							
1.1.1	वेतन एवं पारिश्रमिक							
1.1.2	भविष्य निधि एवं अन्य निधियों में अंशदान							
1.1.3	कर्मचारी कल्याण							
1.1.4	प्रशिक्षण एवं भर्ती							

1.1.5	अन्य (कृपया उल्लेख करें)							
	<b>उप-जोड़</b>							
<b>1.2</b>	<b>प्रशासनिक लागत:</b>							
1.2.1	किराया (नेटवर्क उपकरण घटकों एवं सेल साइटों के अलावा)							
1.2.2	दरें एवं कर							
1.2.3	बीमा प्रभार (नेटवर्क उपकरण घटकों के अलावा)							
1.2.4	संचार लागत :							
1.2.5	विद्युत							
1.2.6	यात्रा एवं वाहन व्यय							
1.2.7	कानूनी एवं पेशेवर प्रभार							
1.2.8	मुद्रण एवं लेखन सामग्री							
1.2.9	लेखापरीक्षा शुल्क							
1.2.10	ऑउटसोर्सिंग प्रभार							
1.2.11	एमएनपी के लिए सुवाह्यता प्रभार							
1.2.12	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)							
	<b>उप योग</b>							
<b>1.3</b>	<b>बिक्री एवं विपणन लागत:</b>							
1.3.1	विज्ञापन एवं व्यवसाय संवर्धन व्यय							
1.3.2	बिक्री कमीशन							
1.3.3	अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान							
1.3.4	बट्टे खाते में डाले गए अशोध्य ऋण							
1.3.5	ऑउटसोर्सिंग (बिलिंग सेवाएं एवं ग्राहक सेवाएं)							
1.3.6	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)							
	<b>उप योग</b>							
<b>1.4</b>	<b>अनुरक्षण लागत:</b>							
1.4.1	वार्षिक अनुरक्षण प्रभार							
1.4.2	नेटवर्क उपभोग्य							
1.4.3	मरम्मत एवं अनुरक्षण:							
1.4.3.1	भवन							
1.4.3.2	संयंत्र एवं मशीनरी							
1.4.3.3	अन्य							
1.4.4	अनुरक्षण क्रियाकलापों के लिए ऑउटसोर्सिंग प्रभार							
1.4.5	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)							
	<b>उप योग</b>							
<b>1.5</b>	<b>सरकारी प्रभार:</b>							
1.5.1	लाइसेंस शुल्क							
1.5.2	लाइसेंस शुल्क दंड, यदि कोई हो							
1.5.3	डब्ल्यूपीसी प्रभार :							
1.5.3.1	रेडियो स्पेक्ट्रम प्रभार							

1.5.3.2	माइक्रोवेव प्रभार							
1.5.4	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)							
	<b>उप योग</b>							
<b>1.6</b>	<b>नेटवर्क प्रचालन लागत:</b>							
1.6.1	लीज्ड सर्किट एवं गेटवे प्रभार							
1.6.2	तकनीकी जानकारी शुल्क के लिए रॉयल्टी							
1.6.3	किराया (नेटवर्क घटक उपकरण और सेल साइट)							
1.6.4	बिजली एवं ईंधन							
1.6.5	अतःसंयोजन							
1.6.5.1	सुवाह्यता प्रभार							
1.6.5.2	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)							
1.6.6	निष्क्रिय अवसंरचना प्रभार:							
1.6.7	बीमा प्रभार (नेटवर्क घटक उपकरण)							
1.6.8	नेटवर्क घटक उपकरणों हेतु आउटसोर्सिंग हेतु प्रभार							
1.6.9	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)							
	<b>उप योग</b>							
<b>1.7</b>	<b>मूल्यहास एवं परिशोधन :</b>							
1.7.1	नेटवर्क घटकों पर मूल्यहास							
1.7.2	एकमुश्त प्रवेश शुल्क/ लाइसेंस शुल्क पर मूल्यहास							
1.7.3	स्पेक्ट्रम नीलामी राशि पर मूल्यहास							
1.7.4	अन्य मूल्यहास/ परिशोधन (कृपया विनिर्दिष्ट करें)							
	<b>उप योग</b>							

<b>1.8</b>	<b>अन्य लागत:</b>							
1.8.1	अचल संपत्ति (निवल) की बिक्री पर हानि							
1.8.2	निगमित कार्यालय व्यय							
1.8.3	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)							
	<b>उप योग</b>							
<b>1.9</b>	<b>वित्त प्रभार (टिप्पणी 1 का संदर्भ लें)</b>							
1.9.1	बैंक प्रभार							
1.9.2	अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)							
	<b>उप योग</b>							
	<b>कुल लागत</b>							
<b>1.10</b>	<b>प्रतिस्थापन लागत समायोजन (टिप्पणी 2 देखें)</b>							
1.10.1	होलिडिंग लाभ/हानि							
1.10.2	पूरक मूल्यहास							
1.10.3	परिसंपत्तियों के प्रतिस्थापन के लागत में परिवर्तन कारण प्रचालन							

1.10.4	कुल समायोजन							
	कुल लागत – सहायक कार्य/विभाग							

टिप्पणियां:

- 1 ऋण/उधार ली गई निधियों पर ब्याज को छोड़कर।
- 2 प्रतिस्थापन लागत समायोजन का उपयोग तब होगा जब रिपोर्ट प्रतिस्थापन लागत लेखांकन के आधार पर बनाई गई हो।
- 3 विभागों की संकेतात्मक सूची नीचे दी गई है:-

क्रम संख्या	विभागों की सूची
1.	मानव संसाधन/कार्मिक
2.	प्रशासन
3.	मरम्मत एवं अनुरक्षण
4.	सूचना प्रौद्योगिकी/ईडीपी
5.	कानूनी/विनियामक
6.	वित्त एवं लेखा
7.	कार्पोरेट/सर्कल कार्यालय
8.	अन्य विभाग

सहायक कार्य/विभाग की लागत का उत्पाद/नेटवर्क घटकों में आबंटन  
(रुपये लाख में)

विभाग	विभाग 1	विभाग 2	विभाग 3	विभाग 4	विभाग 5	अन्य
उत्पादों के लिए आबंटन						
उत्पाद क						
उत्पाद ख						
उत्पाद ग						
उत्पाद घ						
उत्पाद च						
उत्पाद .....						
नेटवर्क घटकों के लिए आबंटन						
नेटवर्क घटक 1						
नेटवर्क घटक 2						
नेटवर्क घटक 3						
नेटवर्क घटक 4						
नेटवर्क घटक 5						
नेटवर्क घटक.....						
कुल						

प्रपत्र ई

सकल खंड, मूल्यहास एवं निवल खंड का विवरण – सेवा

कंपनी का नाम:

सेवा का नाम:

प्रचालन का लाइसेंस प्राप्त क्षेत्र:

अवधि:

लागत का आधार:

परंपरागत लागत लेखांकन/प्रतिस्थापन लागत लेखांकन

सकल खंड/मूल्यहास/निवल खंड

(रुपए लाख में)

विवरण	मूल संपत्तियां								अमूल संपत्तियां					जोड़
	भूमि	भवन	संयंत्र एवं मशीनरी	कंप्यूटर	कार्यालय उपकरण	फर्नीचर और फिक्स्चर	वाहन	अन्य	स्पेक्ट्रम इस्तेमाल करने का अधिकार/ नीलामी राशि	लाइसेंस शुल्क/एकबारगी प्रवेश शुल्क	बैंडविड्थ	पेटेंट/ तकनीकी जानकारी	अन्य	
नेटवर्क घटक (टिप्पणी 1 का संदर्भ लें)														
---														
---														
उप-जोड़ (क)														
सहायक कार्य/ विभाग/ अन्य (टिप्पणी 2 का संदर्भ लें)														
---														
---														
उप-जोड़ (ख)														
जोड़ (क+ख)														

टिप्पणियां:

- जैसा कि विनियम की अनुसूची-II में विनिर्धारित है। इसमें साझा नेटवर्क घटके के साथ-साथ उत्पादों के लिए प्रत्यक्ष रूप से चिन्हित नेटवर्क घटक भी शामिल हैं।
- इसमें अचल संपत्तियां (नेटवर्क घटकों के अलावा) जोकि उत्पादों के लिए प्रत्यक्ष रूप से चिन्हित हैं।
- अचल संपत्ति (सकल खंड/निवल खंड) एवं संचित मूल्यहास के लिए अलग विवरण।
- प्रपत्र में विशेष रूप से उल्लेख हो कि इसे परंपरागत लागत आधार या प्रतिस्थापन लागत में से किसके आधार पर तैयार किया गया है।
- रिपोर्टिंग अवधि के दौरान विभिन्न अचल संपत्तियों पर प्रसारित मूल्यहास की दर के विवरण को प्रपत्र-ई के साथ संलग्न किया जाए।
- प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत उपोक्त फॉर्मेट में सूचना में अपसामान्य संपत्तियों का मूल्य शामिल होगा।

**प्रपत्र – एफ**  
**नियोजित पूंजी विवरण – सेवा**

कंपनी का नाम:

सेवा का नाम:

प्रचालन का लाइसेंस प्राप्त क्षेत्र:

अवधि:

लागत का आधार:

परंपरागत लागत लेखांकन/प्रतिस्थापन लागत लेखांकन

(रुपए लाख में)

विवरण	चालू वर्ष			पिछला वर्ष	
	नियोजित पूंजी के घटक	संपत्ति की प्रतिस्थापन लागत के लिए समायोजन (टिप्पणी 2 देखें)	कुल	नियोजित पूंजी के घटक	कुल
अचल संपत्ति (सकल बही मूल्य)					
घटाएं: संचित मूल्यहास					
अचल संपत्ति का निवल बही मूल्य (I)					
पूंजीगत प्रगति कार्य:					
स्पेक्ट्रम इस्तेमाल करने का अधिकार/ नीलामी राशि					
लाइसेंस शुल्क/एकबारगी प्रवेश शुल्क					
अन्य					
कुल पूंजीगत प्रगति कार्य (II)					
चालू संपत्तियां:					
चालू निवेश					
व्यापार प्राप्य					
स्टॉक					
रोकड़ और रोकड़ समतुल्य					
अल्प-कालिक ऋण और अग्रिम					
अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
उप-जोड़					
चालू देयताएं: (टिप्पणी 3 का संदर्भ लें)					
अल्प कालिक ऋण					
व्यापार देय					
अल्प कालिक प्रावधान					
अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)					
उप-जोड़					
निवल कार्यशील पूंजी (चालू संपत्तियां घटा चालू देयताएं) (III)					
कुल नियोजित पूंजी (I + II+ III)					
पूंजी का भारित औसत लागत अर्थात् डब्ल्यूएससी ( % में) (कृपया नोट 3 का संदर्भ लें)					

टिप्पणियां:



अधिकतम प्रभारित दर	यूनिट (टिप्पणी 3 का संदर्भ लें)									
	सकल राजस्व (रुपये लाख में)									
प्रति यूनिट न्यूनतम प्रभारित दर	दर प्रति यूनिट (रुपये)									
	यूनिट (टिप्पणी 3 का संदर्भ लें)									
	सकल राजस्व (रुपये लाख में)									
कुल सकल राजस्व (सभी दरों पर राजस्व का जोड़)	संख्या (टिप्पणी 4 का संदर्भ लें)									
	सकल राजस्व (रुपये लाख में)									
	औसत सकल राजस्व प्रति यूनिट (रुपये)									

#### टिप्पणियां:

- समूह से आशय, उन पक्षों से है, जिन्हें विनियम में "संबंधित पक्ष" के रूप में परिभाषित किया गया है। संबंधित पक्ष की परिभाषा में पृथक रूप से शामिल प्रत्येक कंपनी की सूचना अलग से प्रस्तुत करें और इसमें कंपनी के भीतर अंतर दूरसंचार सेवा संबंधी लेनदेन भी शामिल करें।
- कृपया संबंधित पक्ष के नाम (यदि संबंधित पक्ष अन्य कंपनी है) या अंतर सेवा लेनदेन के मामले में दूरसंचार लाइसेंस के नाम का उल्लेख करें।
- उपयोग के मिनट, संदेशों की संख्या, टॉवरों की संख्या आदि।
- संबंधित पक्ष के साथ लेनदेन की कुल यूनिटों की संख्या।
- उपरोक्त प्रपत्र में सकल राजस्व पर संबंधित पक्ष की सूचना विभिन्न दूरसंचार सेवाओं के अंतर्गत निम्नलिखित उत्पादों के लिए दी जाएगी:

दूरसंचार सेवा का नाम	उत्पाद
(I) एक्सेस सेवा – वायरलैस	(i) थोक (अंतःसंयोजन): समापन वोइस कॉल प्रभार (अंतर्राष्ट्रीय कॉल के अलावा)
(II) एक्सेस सेवा – वायरलाइन	(ii) थोक (अंतःसंयोजन): अंतर्राष्ट्रीय समापन प्रभार – वोइस कॉल
	(iii) थोक (अंतःसंयोजन): समापन एसएमएस
	(iv) थोक (अंतःसंयोजन): सह-स्थान सहित पोर्ट प्रभार
	(v) थोक (अंतःसंयोजन): एक्सेस प्रभार (कॉलिंग कार्ड्स)
	(vi) थोक (अंतःसंयोजन) इन-रोमिंग
	(vii) टॉवर साझा करना
	(viii) टॉवर लीज पर देना
(III) इंटरनेट सेवा	(i) डार्क फाइबर
(IV) राष्ट्रीय लंबी दूरी की सेवा	(i) वोइस: कैरिज सेवाएं
	(ii) डार्क फाइबर

[illegible]



2.8	अन्य लागत (कृपया उल्लेख करें)											
2.9	वित्त प्रभार (टिप्पणी 3 का संदर्भ लें)											
	कुल लागत											
3	ब्याज एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआई टी)											
4	नियोजित पूँजी											

टिप्पणियाँ:

- 1 दूरसंचार सेवाओं के लिए राजस्व, लागत तथा नियोजित पूँजी, उस विशेष सेवा हेतु प्रपत्र-ए के अनुसार होनी चाहिए ।
- 2 10 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य वाली व्यक्तिगत मद/लेखा शीर्षों हेतु इस प्रपत्र के साथ अलग से सूची संलग्न की जानी चाहिए ।
- 3 ऋण/उधार ली गई निधियों पर ब्याज को छोड़कर ।

#### प्रपत्र जे

#### प्रत्येक दूरसंचार सेवा के लिए गैर-वित्तीय सूचना का विवरण

(क) एक्सेस सेवा – (वायलैस) हेतु गैर वित्तीय सूचना का विवरण		
<b>I. बुनियादी सूचना</b>		
(तिथि) तक की सूचना		
1.1	लाइसेंस का नाम	
1.2	लाइसेंस नम्बर एवं जारी करने/माइग्रेशन की तिथि	
1.3	लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र	
1.4	लाइसेंस अवधि	
1.5	वाणिज्यिक सेवा प्रारम्भ होने की तिथि	
<b>II. सब्सक्राइबर का विवरण</b>		
2.1	सब्सक्राइबरों की संख्या (लाख में)	आरम्भ में
	(क) शहरी	समाप्ति पर
	(ख) ग्रामीण	

जोड़			
2.2 इंटरनेट सब्सक्राइबर्स की संख्या (लाख में):			
<b>III. ट्रेफिक विवरण</b>			
3.1 उपयोग:	ऑन नेट	ऑफ नेट	
	उद्गम	समापन	
	उद्गम	समापन	
(क) उपयोग के वॉयस मिनट (लाख में)			
(ख) गैर-वॉयस संदेश-एसएमएस (लाख में)			
3.2 डाटा उपयोग (एमबी में) (लाख में):			
3.3 लीज्ड सर्किटों के जरिये बेचे गए कुल बैंडवैड्थ (एमबीपीएस)			
3.4 ट्रांसमिशन क्षमता का विवरण			
लंबाई रूट किलोमीटर में			
(क) ओएफसी:			
- स्वामित्व			
- लीज पर			
(ख) माइक्रोवेव:			
- स्वामित्व			
- लीज पर			
(ग) सैटेलाइट			
<b>IV. टॉवरों का विवरण</b>			
विवरण	टॉवरों की संख्या		औसत किराएदारी अनुपात
	स्वामित्व	लीज पर	
	एक्सक्लुसिव	साझा	
जमीन पर लगे टॉवर(जीबीटी)			
छत पर लगे टॉवर(आरटीटी)			
छत के ऊपर पोल (आरटीपी)			
<b>V. आवंटित स्पैक्ट्रम का विवरण</b>			
स्पैक्ट्रम बैंड (फ्रिक्वेंसी)	आवंटित स्पैक्ट्रम (मेगा हर्ट्ज में)		
(क) .....			
(ख) .....			
टिप्पणी: रिपोर्टधीन वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन के लिए सूचना दी जाएगी।			

(ख) एक्सेस सेवा- वायरलाइन हेतु गैर वित्तीय सूचना का विवरण

<b>I. बुनियादी सूचना</b>					
(तिथि) तक की सूचना					
1.1	लाइसेंस का नाम				
1.2	लाइसेंस नम्बर एवं जारी करने/माइग्रेशन की तिथि				
1.3	लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र				
1.4	लाइसेंस अवधि				
1.5	वाणिज्यिक सेवा प्रारम्भ होने की तिथि				
<b>II. उपभोक्ता का विवरण</b>					
2.1	डायरेक्ट एक्सचेंज लाइनों (उपभोक्ता) व विवरण (लाख में)	आरम्भ में		समाप्ति पर	
	(क) शहरी				
	(ख) ग्रामीण				
	जोड़				
2.2	इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या (लाख में):				
	(क) इंटरनेट – ब्राडबैंड				
	(ख) इंटरनेट – नैरोबैंड				
<b>III. ट्रैफिक विवरण</b>					
3.1	ट्रांसमिशन क्षमता का विवरण:	लंबाई रूट किलोमीटर में			
	(क) ओएफसी:				
	- स्वामित्व के अधीन				
	- लीज पर				
	(ख) माइक्रोवेव:				
	- स्वामित्व के अधीन				
	- लीज पर				
	(ग) सैटेलाइट				
3.2	उपयोग:	ऑन नेट		ऑफ नेट	
		उद्गम	समापन	उद्गम	समापन
	(क) उपयोग के वोइस मिनट (लाख में)				
3.3	डाटा उपयोग (एमबी में):				
	(क) इंटरनेट – ब्राडबैंड				
	(ख) इंटरनेट – नैरोबैंड				

3.4 लीज्ड सर्किटों के जरिये बेची गई कुल बैंडविड्थ (एमबीपीएस):	
3.5 कुल लंबाई (किलोमीटर): -	
(क) लोकल लूप कॉपर	
(ख) फाइबर	

(ग) इंटरनेट सेवा हेतु गैर-वित्तीय सूचना का विवरण	
<b>I. बुनियादी सूचना</b>	
(तिथि) तक की सूचना	
1.1 लाइसेंस का नाम	
1.2 लाइसेंस नम्बर एवं जारी करने/माइग्रेशन की तिथि	
1.3 लाइसेंस श्रेणी (कृपया ए.बी. या सी दर्शाएं)/लाइसेंस प्राप्त क्षेत्र	
1.4 लाइसेंस अवधि	
1.5 वाणिज्यिक सेवा प्रारम्भ होने की तिथि	
<b>II. उपभोक्ता का विवरण</b>	
2.1 उपभोक्ताओं की संख्या (लाख में):	
(क) इंटरनेट – ब्राडबैंड	
(ख) इंटरनेट – नैरोबैंड	
(ग) आईपी टीवी	
<b>III. नेटवर्क सूचना</b>	
3.1 क्षमता का विवरण :	
(क) कुल स्वामित्व क्षमता (एमबीपीएस बैंडविड्थ)	
(ख) उपलब्ध लीज्ड क्षमता (एमबीपीएस बैंडविड्थ)	
(ग) बेची गई लीज्ड क्षमता (एमबीपीएस बैंडविड्थ)	
3.2 अंतर्राष्ट्रीय इंटरनेट बैंडविड्थ:	
3.3 डाटा उपयोग (एमबी में):	
(क) इंटरनेट – ब्राडबैंड	
(ख) इंटरनेट – नैरोबैंड	
<b>IV. आवंटित स्पेक्ट्रम का विवरण</b>	
स्पेक्ट्रम बैंड (फ्रिक्वेंसी)	स्पेक्ट्रम बैंड (फ्रिक्वेंसी)

(क) .....	
(ख) .....	
टिप्पणी: रिपोर्टाधीन वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन के लिए सूचना दी जाएगी।	
<b>V. डार्क फाइबर ट्रांसमिशन मीडिया का विवरण</b>	
(क) ओएफसी के रूट किलोमीटर की कुल संख्या	
(ख) बेचे गए/लीज पर दिए गए रूट किलोमीटर की संख्या	

(घ) राष्ट्रीय लंबी दूरी की सेवा हेतु गैर-वित्तीय सूचना का विवरण	
<b>I. बुनियादी सूचना</b>	
(तिथि) तक की सूचना	
1.1 लाइसेंस का नाम	
1.2 लाइसेंस नम्बर एवं जारी करने/माइग्रेशन की तिथि	
1.3 लाइसेंस अवधि	
1.4 वाणिज्यिक सेवा प्रारम्भ होने की तिथि	

<b>II. टैफिक विवरण</b>		
<b>2.1 उपलब्ध ट्रांसमिशन क्षमता का विवरण:</b>	<b>लंबाई रूट किलोमीटर में</b>	
<b>(क) ओएफसी:</b>		
- स्वामित्व के अधीन		
- लीज पर		
<b>(ख) माइक्रोवेव:</b>		
- स्वामित्व के अधीन		
- लीज पर		
<b>(ग) सैटेलाइट</b>		
<b>2.2 वोइस उपयोग मिनट:</b>	<b>कलेक्ट किए गए मिनट</b>	<b>सौंपे गए मिनट</b>
- कॉलिंग कार्ड्स के ले जाए गए मिनट सहित ले जाए गए एलएफडी वोइस मिनट (लाख में):		
<b>2.3 कॉलिंग कार्ड्स मिनट:</b>	<b>एक्सेस उपभोक्ताओं से जनरेट किए गए मिनट</b>	
	<b>वायरलैस</b>	<b>वायरलाइन</b>
- वोइस मिनट (कॉलिंग कार्ड) (लाख में)		

2.4 प्रबंधित डाटा सेवा(वीपीएन/सीयूजी)(कुल बैंडविड्थ)	
2.5 लीज्ड सर्किटों के जरिये बेची गई कुल बैंडविड्थ	
<b>III. डार्क फाइबर ट्रांसमिशन मीडिया विवरण</b>	
3.1 ओएफसी के रूट किलोमीटर की कुल संख्या	
3.2 बेचे गए/लीज पर दिए गए रूट किलोमीटर की संख्या	

(ड.) अंतर्राष्ट्रीय लंबी दूरी की सेवा हेतु गैर-वित्तीय सूचना का विवरण					
I. . बुनियादी सूचना					
(तिथि) तक की सूचना					
1.1	लाइसेंस का नाम				
1.2	लाइसेंस संख्या एवं जारी करने/माइग्रेशन की तिथि				
1.3	लाइसेंस अवधि				
1.4	वाणिज्यिक सेवा प्रारम्भ होने की तिथि				
II. ट्रैफिक विवरण					
2.1 उपलब्ध ट्रांसमिशन क्षमता(एमबीपीएस में) का विवरण		क्षमता उपयोग			
		बेची गई क्षमता—खुदरा	बेची गई क्षमता—लीज्ड आउट	कैप्टिव उपभोग	जोड़
(क) स्वामित्व अधीन क्षमता					
(ख) लीज पर ली गई क्षमता					
कुल क्षमता					
2.2 वॉइस उपयोग मिनट:		पारवहन मिनट	सौंपे गए अंतर्गामी मिनट	कलेक्ट किए गए निर्गामी मिनट	
- कॉलिंग कार्ड्स के ले जाए गए मिनट सहित ले जाए गए एलएफडी वॉइस मिनट (लाख में):					
2.3 कॉलिंग कार्ड्स मिनट:		एक्सेस उपभोक्ताओं से जनरेट किए गए मिनट			
		वायरलेस		वायरलाइन	
- वॉइस मिनट (कॉलिंग कार्ड) (लाख में)					
2.4 प्रबंधित डाटा सेवा(वीपीएन/सीयूजी)(कुल बैंडविड्थ)					
2.5 लीज्ड सर्किटों के जरिये बेची गई कुल बैंडविड्थ					

III. केबल लैंडिंग सेवा हेतु गैर-वित्तीय सूचना का विवरण					
3.1	केबल लैंडिंग स्टेशनों की संख्या:				
3.2	केबल लैंडिंग स्टेशनों में सबमरीन केबल लैंडिंग की संख्या :				
3.3	क्षमता उपयोग (एमबीपीएस में)	बेची गई क्षमता—खुदरा	बेची गई क्षमता—लीज पर दी गई	कैप्टिव उपयोग	कुल
	(क) स्वामित्व अधीन क्षमता				
	(ख) लीज पर ली गई क्षमता				
	कुल क्षमता				
3.4	आईएलडीओ/आईएसपी की संख्या, जिन्हें लैंडिंग सुविधा प्रदान की गई है:				
3.5	आईएलडीओ/आईएसपी की संख्या, जिन्हें एक्सेस सुविधा उपलब्ध कराई गई है:				
3.6	आईएलडीओ/आईएसपी की संख्या, जिन्हें को-लोकेशन उपलब्ध कराया गया है:				
टिप्पणी: रिपोर्टाधीन लेखांकन वर्ष के अंतिम दिन के लिए 3.4, 3.5 एवं 3.6 से संबंधित आंकड़े दिए जाएंगे।					
IV. डार्क फाइबर ट्रांसमिशन मीडिया विवरण					
4.1	ओएफसी के रूट किलोमीटर की कुल संख्या				
4.2	बेचे गए/लीज पर दिए गए रूट किलोमीटरों की संख्या				

(च) मोबाइल नंबर पोर्टेबिलिटी हेतु गैर-वित्तीय सूचना का विवरण	
I. बुनियादी सूचना	
(तिथि) तक की सूचना	
1.1 लाइसेंस का नाम	
1.2 लाइसेंस संख्या एवं जारी करने की तिथि	
1.3 वाणिज्यिक सेवा प्रारम्भ होने की तिथि	
II. पोर्टिंग विवरण	
2.1 पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
2.2 वास्तविक पोर्टिंग की संख्या	

<b>(छ) वीसेट सेवा हेतु गैर-वित्तीय सूचना का विवरण</b>	
<b>I. बुनियादी सूचना</b>	
<b>(तिथि) तक की सूचना</b>	
1.1 लाइसेंस का नाम	
1.2 लाइसेंस संख्या एवं जारी करने की तिथि	
1.3 वाणिज्यिक सेवा प्रारम्भ होने की तिथि	
<b>II. उपभोक्ता/क्षमता का विवरण</b>	
<b>2.1 उपभोक्ताओं की संख्या (लाख में) :</b>	
(क) व्यक्तिगत	
(ख) (i) क्लोज्ड यूजर ग्रुप	
(ख) (ii) क्लोज्ड यूजर ग्रुप में वीसेट की संख्या	
<b>III. आवंटित स्पेक्ट्रम का विवरण</b>	
स्पेक्ट्रम बैंड (फ्रिक्वेंसी)	स्पेक्ट्रम बैंड (फ्रिक्वेंसी)
(क) .....	
(ख) .....	
टिप्पणी: रिपोर्टाधीन वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन के लिए सूचना दी जाएगी।	

#### अनुसूची -IV लेखांकन पृथक्करण रिपोर्ट पर लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का प्रपत्र

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (जिसे इसमें आगे प्राधिकरण कहा जाएगा) द्वारा जारी किए गए लेखांकन पृथक्करण विनियम, 2016 पर रिपोर्टिंग पद्धति में विनिर्धारित शर्तों के अंतर्गत ..... (कंपनी के नाम का उल्लेख करें), जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... में है (कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के पते का उल्लेख करें) (जिसे इसमें आगे कंपनी कहा जाएगा) द्वारा लेखा-परीक्षक (परीक्षकों) के रूप में नियुक्त किए जाने पर मैंने/हमने ..... संलग्न लेखांकन पृथक्करण रिपोर्टों, जिनमें कंपनी के ..... को समाप्त वर्ष (लेखांकन वर्ष का उल्लेख करें) के लिए..... (सेवा/लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र के नाम का उल्लेख करें) शामिल किए गए हैं, की लेखा-परीक्षा कर ली है।

2. लेखांकन पृथक्करण रिपोर्टें तैयार करने के लिए कंपनी जिम्मेदार है और इनका अनुमोदन कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा कर दिया गया है। मेरी/हमारी जिम्मेदारी भारत में सामान्य तौर पर स्वीकार किए गए लेखा-परीक्षक मानदंडों और विनियम के अनुसार लेखांकन पृथक्करण रिपोर्टों की लेखा-परीक्षा करना है।

3. संलग्न अनुबंध (अनुलग्नक की आवश्यकता तभी है यदि लेखांकन पृथक्करण रिपोर्टों पर अभ्युक्तियां/टिप्पणियां हैं) में दी गई मेरी/हमारी अभ्युक्तियों/टिप्पणियों के अलावा, मैं/हम रिपोर्ट देता हूँ/देते हैं कि:

(क) मैंने/हमने वे सभी सूचनाएं और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार मेरी/हमारी लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

(ख) मेरे/हमारे विचार से कंपनी द्वारा उचित लेखा-बहियां रखी गई हैं, जहां तक उन लेखा-बहियों की मेरी/हमारी जांच-पड़ताल से प्रतीत होता है ताकि विनियम के अनुसार पूरी और उचित लेखांकन पृथक्करण रिपोर्टें तैयार करने में समर्थ हो सकें।

(ग) ..... को समाप्त वर्ष के लिए लेखांकन पृथक्करण रिपोर्टें लेखा-बहियों से मेल खाती हैं और इन्हें विनियम के अनुसार और विनियम के अंतर्गत विनिर्धारित कंपनी के मैनुअल में विनिर्धारित आधार और पद्धति के अनुसार उचित ढंग से तैयार किया गया है।

(घ) मेरी/हमारी राय में और मेरी/हमारी सर्वोत्तम सूचना के अनुसार तथा मुझे/हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार ..... को समाप्त वर्ष के लिए लेखांकन पृथक्करण रिपोर्टें ऐसे तरीके से विनियम द्वारा अपेक्षित सूचना देती हैं, जो आवश्यक है और विनियम के अनुसार फ्रेमवर्क के अनुरूप एक सही और उचित तस्वीर प्रस्तुत करती हैं।



4. मैं/हम यह भी रिपोर्ट देता हूँ/देते हैं कि विनियम के अंतर्गत विनिर्धारित मैनुअल में किए गए सभी परिवर्तन, जो ..... को समाप्त वर्ष के लिए लेखांकन पृथक्करण रिपोर्टों को महत्वपूर्ण रूप में प्रभावित करते हैं, कंपनी द्वारा प्राधिकरण को प्रस्तुत कर दिए गए हैं।

दिनांक :

स्थान :

हस्ताक्षर :

मालिक/साझेदार का नाम :

सदस्यता सं. :

मुहर सहित फर्म का नाम

[विज्ञापन-III/4/असा./129]

सुधीर गुप्ता, सचिव

**टिप्पण :** इन विनियमों के साथ संलग्न व्याख्यात्मक ज्ञापन में, दिनांक 10 अप्रैल, 2012 की अधिसूचना 16-07/2010-एफए के अंतर्गत जारी की गई लेखांकन पृथक्करण पर रिपोर्टिंग पद्धति संबंधी विनियम, 2012 की समीक्षा के उद्देश्य और कारण तथा संशोधित लेखांकन पृथक्करण पर रिपोर्टिंग पद्धति संबंधी विनियम, 2016 को जारी किए जाने आवश्यकता का उल्लेख किया गया है।

### **व्याख्यात्मक ज्ञापन**

1. भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (भादूविप्रा) (जिसे इसमें आगे 'प्राधिकरण' कहा गया है) की स्थापना दूरसंचार सेवाओं और उससे जुड़े मामलों को विनियमित करने के लिए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 के अंतर्गत की गई है। प्राधिकरण के मुख्य उद्देश्यों में से एक उद्देश्य, समान अवसरों को बढ़ावा देने और निष्पक्ष प्रतियोगिता की सुविधा प्रदान करने के लिए एक उचित और पारदर्शी नीतिगत वातावरण उपलब्ध कराना है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए तथा अपने कार्यकरणों को प्रभावी तथा कार्यकुशल तरीके से निष्पादित करने के लिए प्राधिकरण को वित्तीय तथा गैर-वित्तीय जानकारी की आवश्यकता होती है जिन्हें विनियामककारी नीति निर्माण/विश्लेषण के लिए उपयोग किया जाता है। किसी दूरसंचार सेवा प्रदाता (टीएसपी) के लेखापरीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरण अर्थात् लाभ और हानि लेखा तथा तुलन पत्र समग्र रूप से केवल कम्पनी की एकत्रित जानकारी ही उपलब्ध कराते हैं, जबकि विनियामककारी प्रयोजनों हेतु लाइसेंस प्रदत्त सेवा क्षेत्र (एलएसए)- वार, सेवा- वार तथा उत्पाद- वार असमिष्ट जानकारी अपेक्षित होती है, जिसे केवल लेखा पृथक्कीकरण रिपोर्टों के माध्यम से प्रदान किया जा सकता है/ उपलब्ध कराया जा सकता है।
2. लेखा पृथक्कीकरण रिपोर्टों के माध्यम से उपलब्ध कराई गई विखण्डित वित्तीय जानकारी केवल विनियामककारी प्रयोजनों यथा-लागत राजस्वों का विश्लेषण; किसी प्रचालन के व्यापार के मुख्य क्षेत्र में नियोजित पूंजी, वित्तीय निष्पादन का मापन तथा विभिन्न उत्पादों तथा सेवाओं की लाभप्रदता हेतु अपेक्षित है। यह टीएसपी के क्रॉस सब्सिडाइजेशन पद्धतियों, भेद-भावपूर्ण मूल्य निर्धारण तथा प्रतिस्पर्धारोधी व्यवहार की पहचान करने में भी मदद करता है।
3. इसके अलावा, टीएसपी की लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टें बहु-सेवा प्रदाता, बहु सेवा परिवेश में विनियामककारी परिदृश्य से काफी महत्वपूर्ण हैं तथा प्राधिकरण द्वारा उन्हें पृथक् विनियामककारी कार्यकलापों के लिए उपयोग किया जा रहा है जैसे वॉयस तथा एसएमएस हेतु अंतर्संयोजन उपयोग प्रभार का निर्धारण (आईयूसी), वाहक प्रभार, स्पेक्ट्रम का मूल्य निर्धारण तथा रोमिंग प्रभारों का निर्धारण, घरेलू पट्टा प्रभार तथा अंतर्राष्ट्रीय निजी पट्टा परिपथ प्रभार के अलावा अंतर-सेवा प्रदाता लागत, राजस्व, तथा निवेश की तुलना आदि।
4. उपर्युक्त प्रयोजनार्थ प्राधिकरण ने दिनांक 23 फरवरी, 2004 को "लेखांकन पृथक्करण पर रिपोर्टिंग पद्धति विनियम, 2004" (जिसे इसमें आगे एसआर, 2004 कहा गया है) जारी किए थे, जिन्हें तत्पश्चात् दिनांक 24 मई, 2004 के पहले संशोधन, दिनांक 30 सितंबर, 2004 के दूसरे संशोधन, दिनांक 4 मार्च, 2005 के तीसरे संशोधन और दिनांक 27 मार्च, 2006 के चौथे संशोधन के माध्यम से पुनःसंशोधित किया गया था।

एसआर, 2004 के कार्यान्वयन के पश्चात् दूरसंचार क्षेत्र में अनेक विकास हुए हैं जिनका प्राधिकरण द्वारा प्राप्त की जाने हेतु आवश्यक जानकारी तथा सेवा प्रदाताओं द्वारा जिस प्रकार ऐसी जानकारियां प्रस्तुत की जानी थीं, उसपर प्रभाव पड़ा। इन उपर्युक्त अपेक्षाओं तथा परिवर्तनों का समाधान करने के लिए प्राधिकरण ने लेखा पृथक्कीकरण पर रिपोर्टिंग पद्धति, विनियम, 2004 का निरसन कर दिनांक 10 अप्रैल, 2012 को लेखा पृथक्कीकरण पर रिपोर्टिंग पद्धति विनियम, 2012 अधिसूचित किया। दिनांक 15 अक्टूबर, 2012 को इस अधिनियम में संशोधन भी जारी किया गया था जिसने विनियम के उपबंधों का अनुपालन नहीं किए जाने पर सेवा प्रदाता हेतु वित्तीय निरुत्सादन उद्ग्रहण किए जाने के लिए खण्ड को अंतः स्थापित किया गया था।

5. मौजूदा "लेखा पृथक्कीकरण पर रिपोर्टिंग पद्धति, विनियम, 2012" (जिसे इसके पश्चात् "एसआर, 2012 कहा जाएगा) विनियमों को चार वर्ष पूर्व अधिसूचित किया गया था। एसआर, 2012 हेतु रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दौरान, अनेक टीएसपी ने एसआर, 2012 के तहत रिपोर्टिंग अपेक्षाओं के संबंध में विभिन्न समस्याओं/चिंताओं को इंगित किया, जोकि मुख्यतः अनुप्रयोजनीयता मानदण्ड, कतिपय उत्पादों/नेटवर्क घटक को जोड़ना तथा घटाना, प्रतिस्थापन लागत लेखांकन के आधार पर रिपोर्टों को प्रस्तुत करने की अवधि आदि से संबंधित थी। प्राधिकरण ने भी साथ ही निम्नवत के मद्देनजर एसआर, 2012 की समीक्षा किये जाने की आवश्यकता महसूस की :

- एसआर, 2012 में विनिर्दिष्ट दूरसंचार सेवाओं की सूची की समीक्षा (जोड़ना अथवा घटाना);
- विनिर्दिष्ट दूरसंचार सेवाओं के तहत उत्पादों/नेटवर्क घटकों का पुनवर्गीकरण/जोड़ना/कम करना;
- वित्तीय जानकारी के प्ररूप की समीक्षा;
- विनियामककारी प्रयोजनों तथा निर्णय लेने हेतु अपेक्षित और अधिक गैर वित्तीय जानकारी को सम्मिलित करने के लिए एसआर, 2012 (गैर वित्तीय जानकारी) के प्ररूप- 'जे' की समीक्षा;

- प्रतिस्थापन लागत लेखांकन पर आधारित रिपोर्टों को जमा करने के लिए रिपोर्टिंग अवधि में एकरूपता लाना;
  - एएसआर, 2012 में उद्धृत लागू अधिनियमों/नियमों की परिभाषाओं तथा धाराओं का अद्यतन;
  - सभी टीएसपी हेतु राजस्व, लागत तथा परिसम्पत्तियों हेतु आवंटन/बंटवारे के आधार के संबंध में एकरूपता लाना तथा उसे तर्कसंगत बनाना;
6. एएसआर, 2012 की समीक्षा करने हेतु दिनांक 1 अप्रैल, 2015 (अर्थात् परामर्श पूर्व स्तर पर) के नोटिस के माध्यम से हितधारकों की टिप्पणियां/मत आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त टिप्पणियों, टीएसपी के साथ बैठक तथा तत्संबंध में किए गए विचार-विमर्श के आधार पर प्राधिकरण ने मसौदा "लेखा पृथक्कीकरण पर रिपोर्टिंग पद्धति, विनियम, 2016" तैयार किए (जिन्हें इसके पश्चात् मसौदा विनियम, 2016 कहा जाएगा)। मसौदा विनियम, 2016 को दिनांक 22 फरवरी, 2016 को हितधारकों की टिप्पणियां/मत प्राप्त करने के लिए प्राधिकरण की वेबसाईट पर अपलोड किया गया था। टिप्पणियां देने की अंतिम तिथि 14 मार्च, 2016 थी जिसे तत्पश्चात् बढ़ाकर 28 मार्च, 2016 कर दिया गया था। हितधारकों से प्राप्त टिप्पणियों को दिनांक 31 मार्च, 2016 को भादूविप्रा की वेबसाईट पर अपलोड किया गया था। हितधारकों से प्राप्त टिप्पणियों/ सुझावों और तत्संबंध में विचार-विमर्श के आधार पर प्राधिकरण ने "लेखा पृथक्कीकरण पर रिपोर्टिंग पद्धति, विनियम, 2016" (जिसे इसके पश्चात् एएसआर, 2016 कहा जाएगा) को अंतिम रूप दिया।
  7. एएसआर, 2012, उन सभी सेवा प्रदाताओं पर लागू था जिनका लेखांकन वर्ष के दौरान (जिसके संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी अपेक्षित है) भारतीय तार अधिनियम, 1885 की धारा 4 के तहत उन्हें जारी किए गए दूरसंचार लाइसेंसों के तहत प्रचालनों से प्राप्त कुल राजस्व कम से कम सौ (100) करोड़ रुपए था। परामर्श के दौरान, एक हितधारक ने कहा कि लेखांकन पृथक्कीकरण विनियम हेतु सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय पद्धति के अनुरूप केवल प्रचालनरत/बाजार की बड़ी कंपनियों (एसएमपी) पर ही लागू किया जाना चाहिए न कि असमेकित/स्टैंडअलोन सेवा प्रदाताओं पर लागू किया जाना चाहिए। एक हितधारक का मत था कि राजस्व सीमा की समीक्षा कर इसे बढ़ाकर 1000 करोड़ रुपए और इससे अधिक किया जाना चाहिए। एक अन्य हितधारक ने सुझाव दिया कि न्यूनतम सीमा को 2000 करोड़ रुपए किया जाना चाहिए। कुछ हितधारकों ने सुझाव दिया कि एएसआर, 2016 के तहत अधिदेशित पृथक्कीकरण का स्तर व्यापक है और चूंकि प्राधिकरण द्वारा विनियमित प्रभार (कॉल/संदेश, रोमिंग आदि का समापन आदि) सभी एलएसए के लिए समान है, इसलिए एलएसए-वार रिपोर्टों को वापस लिया जाना चाहिए। अन्य हितधारक ने टिप्पणी की कि संशोधित विनियम में प्रस्तावित परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए इसे मार्च, 2017 में समाप्त लेखांकन वर्ष से लागू किया जाना चाहिए।
  8. टिप्पणियों की भारतीय दूरसंचार परिदृश्य के आलोक में जांच की गई है, जहां एक साथ बहुत सारे बड़े टीएसपी मौजूद हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास बाजार की तुलनीय हिस्सेदारी है। कतिपय टीएसपी समेकित कंपनियां हैं जो एक्सेस सेवाओं के साथ-साथ अन्य दूरसंचार सेवाओं की पेशकश करने वाली समेकित कंपनियां हैं। कतिपय टीएसपी की कुछ एलएसए में बड़ी बाजार हिस्सेदारी है जबकि अन्य एलएसए में बाजार की बड़ी हिस्सेदारी अन्य टीएसपी द्वारा प्राप्त की गई है। वहीं, केवल एकल दूरसंचार उपलब्ध कराने वाले कुछ स्टैंडअलोन टीएसपी ने अपने प्रचालन के क्षेत्र/सेवा में पर्याप्त बाजार हिस्सेदारी प्राप्त की है। भारतीय दूरसंचार सेवा क्षेत्र में जहां एक सेवा क्षेत्र/एलएसए में औसतन 6 से 8 टीएसपी हैं, प्राधिकरण को अपने विनियामकारी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए जानकारी की आवश्यकता होती है, जो बाजार का परिदृश्य प्रस्तुत करती है। प्राधिकरण का मत है कि 100 करोड़ रुपए के राजस्व संबंधी मौजूदा मानदण्ड, मध्यम से बड़े टीएसपी से उनकी कंपनी से संबंधित आंकड़े एकत्रित करने में सुविधा प्रदान करता है। इसलिए, प्राधिकरण ने एएसआर, 2016 में मौजूदा 100 करोड़ रुपए अथवा इससे अधिक के कुल राजस्व की वर्तमान सीमा को जारी रखने का निर्णय लिया।
  9. लेखांकन पृथक्कीकरण का स्तर संबंधित विनियामकारी प्राधिकरण द्वारा दूरसंचार सेवा क्षेत्र का आंकलन करने पर निर्भर करता है। भारत में, वर्तमान लाइसेंसिंग दौर में एक्सेस सेवाएं एलएसए विशिष्ट कार्यों (तथा वॉयरलेस सेवाओं में स्पेक्ट्रम आवंटन भी एलएसए आधारित हैं) पर आधारित हैं तथा प्रशुल्क भी एलएसए-वार ही लागू किए जाते हैं। संपूर्ण देश के लिए समग्र आधार पर जानकारी का संग्रहण करने से प्रचालनों तथा अलग-अलग एलएसए में व्यापार की विविध/विशिष्ट प्रकृति का पता नहीं लगाया जा सकेगा। प्रत्येक एलएसए का स्वयं का बाजार ढांचा एवं गत्यात्मकता है जो सम्भवतः अन्य एलएसए के समान नहीं हो सकती है। इसलिए, प्राधिकरण कि यह राय है कि एक्सेस सेवा में एलएसए स्तर पर लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों कि प्रासंगिकता कायम है। एएसआर, 2016 में अन्य विनिर्दिष्ट दूरसंचार सेवाओं के लिए रिपोर्टों को अखिल भारतीय आधार पर प्रस्तुत किया जाता है।
  10. मार्च, 2017 को समाप्त लेखांकन वर्ष से एएसआर, 2016 को लागू करने के संबंध में प्राधिकरण की राय है कि एएसआर, 2016, रिपोर्टिंग प्ररूप/अपेक्षाओं, सेवाओं/उत्पादों/नेटवर्क घटकों आदि की सूची के संदर्भ में एएसआर, 2012 से बहु अलग नहीं है। वास्तव में, एएसआर, 2016 में रिपोर्टिंग संबंधी अपेक्षाओं का सरलीकरण किया गया है तथा संगत तथा सार्थक जानकारी/आंकड़े एकत्रित करने के उद्देश्य से उत्पादों/नेटवर्क घटक/दूरसंचार सेवाओं की सूची को युक्तिसंगत किया गया है/उन्हें घटाया गया है। अतः प्राधिकरण का यह मत है कि एएसआर, 2016 को अधिसूचित किए जाने की तिथि से कार्यान्वित किया जाएगा तथा अधिसूचित किए जाने के तत्पश्चात् सभी रिपोर्टों को एएसआर, 2016 के उपबंधों के अनुरूप प्रस्तुत किया जाएगा।
  11. परामर्श प्रक्रिया के दौरान, दो हितधारियों का यह मत था कि रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने हेतु समय-सीमा को बढ़ाया जाना चाहिए। एक हितधारक ने रिपोर्टों को प्रस्तुत किए जाने हेतु अंतिम तिथि में दो माह का विस्तार किए जाने का सुझाव दिया; दूसरे हितधारक ने छह माह के समय विस्तार का सुझाव दिया। इन हितधारकों ने कहा कि लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्ट को तैयार करना तथा तत्संबंधी लेखापरीक्षा एक समय लेने वाली प्रक्रिया है तथा अन्य विनियामकारी/विधिक प्रस्तुतिकरण जैसे वार्षिक वित्तीय विवरणों को अंतिम रूप दिया जाना, तिमाही बोर्ड बैठकें, एजीएम आदि के साथ ही की जाती है। कुछ अन्य हितधारकों ने रिपोर्टों के एक्सबीआरएल/पीडीएफ प्ररूप में ऑनलाइन प्रस्तुतिकरण का समर्थन किया।
  12. प्राधिकरण ने हितधारकों द्वारा दिए गए सुझावों को नोट किया। तथापि, दो अथवा छह माह तक समय-सीमा को बढ़ाये जाने से जानकारी कम महत्वपूर्ण हो जाएगी तथा इससे उत्पन्न समय अंतराल के मद्देनजर विनियामकारी प्रक्रिया हेतु कम उपयोगी हो जाएगी। किसी आदर्श स्थिति में, कोई भी निर्णय लेने वाली संस्था, यथा संभवशीघ्र मौजूदा जानकारी प्राप्त करना चाहेगी। परंतु लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों के वार्षिक वित्तीय विवरण के साथ संबंध के मद्देनजर रिपोर्टों को प्रस्तुत करने हेतु एएसआर में छह माह की समय-सीमा निर्धारित की गई थी। तथापि, प्राधिकरण ने प्रशासनिक अपेक्षाओं, विनियामकारी प्रस्तुतिकरण आदि को कवर करने के लिए, रिपोर्टों को प्रस्तुत करने हेतु समय-सीमा को छह माह से बढ़ाकर सात माह कर दिया है।

13. वर्तमान में, टीएसपी द्वारा लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों के ऑनलाइन प्रस्तुतिकरण हेतु कोई व्यवस्था मौजूद नहीं है। तथापि, एएसआर के तहत बहुत बड़े पैमाने पर जानकारी प्रस्तुत किए जाने के मद्देनजर तथा समय से रिपोर्टों को प्राप्त करने तथा संकलित करने के उद्देश्य से, रिपोर्टों को ऑनलाइन तरीके से जमा करना एक वरीयतापूर्ण प्रणाली है। प्राधिकरण लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों के ऑनलाइन प्रस्तुतिकरण हेतु इस पहलू की जांच करेगा तथा तत्संबंधी क्रियाविधि पर विचार करेगा।
14. परामर्श प्रक्रिया के दौरान, अनेक हितधारकों का मत था कि कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों को अपनाने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों को निदेशक मंडल द्वारा विधिवत रूप से अंगीकृत लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा के आधार पर तैयार किया जाता है। इसके अलावा, एएसआर के अंतर्गत लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों को कंपनी के लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों के साथ समाधान किए जाने हेतु अधिदेशित किया गया है। एक हितधारक ने टिप्पणी की थी कि चूंकि लागत लेखापरीक्षित करवाना अनिवार्य हो चुका है, इसलिए प्राधिकरण द्वारा अपने स्वयं के नियम (विनियम) तैयार किया जाना किसी सेवा प्रदाता के हित में नहीं है। अन्य हितधारकों ने सुझाव दिया कि प्राधिकरण द्वारा यथा जारी एएसआर दिशानिर्देशों तथा कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी लागत लेखापरीक्षा नियमों के बीच समक्रमिकता होनी चाहिए चूंकि दोनों रिपोर्टों को तैयार करने के लिए उपयोग किए जा रहे आंकड़े अंतर-विनियामकारी स्वरूप के हैं।
15. लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्ट को निदेशक मंडल द्वारा अपनाने संबंधी अपेक्षाओं के उपबंध को एएसआर, 2012 में लागू किया गया था। इस उपबंध को बेहतर कारपोरेट शासन के सिद्धांतों तथा इस संबंध में वैश्विक पद्धतियों के आधार पर निदेशक मंडल की भूमिका तथा उत्तरदायित्वों के मद्देनजर लागू किया गया था। कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा विहित लागत लेखापरीक्षा के संबंध में प्राधिकरण ने नोट किया कि दोनों नियमों/विनियमों के माध्यम से मांगी गई जानकारी काफी हद तक समान प्रतीत होती है, तथापि लागत लेखापरीक्षा तथा लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों की अपेक्षाएं तथा उद्देश्य बिल्कुल अलग हैं। लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्ट को प्राधिकरण द्वारा पृथक सेवाओं तथा उत्पादों के विस्तृत तथा पृथक जानकारी/आंकड़ों को संग्रहित करने तथा विनियामकारी दायित्वों तथा उत्तरदायित्वों के निर्वहन हेतु तैयार किया गया है। उपर्युक्त चर्चा को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण ने एएसआर, 2016 के तहत पृथक रिपोर्टिंग तथा कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों को अपनाने संबंधी उपबंधों को यथावत बनाए रखा है।
16. अनेक हितधारकों ने प्रतिस्थापना लागत लेखांकन (आरसीए) पर आधारित लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों को बंद करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि आरसीए पर आधारित रिपोर्टें केवल प्रशुल्क ढांचे के प्रयोजनार्थ आवश्यक हैं जो वर्तमान में प्रचलित हैं। इसके अलावा, आरसीए के आधार पर रिपोर्टों को तैयार करने में व्यवहारिक कठिनाईयां हैं जैसे विक्रेता से मौजूदा दरों की अनुपलब्धता/ संस्थापित की गई परिसंपत्तियों का बाजार में उपलब्ध नहीं होना/ विक्रेता द्वारा व्यापार बंद कर दिया जाना आदि। इसके अलावा, आरसीए के आधार पर रिपोर्टें तैयार किया जाना एक ज्यादा समय लेने वाली तथा खर्चीली प्रक्रिया है। एक हितधारक ने यह निवेदन किया कि 1 अप्रैल, 2016 से कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा भारतीय लेखांकन मानक (आईएनडी एएस) कार्यान्वित किये जाने के उपरांत 500 करोड़ रुपये से अधिक की निवल मान वाली कंपनियों को अपनी पूंजीगत परिसंपत्तियों का मौजूदा दर पर अथवा उचित दर पर आंकलन करना होगा। इससे आरसीए पर आधारित रिपोर्टें अवांछित तथा अनावश्यक हो जाएंगी। कुछ हितधारकों का यह भी मत था कि यदि आरसीए पर आधारित रिपोर्टों को समाप्त नहीं किया जा सकता है तो इसे प्रस्तुत किये जाने हेतु इसकी आवश्यकता को प्रत्येक दो वर्षों से बढ़ाकर तीन अथवा पांच वर्ष कर दिया जाना चाहिए।
17. आरसीए के आधार पर बनाई गई रिपोर्टों पर हितधारकों से प्राप्त टिप्पणियों की जांच की गई है। यह पाया गया है कि टीएसपी ने आरसीए के आधार पर रिपोर्ट तैयार करने हेतु मूल्यांकन में व्यवहारिक समस्याओं तथा अपेक्षित अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता का उल्लेख किया है। तथापि, एएसआर में प्रतिस्थापना लागत लेखांकन की संकल्पना को आरंभ करने के पीछे यह औचित्य था कि एक प्रतिस्पर्धी परिवेश में प्रतिस्थापना लागत के साथ, सेवा प्रदाता मौजूदा लागत के आधार पर प्रतिस्पर्धा करेंगे। आरसीए के आधार पर रिपोर्टें, विनियामक को उसको विनियामकारी कार्यों/उद्देश्यों के निर्वहन में महत्वपूर्ण जानकारी तथा सुविधा प्रदान करते हैं। एएसआर, 2016 के तहत अचल परिसंपत्तियों तक ही सीमित प्रतिस्थापना लागत समायोजन को विहित किया गया है जिसमें लाभ/हानि अर्जित किए जाने, अनुपूरक मूल्यहास तथा पुरानी परिसंपत्ति को उसने समकक्ष आधुनिक परिसंपत्ति से प्रतिस्थापित किए जाने के परिणामस्वरूप प्रचालनात्मक व्यय में परिवर्तन के रूप में निहितार्थों को दर्शाया जाता है। ऐसे आरसीए पर आधारित एएसआर को एक्सेस सेवा प्रदाता तथा लंबी दूरी के दूरसंचार सेवा प्रदाताओं हेतु प्रत्येक एक वर्ष छोड़कर दूसरे वर्ष प्रस्तुत किया जाने हेतु विहित किया गया है। आरसीए पर आधारित रिपोर्टों के प्रस्तुतिकरण की अवधि को बढ़ाये जाने से इसमें लगने वाले समय अंतराल के कारण इसमें दी गई जानकारी/आंकड़े अनुपयोगी हो जाएंगे। प्राधिकरण ने यह भी नोट किया कि कारपोरेट कार्य मंत्रालय ने दिनांक 1 अप्रैल, 2016 से कंपनी के निवल मान/भारत में किसी शेयर बाजार में कंपनी के सूचीबद्ध होने से संबंधित मानदण्डों के आधार पर चरणबद्ध तरीके से आईएनडी एएस कार्यान्वित किया है और इसलिए, यह सभी टीएसपी पर तुरंत प्रभाव से लागू नहीं होंगे। इसलिए, प्राधिकरण का यह मत है कि आरसीए पर आधारित रिपोर्टों का प्रस्तुतिकरण जारी रहेगा।
18. किसी नए लाइसेंसधारी को लाइसेंस जारी किए जाने की तिथि से तीन लेखा वर्षों तक आरसीए आधारित रिपोर्टों के प्रस्तुतिकरण से छूट प्राप्त होगी। इस उपबंध (एएसआर, 2004 के साथ-साथ एएसआर, 2012 में भी यह उपबंध मौजूद है) के परिणामस्वरूप समान टीएसपी के पृथक एलएसए में एक ही एक्सेस सेवा में समान सेवा उपलब्ध कराने वाले टीएसपी के बीच पृथक-पृथक रिपोर्टिंग अवधि व्याप्त थी। समान वर्ष में सभी टीएसपी एलएसए/सेवाओं हेतु आरसीए पर आधारित रिपोर्टों की अनुपलब्धता से इन रिपोर्टों के उपयोग तथा इन रिपोर्टों के सार्थक विश्लेषण/तुलना में बाधा पहुंच रही थी। टीएसपी द्वारा आरसीए आधारित लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों के प्रस्तुतिकरण में असमानता की समस्या को दूर करने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि एएसआर, 2016 के तहत लेखा वर्ष 2015-16, आरसीए आधारित लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टें प्रस्तुत करने हेतु एक शून्य वर्ष होगा। सभी टीएसपी, आरसीए, 2016 के विनियम 4(2) (ख) के तहत लेखा वर्ष 2016-17 से आरंभ करके तत्पश्चात् प्रत्येक दूसरे वर्ष आरसीए आधारित रिपोर्टों को प्रस्तुत करेंगे अर्थात् वर्ष 2018-19, 2020-21 इत्यादि। नए लाइसेंसधारियों के मामले में यदि चौथा वर्ष ऐसा वर्ष साबित होता है जिसमें प्रतिस्थापना लागत लेखा आधारित रिपोर्टों को विनियम 4(2) (ख) में विहित आवश्यकता के अनुसार प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं होता है तो टीएसपी को उक्त विनियम में विहित समय अनुसूची के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा। यदि कोई लाइसेंसधारी अपने मौजूदा लाइसेंस को एकीकृत लाइसेंस में परिवर्तित करता है अथवा पुराने लाइसेंस के समाप्त होने पर नया लाइसेंस प्राप्त करता है तो ऐसे लाइसेंसधारियों को मौजूदा लाइसेंसधारी मानते हुए एएसआर, 2016 लागू होगा।

19. परामर्श प्रक्रिया के दौरान कुछ हितधारकों ने मसौदा विनियम, 2016 में विनिर्दिष्ट दूरसंचार सेवाओं तथा उत्पादों की सूची पर टिप्पणियों की हैं। कुछ हितधारकों ने एक्सेस सेवाएं (पूर्ण मोबिलिटी) तथा एक्सेस सेवाएं (डब्ल्यूएलएल) के विलय का समर्थन किया चूंकि दोनों सेवाएं समान नेटवर्क से दी जाती हैं तथा दोनों की समान लागत हैं। दो टीएसपी का मत था कि बीडब्ल्यूए सेवाओं को एक्सेस सेवाओं के तहत स्वतंत्र उत्पाद नहीं बनाया जाना चाहिए। उनका तर्क था कि मसौदा विनियम, 2016 में बीडब्ल्यूए सेवाओं को एक्सेस सेवा में उत्पाद के रूप में सम्मिलित करने पर मसौदा विनियमों में कोई तर्काधार नहीं दिया गया है। एक हितधारक का मत था कि सभी स्पेक्ट्रम बैंडों को मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान करने के लिए अंतर्परिवर्तनीय ढंग से उपयोग किया जाएगा और 2300 मेगाहर्टज बैंड हेतु पृथक वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने की अनिवार्यता नहीं होनी चाहिए। एक अन्य हितधारक ने सुझाव दिया कि 2300 मेगाहर्टज बैंड का उपयोग करते हुए बीडब्ल्यूए सेवाओं को पूर्ण मोबिलिटी वाली पृथक सेवा के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए ताकि किसी टीएसपी की क्रॉस सब्सक्राइजेशन पद्धतियों, भेद-भावपूर्ण मूल्य निर्धारण तथा प्रतिस्पर्धा रोधी व्यवहार की पहचान की जा सके।
20. प्राधिकरण ने हितधारकों से प्राप्त टिप्पणियों की जांच की है। एक्सेस सेवा (पूर्ण मोबिलिटी) तथा एक्सेस सेवा (डब्ल्यूएलएल) के विलय के संबंध में यह नोट किया गया है कि एक्सेस सेवा (डब्ल्यूएलएल) जो कि एक सीमित मोबिलिटी सेवा है, में पिछले कुछ वर्षों में गिरावट का रुझान देखा गया है। वायरलेस क्षेत्र में राजस्व के साथ-साथ सब्सक्राइबर्स के संदर्भ में इसकी बाजार की हिस्सेदारी में काफी गिरावट हुई है। इसके अलावा, स्पेक्ट्रम आवंटन प्रक्रिया में परिवर्तन के साथ, जिसमें नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम आवंटन किया जाता है तथा प्रशासकीय रूप से आवंटित स्पेक्ट्रम के उदारीकरण के विकल्प की उपलब्धता के साथ विशिष्ट प्रौद्योगिकी के उपयोग हेतु किसी विशिष्ट स्पेक्ट्रम बैंड के उपयोग ने अपनी सार्थकता खो दी है। चूंकि दोनों उप-सेवाएं वॉयरलेस क्षेत्र का ही एक भाग है। अतः प्राधिकरण का यह मत है कि एक्सेस सेवा (पूर्ण मोबिलिटी) तथा एक्सेस सेवा (डब्ल्यूएलएल) को एक्सेस सेवा (वॉयरलेस) के रूप में विलय किया जाए। इसके अलावा, वर्तमान पद्धति (नीलामी के माध्यम से स्पेक्ट्रम आवंटन) के तहत, आवंटित किये गये स्पेक्ट्रम का मुक्त स्वरूप होता है तथा इसका उपयोग किसी विशिष्ट प्रौद्योगिकी तक सीमित नहीं है। प्राधिकरण ने यह भी नोट किया कि दूरसंचार विभाग ने स्पेक्ट्रम के मूल्य निर्धारण तथा आरक्षित मूल्य के संबंध में दिनांक 27 जनवरी, 2016 की प्राधिकरण की सिफारिशों पर अपने दिनांक 01 अप्रैल, 2016 के संदर्भ में नीलामी के माध्यम से भविष्य में प्राप्त किए गए सभी स्पेक्ट्रम बैंडों हेतु भावी प्रभाव से एक समान एसयूसी दर लगाने की मंशा प्रकट की थी। इन सभी तथ्यों पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकरण का यह मत है कि एक्सेस सेवा के तहत पृथक उत्पाद के रूप में बीडब्ल्यू सेवाओं हेतु रिपोर्टिंग को अधिदेशित नहीं किया जाए।
21. कुछ लाइसेंस करारों के तहत, कुछ सेवाएं जो एक दूसरे से पृथक तथा भिन्न हैं तथा अलग-अलग बाजारों में सेवा प्रदान करती हैं जैसे (i) आईएलडी लाइसेंस के मामले में केबल लैंडिंग स्टेशन (सीएलएस) की भिन्न सेवाएं तथा अंतर्राष्ट्रीय वॉयस मिनट/डॉटा की कैरिज उपलब्ध कराई जाती है, और (ii) एक्सेस सेवा लाइसेंस के मामले में, सब्सक्राइबर्स को वॉयस/एसएमएस/डॉटा सेवा तथा अन्य टीएसपी को अवसंरचनात्मक सेवाएं (टॉवर) मुहैया करवाई जाती हैं। प्राधिकरण ने किसी लाइसेंस के तहत ऐसी सेवाओं की विशिष्ट लाभकारिता तथा निष्पादन के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से एसएसआर, 2012 के तहत पृथक रिपोर्ट को प्रस्तुत करने को अनिवार्य बनाया था उदाहरण के लिए आईएलडी लाइसेंस में सीएलएस तथा आईएलडी हेतु पृथक रिपोर्ट, एक्सेस सेवा (पूर्ण मोबिलिटी) में, टॉवर व्यापार तथा पूर्ण मोबिलिटी प्रचालनों आदि। ऐसा पाया गया है कि यह पृथक सेवाएं पर्याप्त राजस्व सृजन नहीं करती हैं तथा एक सीमित अनुभाग हेतु सेवा प्रदान करती हैं। इसलिए, पृथक रिपोर्टिंग अपेक्षित नहीं है। एसएसआर, 2016 में टॉवर सेवा, केबल लैंडिंग सेवा तथा डार्क फाइबर सेवा को संबंधित मूल लाइसेंस प्रदत्त सेवाओं में विलय कर दिया गया है। साथ ही यदि इन विभाजित सेवाओं की लाभकारिता तथा निष्पादन का मूल्यांकन करना है तो इन सेवाओं के संबंध में पृथक जानकारी की आवश्यकता की अनदेखी नहीं की जा सकती है। इसलिए, इन विलय की गई सेवाओं की पृथक पहचान बनाए रखने के लिए इन विलय की गई सेवाओं को जिस मूल सेवा में उन्हें सम्मिलित किया गया है (उसमें पृथक रूप से चिह्नित नेटवर्क घटक के साथ) उसमें पृथक उत्पाद के रूप में रखा गया है उदाहरण के लिए डार्क फाइबर सेवा को आईएसपी, एनएलडी तथा आईएलडी सेवा के साथ विलय कर दिया गया है, टॉवर व्यापार सेवा को एक्सेस सेवा तथा सीएलएस को आईएलडी के साथ विलय कर दिया गया है।
22. परामर्श प्रक्रिया के दौरान, कुछ हितधारकों ने उत्पाद सूची के सरलीकरण किए जाने का समर्थन किया है। एक हितधारक ने यह उल्लेख किया है कि एक्सेस सेवा में राजस्व का स्थानीय, एसटीडी तथा आईएसडी में बंटवारा किए जाने को अधिदेशित नहीं किया जाना चाहिए चूंकि स्थानीय, एसटीडी तथा आईएसडी वॉयस राजस्व के पृथक्कीकरण हेतु कोई पृथक विभाजीकरण/रिपोर्ट उपलब्ध नहीं हैं तथा ऐसी प्रस्तावित रिपोर्ट प्रणाली पर अतिरिक्त भार पड़ेगा। दो हितधारकों ने एक्सेस सेवा में उत्पाद के रूप में किराया/सक्रियण शुल्क/एकमुश्त शुल्क को पहचान प्रदान करने के संबंध में अपना मत व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह केवल राजस्व वर्ग है, उत्पाद नहीं हैं। दो अन्य हितधारकों ने प्रीपेड तथा पोस्टपेड वर्ग में एक्सेस सेवाओं में उत्पादों की पृथक रिपोर्टिंग को जारी रखे जाने के संबंध में अपना पक्ष रखा। यह उल्लेख किया गया कि प्रीपेड तथा पोस्टपेड उत्पाद बिलिंग के दो भिन्न वर्ग हैं जो पृथक सब्सक्राइबर आधार के दूरसंचार उपभोक्ताओं के पृथक वर्ग की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं और इन वर्गों के साथ पृथक स्वरूप की कार्यनीतियां, प्रशुल्क दरें, तथा पृथक लागत जुड़ी हुई हैं। कुछ हितधारकों ने एक्सेस सेवाओं में पृथक उत्पाद के रूप में अंतर-सर्किल रोमिंग प्रभारों (जिसका थोक राजस्व का स्वरूप है) को सम्मिलित किए जाने की वकालत की है। दो सेवा प्रदाताओं ने यह उल्लेख किया है कि चूंकि एक्सेस सेवा में द्विपक्षीय रूप से इन-रोमिंग प्रभार आपस में तय शर्तों पर आधारित होते हैं इसलिए वे थोक अतर्संयोजन का भाग नहीं होने चाहिए। एक हितधारक ने कहा कि एमएनपी सेवा से प्राप्त होने वाले अपर्याप्त राजस्व के मद्देनजर, इसे पृथक दूरसंचार सेवा के रूप में मान्यता नहीं प्रदान की जानी चाहिए।
23. हितधारकों से प्राप्त टिप्पणियों की जांच की गई है। उत्पादों की प्रस्तावित सूची के पीछे मूल सिद्धांत, प्रस्तुत सेवाओं से राजस्व सृजन अथवा विनियामककारी कार्यकलापों/विश्लेषण के दृष्टिकोण से प्रस्तुत सेवाओं का महत्व है। संबंधित दूरसंचार सेवा के तहत राजस्व के मुख्य शीर्षों को उत्पाद के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। तदनुसार, एक्सेस सेवा के तहत इन-रोमिंग प्रभार तथा अंतरा-सर्किल प्रभारों को पृथक उत्पादों के रूप में पहचान प्रदान की गई है। यह नोट किया गया है कि वॉयस राजस्व का स्थानीय, एसटीडी तथा आईएसडी श्रेणी के रूप में बंटवारा इस क्षेत्र में मूलभूत वर्गीकरण है तथा इसका टीएसपी द्वारा लगातार पालन किया जाता है। इसके अलावा, लाइसेंस प्रदाता (दूरसंचार विभाग) के समक्ष जमा किए गए तिमाही राजस्व तथा लाइसेंस शुल्क विवरण में वॉयस राजस्व को स्थानीय, एसटीडी तथा आईएसडी में पृथक रूप से रिपोर्टिंग किए जाने को भी अधिदेशित किया गया है। स्थानीय, एसटीडी तथा आईएसडी कॉलों के संबंध में पृथक जानकारी संबंधी उपबंध को भी अंतःस्थापित किया गया है चूंकि उनके पृथक प्रशुल्क तथा नेटवर्क संसाधन उपयोग के

- परिणामस्वरूप पृथक राजस्व तथा लागत ढांचे होते हैं। यह भी नोट किया गया है कि किराया, सक्रियण, एकमुश्त शुल्क, उपभोक्ताओं को सेवाओं के आश्वासन हेतु ऐसे भुगतान हैं जो एक विशिष्ट समय-सीमा के लिए उसे नेटवर्क पर सक्रिय रहने/जुड़े रहने निःशुल्क कॉलें करने इत्यादि हेतु सक्षम बनाता है, इसलिए उसे एकत्रित रूप से पृथक उत्पाद कहा जा सकता है। एक्सेस सेवा में प्री-पेड तथा पोस्ट-पेड क्षेत्र को विनियामककारी कार्यकलापों में एक समान माना जाता है तथा वॉयरलाइन क्षेत्र में सभी उपभोक्ता पोस्ट-पेड क्षेत्र से संबद्ध होते हैं। अतः प्राधिकरण का यह मत है कि एएसआर, 2016 के तहत प्री-पेड तथा पोस्ट-पेड हेतु पृथक रिपोर्टिंग किए जाने की आवश्यकता नहीं है। एमएनपी सेवाओं के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि केवल उन टीएसपी द्वारा एमएनपी सेवा हेतु पृथक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी जिन्होंने दूरसंचार विभाग से एमएनपी सेवा हेतु लाइसेंस प्राप्त किया है।
24. परामर्श प्रक्रिया के दौरान एक हितधारक ने टिप्पणी की कि नेटवर्क घटक वार लागत की बजाय विभागवार लागत प्राप्त करने के लिए प्रपत्र-‘सी’ में संशोधन किया जाना चाहिए। कुछ हितधारकों ने प्रपत्र ‘डी’ (सहायता कार्यक्रम/विभागीय लागत विवरण) को हटाए जाने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा है कि प्रपत्र-‘डी’ बिना किसी उपयोग सिद्ध किए केवल जटिलताओं को बढ़ा रहा है। कुछ हितधारकों ने यह कहा कि प्रपत्र-‘एफ’ में वर्तमान वर्ष के दौरान पुनर्भुगतान किए जाने वाले दीर्घकालीन ऋण के भाग को चालू देयताएं नहीं माना जाना चाहिए जिसका नियोजित पूंजी पर भी प्रभाव पड़ेगा।
25. हितधारकों से प्राप्त टिप्पणियों की जांच की गई है। प्रपत्र-‘सी’ के पीछे उद्देश्य दूरसंचार व्यापार तथा प्रचालनों में लगाए गए विभिन्न नेटवर्क घटकों की लागत का मूल्यांकन करना था। दूरसंचार सेवा क्षेत्र में नेटवर्क घटक एक बड़ी लागत होता है तथा इसकी लागत का ब्यौरा अनेक विनियामककारी कार्यकलापों में विस्तृत विश्लेषण/जांच हेतु एक अनिवार्य जानकारी है। इसके अतिरिक्त प्रपत्र-‘डी’ को हटाए जाने का उत्पाद की प्रत्यक्ष लागत तथा नेटवर्क घटकों पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा, प्रपत्र-‘डी’ सहायक कार्यकरणों/विभागों की लागत को उत्पादों और नेटवर्क घटकों में इसके बंटवारे के संबंध में जानकारी देता है जिससे लागत को प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लागत में विभक्त किया जा सकता है। प्रपत्र-‘एफ’ के संबंध में यह उल्लेख किया गया कि वित्तीय खातों से एकरूपता लाने के उद्देश्य से तथा कंपनी अधिनियम, 2013 (विशेषरूप से चालू परिसम्पत्तियों तथा चालू देयताओं के मामले में) में किए गए परिवर्तनों को सम्मिलित करने के लिए प्रपत्र-‘एफ’ सहित विभिन्न प्रपत्रों में अनिवार्य परिवर्तन किए गए हैं।
26. अनेक हितधारकों ने यह उल्लेख किया कि प्रपत्र-‘एच’ (संबंधित पक्ष से लेन-देन पर) प्रत्येक उत्पाद हेतु प्रभारित न्यूनतम और अधिकतम दर का अनुपालन करना व्यवहारिक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इस स्तर पर जानकारी का संग्रहण करना संभव नहीं है। उन्होंने आगे सुझाव दिया कि प्रति इकाई दर की बजाय, सकल राजस्व के संबंध में ब्यौरे को अधिदेशित किया जाए। एक हितधारक ने प्रपत्र-‘एच’ को हटाए जाने के संबंध में मत व्यक्त किया।
27. हितधारकों से प्राप्त टिप्पणियों की जांच की जा गई है। प्राधिकरण ने यह नोट किया कि भारतीय दूरसंचार सेवा क्षेत्र में वर्तमान स्थिति में खुदरा प्रशुल्क प्रविरत है (रोमिंग तथा ग्रामीण वॉयरलाइन के अलावा)। तथापि, किसी एक टीएसपी से दूसरे टीएसपी (मुख्यतः थोक अंतःसंयोजन प्रभार) के बीच प्रशुल्क की अनेक मदों को प्राधिकरण द्वारा विनियमित किया जाता है। एएसआर, 2016 के तहत प्रपत्र ‘एच’ में संबंधित पक्षों से जुड़ी जानकारी देने संबंधी अपेक्षाओं को तर्कसंगत बनाया गया है जिससे अंतर-टीएसपी राजस्व लेन-देन के संबंध में सीमित तथा संगत जानकारी का संग्रहण किया जा सके ताकि उसका विश्लेषण तथा जांच की जा सके। तदनुसार, एएसआर, 2016 के तहत प्रपत्र ‘एच’ को सरल बनाया गया है तथा केवल ऐसे उत्पादों के संबंध में राजस्व जानकारी मांगी गई है जहां सेवा प्रदाता तथा सेवा प्राप्तकर्ता, दोनों ही टीएसपी हैं। इसके अलावा, संबंधित पक्षों की जानकारी को सीमित विनिर्दिष्ट उत्पादों के लिए एक्सेस सेवा (वॉयरलेस तथा वॉयरलाइन), इंटरनेट सेवा, एनएलडी सेवा तथा आईएलडी सेवा तक सीमित किया गया है।
28. परामर्श प्रक्रिया के दौरान दो हितधारकों ने अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत की कि गैर-वित्तीय जानकारी के संग्रहण के संबंध में प्रपत्र ‘जे’ को हटाया जाए चूंकि यह एएसआर के संबंध में प्रासंगिक नहीं है। एक हितधारक ने यह कहा कि डीईएल की एक्सेस सेवा (वॉयरलाइन) संबंधी अपेक्षा के ब्यौरे को हटाया जाना चाहिए। एक अन्य हितधारक ने टिप्पणी की कि शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में सब्सक्राइबर्स की जानकारी देने संबंधी प्रावधानों को हटाया जाना चाहिए। कुछ हितधारकों ने यह टिप्पणी की कि कुल सब्सक्राइबर्स में से इंटरनेट का उपयोग कर रहे सब्सक्राइबर्स की संख्या उपलब्ध कराना कठिन होगा।
29. हितधारकों की टिप्पणियों की जांच की जा गई है। प्रपत्र ‘जे’ में संबंधित सेवाओं पर सीमित तथा गैर-वित्तीय जानकारी अंतर्विष्ट है जो एएसआर, 2016 के तहत अन्य प्रपत्र के माध्यम से प्रस्तुत की गई वित्तीय जानकारी के किसी सार्थक विश्लेषण तथा जांच हेतु एक-दूसरे से जुड़ी है तथा अत्यंत महत्वपूर्ण है। अन्य टिप्पणियों के संबंध में यह नोट किया गया कि इन जानकारीयों को प्राधिकरण को प्रस्तुत करने हेतु अन्य रिपोर्टों के तहत एकत्रित किया जाता है तथा इस प्रकार, इससे पद्धति पर कोई अन्य भार/दबाव नहीं पड़ेगा।
30. टीएसपी पर विलंब से रिपोर्ट प्रस्तुत करने अथवा एएसआर, 2016 के तहत गलत रिपोर्ट प्रस्तुत करने संबंधी वित्तीय निरुत्साहन संबंधी खण्ड को हटाए जाने के पीछे दो हितधारियों ने यह तर्क दिया कि लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्ट पहले ही प्रस्तुत की जा चुकी लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण का केवल पृथक प्रस्तुतिकरण है।
31. प्राधिकरण के समक्ष पूर्ण तथा सटीक रिपोर्ट का समय से प्रस्तुतिकरण सुनिश्चित करने के लिए अनुपालन स्तर में वृद्धि करने के लिए वित्तीय निरुत्साहन की खण्ड को अंतःस्थापित किया गया था। लेखांकन पृथक्कीकरण रिपोर्टों की विभिन्न विनियामककारी कार्यकरणों हेतु आवश्यकता होती है और इसलिए समय से उनकी प्राप्ति महत्वपूर्ण है। जानकारी प्राप्त करने में विलंब अथवा गलत जानकारी की प्राप्ति से विनियामककारी कार्यकरणों के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसलिए, प्राधिकरण का यह मत है कि एएसआर, 2016 में वित्तीय निरुत्साहन के खण्ड को बनाए रखा जाना चाहिए।
32. एएसआर 2016 के प्रयोजन के लिए, ‘सेवा विशिष्ट लाइसेंस’ और यूनिफाइड लाइसेंस के तहत ‘सेवा विशिष्ट प्राधिकार’ को सभी व्यावहारिक उद्देश्यों/कार्यों के लिए समान माना जाएगा।

## TELECOM REGULATORY AUTHORITY OF INDIA

### NOTIFICATION

New Delhi, the 10<sup>th</sup> June 2016

**F.No.16-02/2015-F&EA:** In exercise of the powers conferred by section 36, read with sub-clause (i) of

clause (b) of sub-section (1), of section 11 of the Telecom Regulatory Authority of India Act, 1997 (24 of 1997), the Telecom Regulatory Authority of India hereby makes the following regulations, namely:-

**The Reporting System on Accounting Separation Regulations, 2016**  
(5 of 2016)

<b>CHAPTER I</b> <b>PRELIMINARY</b>	
<b>1. Short title, commencement and application:</b>	(i) These regulations may be called the Reporting System on Accounting Separation Regulations, 2016.
	(ii) They shall come into force from the date of their publication in the official Gazette.
	(iii) These regulations shall apply to all service providers having aggregate turnover of not less than one hundred crore, during the accounting year for which report is required to be submitted under these regulations, starting from the accounting year ending on the 31 <sup>st</sup> March 2016, from operations under the licences issued under section 4 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885).
<b>2. Definitions:-</b>	In these regulations, unless the context otherwise requires,
(a)	“accounting separation statement” means report furnished in Proforma specified in Schedule III to these regulations;
(b)	“accounting year” means the financial year defined under sub-section (41) of section 2 of the Companies Act, 2013 (18 of 2013);
(c)	“Act” means the Telecom Regulatory Authority of India Act, 1997 (24 of 1997);
(d)	“annual financial statement” means financial statements prepared under section 128 of the Companies Act, 2013;
(e)	“Authority” means the Telecom Regulatory Authority of India established under sub-section (1) of section 3 of the Act;
(f)	“Broadband” or “Broadband service” means a data connection that is able to support interactive services including Internet access and has the capability of the minimum download speed of 512 kbps or higher speed, as may be decided by the licensor, to an individual subscriber from the point of presence (POP) of the service provider intending to provide Broadband service.
(g)	“cable landing station” means the location, (i) at which the international submarine cable capacity is connectable to the backhaul circuit; (ii) at which International submarine cables are available on shore, for accessing international submarine cable capacity; and such location includes buildings containing the onshore end of the submarine cable and equipment for connecting to backhaul circuits;
(h)	“co-location charges” means the charges payable by a service provider for using facilities including land, building space, apparatus and plants, environmental services, security, site maintenance, power, electrical installations, cables, transformers, fire detection, fire fighting systems and back-up power for the purpose of interconnection including installation of collocation equipments i.e. switches, racks and cages, cross-connects and other cabling at the premises owned by another service provider;
(i)	“cost centre” means the support function or department of a company or a network element for which cost is incurred;
(j)	“financial capital maintenance” is a methodology of recognising profit after taking account of holding gain or loss arising as a result of Replacement Cost Accounting;
(k)	“historical cost accounting” means a system of accounting where assets, liabilities, costs and revenues are recorded at the value when the transaction was made and where assets are valued and depreciated according to their cost at the time of purchase or acquisition;
(l)	“holding gain or loss” means gain or loss arising out of change in the replacement cost of an asset while the asset is still being held at the historical cost and is computed as under:- $\text{Holding Gain or Loss} = \text{NBV}_{t-1} \times (\text{GRC}_t / \text{HC}) - \text{NBV}_{t-1} \times (\text{GRC}_{t-1} / \text{HC})$ Where, $\text{NBV}_{t-1}$ = Written down value of an asset at historical cost at the beginning of year t, $\text{GRC}_t$ = Gross replacement cost of an asset at the end of year t, $\text{HC}$ = Historical cost of an asset at the time of its purchase
(m)	“Internet service” means all type of Internet access or Internet content services as provided in the licence;
(n)	“licence” means a licence granted or having effect as if granted under section 4 of the Indian Telegraph Act,

1885 (13 of 1885) or the provisions of the Indian Wireless Telegraphy Act, 1933 (17 of 1933);
(o) “manual” means manual referred to in regulation 3;
(p) “Meet Me Room” means a place where telecom service providers connect their equipment;
(q) “modern equivalent asset” means the current value of available asset with the same level of capacity and functionality as that of the original asset;
(r) “off-net call” means a call other than on-net call ;
(s) “on-net call” means a call which originates and terminates in the network of the same service provider within same licensed service area;
(t) “pass through charges” means the charges excluded from gross revenue to arrive at adjusted gross revenue for the purpose of levying licence fee as provided under the licence agreement of the service provider;
(u) “profit centre” means a service or a product offered by a service provider to which revenue and cost can be traced to calculate profit from that activity;
(v) “regulations” means the Reporting System on Accounting Separation Regulations, 2016;
(w) “related party” has the meaning assigned to it in the Accounting Standard on Related Party Disclosures (AS 18) issued by the Institute of Chartered Accountants of India and also includes transactions within a company involving separate licensed activities;
(x) “related party transaction” means a transfer of resources or obligations between related parties whether a price is charged or not;
(y) “replacement cost accounting” means system of accounting where value of an asset is entered in the financial statement at the price which is required to be paid if same or equivalent asset is purchased or acquired;
(z) “report” mean financial and non-financial accounting separation reports furnished by service providers under regulation 4;
(za) “retail revenue” means revenue earned by the service provider from the sale of products and services directly to the end consumer;
(zb) “service provider” means the Government as a service provider and includes a licensee;
(zc) “supplementary depreciation” means the difference between depreciation on historical cost and depreciation on replacement cost of an asset;
(zd) “transit carriage charge” means charge for carriage of intra-circle traffic handed over from Cellular Mobile Networks to Fixed Network at Level II Trunk Automatic Exchange (TAX) of Long Distance Charging Area for terminating in Short Distance Charging Area of the same Long Distance Charging Area;
(ze) “Value Added Services” means services which are offered to add value to the core services, the core services being voice calls, voice or non-voice messages and data transmission;
(zf) “wholesale interconnection” means a transaction for which revenue is received from other service providers for carrying or terminating calls or messages or for providing interconnection facilities;
(zg) “wholesale revenue” means revenue realised from the sale of products and services other than to end consumers;
(zh) all other words and expressions used in these regulations but not defined, and defined in the Act and the rules and other regulations made there under, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act or the rules or other regulations, as the case may be.
<b>CHAPTER II</b> <b>MANUAL &amp; REPORTS</b>
<p><b>3. Manual:</b> (1) Every service provider shall, for the purpose of implementing the accounting and reporting practices specified under these regulations, furnish to the Authority within ninety days from the date of commencement of these regulations, a manual containing policies, principles, methodologies and procedures for accounting and cost allocation:</p> <p>Provided that a service provider, to whom the provisions of these regulations do not apply on the date of its commencement, shall, within ninety days from the end of accounting year in which the provisions of these regulations become applicable to him, furnish to the Authority a manual containing policies, principles, methodologies and procedures for accounting and cost allocation.</p>
<p>(2) The manual shall contain the following items, namely: -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(a) the details of the organisational structure of the service provider;</li> <li>(b) a list of all the entities within the group operating in the telecom service sector and relationship of the service provider with such entities;</li> </ul>

<ul style="list-style-type: none"> <li>(c) the details of the financial accounting system adopted by the service provider including policies relating to capitalisation, depreciation, advance receipts of revenue, security deposits, provision for bad and doubtful debts etc.;</li> <li>(d) the details of products, services, network elements and licensed service areas which shall be treated as separate segments for preparing Accounting Separation Statements;</li> <li>(e) the description of accounting policies for allocation and apportionment of revenue, cost, assets and liabilities;</li> <li>(f) the details of the accounting system followed for recording and generation of the accounting separation information and reports which shall include list of cost and profit centres, linkages of financial heads to cost and profit centres;</li> <li>(g) the description of studies, surveys and model employed in cost apportionment and cost allocation process;</li> <li>(h) the definition of terms used in the manual; and</li> <li>(i) the procedure adopted for maintenance and updation of the manual.</li> </ul>
<p>(3) Any change in the manual and reasons thereof shall be furnished by the service provider along with reports.</p>
<p><b>4. Reports:-</b> (1) Every service provider shall furnish to the Authority, separately for each licensed service area and in consolidated form for all licensed service areas in case of access services, the following reports, namely: -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(a) financial reports containing: - <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) the profit and loss statement in Proforma A of Schedule III in respect of each service specified in Schedule I;</li> <li>(ii) the profit and loss statement in Proforma B of Schedule III; in respect of each product specified in Schedule I;</li> <li>(iii) the network element wise cost sheet in Proforma C of Schedule III containing network element wise cost and its allocation to various products, based on the list of network elements of various services contained in Schedule II;</li> <li>(iv) the cost sheet of support functions and departments in Proforma D of Schedule III and its allocation to products and network elements;</li> <li>(v) the statement in Proforma E of Schedule III containing category wise fixed assets and depreciation thereon;</li> <li>(vi) the capital employed statement in Proforma F of Schedule III for the services provided by the service provider;</li> <li>(vii) the statement in Proforma G of Schedule III allocating capital employed for each service with respect to the products contained in Schedule I;</li> <li>(viii) the statement in Proforma H of Schedule III on related party information on gross revenue for the products specified in Proforma H.</li> </ul> </li> <li>(b) non-financial reports containing the statement in Proforma J of Schedule III for services mentioned in Schedule I comprising non-financial information relating to subscribers, network usage and network capacity.</li> </ul>
<p>(2) The reports, referred to in sub-regulation (1), shall be furnished by the service provider;</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(a) every accounting year, based on the historical cost accounting for all the services specified in Schedule I; and</li> <li>(b) beginning from the accounting year ending on the 31<sup>st</sup> March, 2017 and every second year thereafter based on the replacement cost accounting, for the following services, namely: - <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Access service (Wireless);</li> <li>(ii) Access service (Wireline);</li> <li>(iii) National Long Distance service ;</li> <li>(iv) International Long Distance service</li> </ul> </li> </ul> <p>Provided that there shall be no obligation on a service provider to furnish the reports based on the replacement cost accounting for three accounting years from the date of issue of licence;</p> <p>Provided further that the service provider, referred to in first proviso, shall, immediately after the end of period of three years from the date of issue of license/authorisation, furnish the reports based on replacement cost accounting at the time interval and for the services as provided in sub-clause (b).</p>
<p>(3) Every service provider shall reconcile the profit and loss statement, referred to in sub-clause (i) of clause (a) of sub-regulation (1), prepared on the basis of historical cost with the audited annual financial statement</p>



prepared under section 128 of the Companies Act, 2013 and furnish the reconciliation statement in Proforma I of Schedule III.
<p>(4) Every service provider shall, while preparing reports based on the Replacement cost accounting -</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) follow financial capital maintenance methodology;</li> <li>(ii) limit cost adjustment to the fixed assets;</li> <li>(iii) ignore replacement cost of assets having life of less than three years;</li> <li>(iv) take cost of modern equivalent asset, when existing asset is not available due to change in technology or old asset is replaced by modern equivalent asset;</li> <li>(v) indicate holding gain or loss and supplementary depreciation; and</li> <li>(vi) indicate the change in operating expenditure when an old asset is replaced by a modern equivalent asset.</li> </ul>
(5) Every service provider shall furnish alongwith the reports, the relevant portion of the manual containing description of accounting policies for allocation and apportionment of revenue, cost, assets and liabilities and the basis of cost allocation and apportionment employed.
<p><b>5. Submission of Reports -</b> (1) Every report referred in regulation 4 and duly audited by the Auditor as referred in regulation 7, shall be submitted by the service provider within seven months of the end of the accounting year, at the head office of the Authority at New Delhi;</p> <p>Provided that the Authority may by direction specify any other method including on-line submission of reports.</p>
(2) If accounting year of a service provider exceeds fifteen calendar months, such service provider shall submit the reports in two parts – one part comprising report of twelve months and the second part comprising of remaining period.
<p><b>6. Consequences for failure of the service provider to submit reports or furnishing of false report–</b> (1) If any service provider contravenes the provisions of regulation 5, it shall without prejudice to the terms and conditions of its licence or the provisions of the Act or rules or regulations or orders made, or, directions issued, there under, be liable to pay an amount, by way of financial disincentive, not exceeding ₹ five lakh and in case the contravention continues beyond fifteen days from the last date of submission of the report, the service provider shall be liable to pay an additional amount not exceeding ₹ fifty thousand for every day of delay after fifteen days, during which the default continues, as the Authority may, by order, direct.</p> <p>Provided that if a service provider contravenes the provisions of regulation 5 in the consecutive years and failed to submit reports by the due date, he shall be liable to pay as an amount, by way of financial disincentive, not exceeding, ₹ ten lakh for each contravention and in case the default continues beyond fifteen days from the last date of submission of the report, the service provider shall be liable to pay an additional amount not exceeding ₹ one lakh for every day of delay after fifteen days during which the default continues, as the Authority may, by order direct.</p>
(2) If the report furnished by the service provider under regulation 5 is false and which such service provider knows or believes to be false or does not believe to be true, or omits any material fact knowing it to be material, it shall, without prejudice to the terms and conditions of its licence, or the provisions of the Act or rules or regulations or order made, or, direction issued there under, be liable to pay an amount, by way of financial disincentive, not exceeding ₹ ten lakh, as the Authority may, by order, direct.
(3) No order for payment of any amount by way of financial disincentive shall be made by the Authority unless the service provider has been given a reasonable opportunity of representing against the contravention of the regulations observed by the Authority.
<p><b>7. Audit –</b> (1) Every service provider shall appoint an auditor, qualified for appointment as an auditor under section 141 or 148 of the Companies Act, 2013, to audit the reports prepared by the service provider under regulation 4 of these regulations and obtain the report of the audit from the auditor in the format specified in Schedule IV.</p>
(2) The reports prepared by the service provider under regulation 4 shall be adopted by its Board of Directors and shall be signed by the authorized signatory before submitting the same to auditor appointed under sub-regulation (1).
(3) The reports prepared by the service provider under regulation 4 and the audit report, referred to in sub-regulation (1), shall be signed by the auditor or, if a firm is appointed as an auditor, by a partner of the firm.
(4) The service provider shall furnish to the Authority the audited reports alongwith report of the auditor referred to in sub-regulation (1) and soft copy in MS Excel format of the reports referred in regulation 4.
<p><b>CHAPTER III</b> <b>MISCELLANEOUS</b></p>
<b>8. Repeal and saving –</b> (1) The Reporting System on Accounting Separation Regulations, 2012 (7 of 2012)

are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the said regulations shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations;

**9. Interpretation** – In case of any doubt regarding interpretation of any of the provisions of these regulations, the clarification of the Authority shall be final and binding.

### SCHEDULE I

Name of Telecom Service	Licensed Service Area of Operation	Product/ Components
(1)	(2)	(3)
(I) Access service - Wireless (II) Access service – Wireline	Licensed Service Area i.e. Telecom Circle	a) Rental / Activation / One time / Recharge fees b) Voice Calls (i.e. by own subscribers in home service area): 1) Local 2) STD 3) ISD c) Non-voice: Short Messaging Service (SMS)/ Multimedia Messaging Service (MMS) d) Value Added Services e) Out Roaming (i.e. by own subscribers outside home service area): (i) National (ii) International f) Data g) Leased circuit h) Sharing/Leasing of Towers i) Wholesale (Interconnection): (i) Termination Voice call (ii) Termination SMS/ MMS (iii) Port charges including Co-Location (iv) Transit Carriage Charges (v) Access Charges (Calling Cards) (vi) In-Roaming (vii) Intra Circle Roaming (viii) Other interconnect charges j) Any other product (please specify name of each product separately)
(III) Internet service	Licensed Service Area	a) Internet – Broadband b) Internet – Narrowband c) Internet Telephony d) Internet Protocol (IP) TV e) Internet Content f) Webhosting and Web-collocation g) Dark Fiber h) Any other product (please specify name of each product separately)
(IV) National Long Distance service	All India	(a) Voice (i) Carriage Services (ii) Calling Cards

		(b) Leased Circuits: <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Domestic Dedicated Leased Circuit</li> <li>(ii) Managed Data Services (VPN/ CUG)</li> </ul> (c) Dark Fiber           (d) Any other product (please specify name of each product separately)
(V) International Long Distance service	All India	(a) Voice <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Carriage Services</li> <li>(ii) Calling Cards</li> </ul> (b) Leased Circuit: <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) International Private Leased Circuit (IPLC)</li> <li>(ii) Managed Data Services (VPN/ CUG)</li> </ul> (c) Cable Landing Station <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Collocation;</li> <li>(ii) Access facilitation</li> </ul> (d) Dark Fiber           (e) Any other product (please specify name of each product separately)
(VI) Mobile Number Portability service (MNP)	All India	No product sub-classification
(VII) Very Small Aperture Terminal service (VSAT)	All India	No product sub-classification

## SCHEDULE II

Sl No.	Name of Telecom Service	Network Elements
(1)	(2)	(3)
(I)	Access service– Wireless	<p><b>(a) CORE NETWORK:</b></p> <p>(Mobile services Switching Centre (MSC)/ Gateway Mobile services Switching Centre (GMSC), MSC-Server/ Virtual MSC, Media Gateway (MGW)/ Gateway Media Gateway (GMGW), Visitor location register (VLR), Serving GPRS Support Node (SGSN), Gateway GPRS Support Node (GGSN), EIR (Equipment Identity Register), HLR (Home Location Register), AUC (Authentication Centre), Transponder, Signalling gateway, Others)</p> <p><b>(b) RADIO ACCESS NETWORK:</b></p> <p>(Node B (RAN-Radio Access Network), BTS (Base Transceiver Station), RNC (Radio Network Controller), BSC (Base Station Controller), Others)</p> <p><b>© TRANSMISSION MEDIA / EQUIPMENTS</b></p> <p>(Transmission Media Between the Network Element i.e.OFC/Cable/Microwave, Transmission equipments, Others)</p> <p><b>(d) OTHER NETWORK ELEMENTS:</b></p> <p>(SMSC (Short Message Service Centre), MMSC (Multimedia Messaging Service Centre), HSS (Home Subscriber server), Application servers for Value added service, NMS (Network Management System), Billing servers, IUC servers/ ICB Server (Interconnect Billing Server), IN Servers, LIS (Lawful Interception Server), Facilitation for MNP, Tower and Associated Infrastructure, Others)</p>
(II)	Access service - Wireline	(a) Equipment at Subscriber's end – POTS, ISDN, PABX, VPT

		<p>Equipment etc.</p> <p>(b) Access Media between Local Switches &amp; Subscriber's end – Copper loop/ Optical Fiber etc.</p> <p>(c) Local Switches – Local switch (including NGN and IP), Remote Switching Unit, Remote Logical Unit etc.</p> <p>(d) Tandem/TAX switches</p> <p>(e) Media Gateway (MGW)</p> <p>(f) Transmission Media / Equipments</p> <p>(g) Other (please specify)</p>
<b>(III)</b>	Internet service	<p>(a) Customer Premises Equipments (CPE)</p> <p>(b) Access Media (Copper Loop/Optical/Fiber, Cables/Wireless network etc.</p> <p>(c) DSLAM</p> <p>(d) Router (EDGE/ PE/ CORE)</p> <p>(e) MuX/ Switches</p> <p>(f) Transmission media/systems between networking elements</p> <p>(g) Dedicated Servers</p> <p>(h) Fiber</p> <p>(i) Other (please specify)</p>
<b>(IV)</b>	National Long Distance service	<p>(a) Switches (including NGN and IP)</p> <p>(b) Media Gateway (MGW)</p> <p>(c) Transmission Media and Equipment</p> <p>(d) Fiber</p> <p>(e) Other (please specify)</p>
<b>(V)</b>	International Long Distance service	<p>(a) Switches (including NGN and IP)</p> <p>(b) Media Gateway (MGW)</p> <p>(c) Transmission –Domestic</p> <p>(d) Transmission –International</p> <p>(e) Transmission line from Cable Landing Station to Meet Me Room (MMR)</p> <p>(f) Network Equipment at Meet Me Room (MMR) in Cable Landing Station</p> <p>(g) Fiber</p> <p>(h) Other (please specify)</p>
<b>(VI)</b>	Mobile Number Portability service (MNP)	<p>(a) Server</p> <p>(b) Router/Switch</p> <p>(c) Transmission Media</p> <p>(d) Gateway</p> <p>(e) Other (please specify)</p>
<b>(VII)</b>	Very Small Aperture Terminal service (VSAT)	<p>(a) Space Segment Transponder</p> <p>(b) Ground Segment</p> <p>(c) Other (please specify)</p>

**SCHEDULE III**

<b>LIST OF PROFORMA E</b>		
<b>Sl No.</b>	<b>Proforma</b>	<b>Description of the Proforma</b>
1	Proforma A	Profit and Loss Statement – Service
2	Proforma B	Profit and Loss Statement – Product
3	Proforma C	Cost Sheet – Network Elements
4	Proforma D	Cost Sheet – Support Functions/Departments
5	Proforma E	Statement of Gross Block, Depreciation and Net Block – Service
6	Proforma F	Capital Employed Statement- Service
7	Proforma G	Capital Employed Statement: Allocation to Products
8	Proforma H	Statement of Related Party Transactions (Revenue)
9	Proforma I	Reconciliation Statement (covering all services and area of operations) with Audited Financial Statements.
10	Proforma J	Statement of Non financial information for each telecom service

**SCHEDULE III**

**Proforma A**

**PROFIT & LOSS STATEMENT – SERVICE**

**Name of The Company :**

**Name of Service:**

**Licensed Service Area of Operation :**

**Period :**

**Cost Base:**                      Historical cost accounting / Replacement cost accounting

<b>S No.</b>	<b>Particulars</b>	<b>Current Year</b>	<b>Previous Year</b>
<b>1</b>	<b>REVENUE</b>		
1.1	REVENUES (NET OF SERVICE TAX) :		
1.2	Less: Pass through Charges:		
1.2.1	<i>To Access Service Providers</i>		
1.2.2	<i>To NLD Service Providers</i>		
1.2.3	<i>To ILD Service Providers</i>		
1.2.4	<i>Others (please specify)</i>		
1.3	<i>Revenue(net of Pass through)</i>		
<b>2</b>	<b>COSTS:</b>		

<b>2.1</b>	<b>Employees cost:</b>		
2.1.1	Salaries and wages		
2.1.2	Contribution to provident fund and other funds		
2.1.3	Staff welfare		
2.1.4	Training and recruitment		
2.1.5	Others (please specify)		
	<b>Sub total</b>		
<b>2.2</b>	<b>Administration cost:</b>		
2.2.1	Rent (Other than Network Element Equipments and Cell sites)		
2.2.2	Rates and taxes		
2.2.3	Insurance charges (Other than Network Element Equipments)		
2.2.4	Communication costs		
2.2.5	Electricity		
2.2.6	Travel and conveyance expenses		
2.2.7	Legal and professional charges		
2.2.8	Printing and stationery		
2.2.9	Audit fees		
2.2.10	Outsourcing Charges		
2.2.11	Porting Charges for MNP		
2.2.12	Others (please specify)		
	<b>Sub total</b>		
<b>2.3</b>	<b>Sales and Marketing cost:</b>		
2.3.1	Advertisement and business promotion expenses		
2.3.2	Sales commission		
2.3.3	Provision for bad and doubtful debts		
2.3.4	Bad debts write off		
2.3.5	Outsourcing (Billing Services and Customer Care Services)		
2.3.6	Others (please specify)		
	<b>Sub total</b>		
<b>2.4</b>	<b>Maintenance cost:</b>		
2.4.1	Annual maintenance charges		
2.4.2	Network Consumables		
2.4.3	Repairs and maintenance:		
2.4.3.1	Buildings		
2.4.3.2	Plant and machinery		
2.4.3.3	Others		
2.4.4	Outsourcing Charges for Maintenance activities		
2.4.5	Others (please specify)		
	<b>Sub total</b>		
<b>2.5</b>	<b>Government charges:</b>		
2.5.1	License fee		
2.5.2	License fee penalty, if any		
2.5.3	WPC charges:		
2.5.3.1	Radio Spectrum Charges		
2.5.3.2	Microwave Charges		
2.5.4	Others (please specify)		
	<b>Sub total</b>		
<b>2.6</b>	<b>Network operating Cost:</b>		
2.6.1	Leased Circuits and Gateway Charges		
2.6.2	Royalty for technical knowhow fees		
2.6.3	Rent (Network Element Equipments and Cell sites)		
2.6.4	Power and fuel		

2.6.5	Interconnection:		
2.6.5.1	Port charges		
2.6.5.2	Others (please specify)		
2.6.6	Passive Infrastructure Charges:		
2.6.7	Insurance Charges (Network Element Equipments)		
2.6.8	Outsourcing Charges for Network Element Equipments		
2.6.9	Others (please specify)		
	<b>Sub-total</b>		
<b>2.7</b>	<b>Depreciation and Amortisation:</b>		
2.7.1	Depreciation on Network Elements		
2.7.2	Amortisation of One time entry fees/license fees		
2.7.3	Amortisation of spectrum auction money		
2.7.4	Depreciation/amortisation on Others (please specify)		
	<b>Sub-total</b>		
<b>2.8</b>	<b>Other cost:</b>		
2.8.1	Loss on sale of fixed assets(net)		
2.8.2	Corporate office expenses		
2.8.3	Others (please specify)		
	<b>Sub-total</b>		
<b>2.9</b>	<b>Finance charges (Refer Note 1)</b>		
2.9.1	Bank charges		
2.9.2	Others (please specify)		
	<b>Sub-total</b>		
<b>2.10</b>	<b>TOTAL COST</b>		
<b>3</b>	<b>Profit &amp; Loss Before Interest and Tax</b>		
<b>4</b>	<b>Replacement Cost Adjustment (Refer Note 2)</b>		
4.1	Holding gain/Loss		
4.2	Supplementary Depreciation		
4.3	Change in Operating Cost due to replacement of assets		
4.4	Total adjustment		
<b>5</b>	<b>Profit &amp; Loss Before Interest and Tax</b>		
<b>6</b>	<b>Total Capital Employed</b>		
<b>7</b>	<b>Return on Capital Employed (%)</b>		
<b>8</b>	<b>Return on turnover (%)</b>		

**Notes:**

1. Excluding interest on loans/borrowed funds
2. Relevant for reporting on the basis of replacement cost accounting. No requirement to fill previous year's figures in reports based on replacement cost accounting.
3. This Proforma shall be prepared separately for each service prescribed in Schedule I to Regulation

**Proforma B**  
**PROFIT & LOSS STATEMENT - PRODUCT**

**Name of The Company :**

**Name of Service:**

**Licensed Service Area of Operation :**

**Period :**

**Cost Base:** Historical cost accounting / Replacement cost accounting

(₹ in Lakh)

S No.	Particulars	Product Type (See Note 1)				Total
		Product A	Product B	Product C	Product .....	
<b>1</b>	<b>REVENUE</b>					
1.1	REVENUES (NET OF SERVICE TAX)					
1.2	Less: Pass through Charges					
1.2.1	To Access Service Providers					
1.2.2	To NLD Service Providers					
1.2.3	To ILD Service Providers					
1.2.4	Others (please specify)					
1.3	Revenue(net of Pass through)					
	<b>COSTS:</b>					
<b>2</b>	<b>PRODUCT DIRECT COST</b>					
<b>2.1</b>	<b>Employee cost</b>					
2.1.1	Salaries and wages					
2.1.2	Contribution to provident fund and other funds					
2.1.3	Staff welfare					
2.1.4	Training and recruitment					
2.1.5	Others (please specify)					
	<b>Sub total</b>					
<b>2.2</b>	<b>Administration cost</b>					
2.2.1	Rent (Other than Network Element Equipments and Cell sites)					
2.2.2	Rates and taxes					
2.2.3	Insurance charges (Other than Network Element Equipments)					
2.2.4	Communication costs					
2.2.5	Electricity					
2.2.6	Travel and conveyance expenses					
2.2.7	Legal and professional charges					
2.2.8	Printing and stationery					
2.2.9	Audit fees					
2.2.10	Outsourcing Charges					
2.2.11	Porting Charges for MNP					
2.2.12	Others (please specify)					
	<b>Sub total</b>					

<b>2.3</b>	<b>Sales and Marketing cost</b>					
2.3.1	Advertisement and business promotion expenses					
2.3.2	Sales commission					
2.3.3	Provision for bad and doubtful debts					
2.3.4	Bad debts write off					
2.3.5	Outsourcing (Billing Services and Customer Care Services)					
2.3.6	Others (please specify)					
	<b>Sub total</b>					
<b>2.4</b>	<b>Maintenance cost</b>					



2.4.1	Annual maintenance charges					
2.4.2	Network Consumables					
2.4.3	Repairs and maintenance:					
2.4.3.1	Buildings					
2.4.3.2	Plant and machinery					
2.4.3.3	Others					
2.4.4	Outsourcing Charges for Maintenance activities					
2.4.5	Others (please specify)					
	<b>Sub total</b>					
<b>2.5</b>	<b>Government charges</b>					
2.5.1	License fee					
2.5.2	License fee penalty, if any					
2.5.3	WPC charges:					
2.5.3.1	Radio Spectrum Charges					
2.5.3.2	Microwave Charges					
2.5.4	Others (please specify)					
	<b>Sub total</b>					
<b>2.6</b>	<b>Network operating Cost:</b>					
2.6.1	Leased Circuits and Gateway Charges					
2.6.2	Royalty for technical knowhow fees					
2.6.3	Rent (Network Element Equipments and Cell sites)					
2.6.4	Power and fuel					
2.6.5	Interconnection:					
2.6.5.1	Port charges					
2.6.5.2	Others (please specify)					
2.6.6	Passive Infrastructure Charges:					
2.6.7	Insurance Charges (Network Element Equipments)					
2.6.8	Outsourcing Charges for Network Element Equipments					
2.6.9	Others (please specify)					
	<b>Sub-total</b>					
<b>2.7</b>	<b>Depreciation and Amortisation:</b>					
2.7.1	Depreciation on Network Elements					
2.7.2	Amortisation of One time entry fees/license fees					
2.7.3	Amortisation of spectrum auction money					
2.7.4	Depreciation/amortisation on Others (please specify)					
	<b>Sub-total</b>					
<b>2.8</b>	<b>Other cost</b>					
2.8.1	Loss on sale of fixed assets(net)					
2.8.2	Corporate office expenses					
2.8.3	Others (please specify)					

	<b>Sub-total</b>					
<b>2.9</b>	<b>Finance charges (<i>Refer Note 2</i>)</b>					
2.9.1	Bank charges					
2.9.2	Others (please specify)					
	<b>Sub-total</b>					
	<b>TOTAL DIRECT COST (I)</b>					
<b>3</b>	<b>NETWORK ELEMENT COST (<i>refer note 3</i>):</b>					
3.1	Network element 1					
3.2	Network element 2					
3.3	Network element 3					
3.4	Network element 4					
3.5	Network Element.....					
	<b>Total NETWORK ELEMENT COST (II)</b>					
<b>4</b>	<b>SUPPORT FUNCTION / DEPARTMENT COST (<i>refer note 4</i>):</b>					
	<b>TOTAL SUPPORT FUNCTIONS/DEPARTMENT COST (III)</b>					
<b>5</b>	<b>TOTAL COST (I+II+III)</b>					
<b>6</b>	<b>Profit &amp; Loss Before Interest and Tax</b>					
<b>7</b>	<b>Replacement Cost Adjustment (<i>refer note 5</i>)</b>					
7.1	Holding gain/Loss					
7.2	Supplementary Depreciation					
7.3	Change in Operating Cost due to replacement of assets					
7.4	Total adjustment					
<b>8</b>	<b>Profit &amp; Loss Before Interest and Tax</b>					
<b>9</b>	<b>Total Capital Employed</b>					
<b>10</b>	<b>Return on Capital Employed (%)</b>					
<b>11</b>	<b>Return on turnover (%)</b>					

Notes:

1. This sheet is to be prepared for each relevant Product as prescribed in Schedule I to Regulation
2. Excluding interest on loans/borrowed funds
3. As transferred from Proforma C
4. As transferred/apportioned from Proforma D
5. Replacement cost adjustment is to be used when report is made on the basis of replacement cost accounting.

**Proforma C**  
**COST SHEET: NETWORK ELEMENTS**

**Name of The Company :**

**Name of Service:**

**Licensed Service Area of Operation :**

**Period :**

**Cost Base:** Historical cost accounting / Replacement cost accounting

(₹ in Lakh)

S No.	Particulars	Network Element 1	Network Element 2	Network Element....	Total
	<b>COSTS:</b>				
<b>1</b>	<b>NETWORK DIRECT COST</b>				
<b>1.1</b>	<b>Employee cost</b>				
1.1.1	Salaries and wages				
1.1.2	Contribution to provident fund and other funds				
1.1.3	Staff welfare				
1.1.4	Training and recruitment				
1.1.5	Others (please specify)				
	<b>Sub total</b>				
<b>1.2</b>	<b>Administration cost</b>				
1.2.1	Rent (Other than Network Element Equipments and Cell sites)				
1.2.2	Rates and taxes				
1.2.3	Insurance charges (Other than Network Element Equipments)				
1.2.4	Communication costs				
1.2.5	Electricity				
1.2.6	Travel and conveyance expenses				
1.2.7	Legal and professional charges				
1.2.8	Printing and stationery				
1.2.9	Audit fees				
1.2.10	Outsourcing Charges				
1.2.11	Porting Charges for MNP				
1.2.12	Others (please specify)				
	<b>Sub total</b>				

<b>1.3</b>	<b>Sales and Marketing cost</b>				
1.3.1	Advertisement and business promotion expenses				
1.3.2	Sales commission				
1.3.3	Provision for bad and doubtful debts				
1.3.4	Bad debts write off				
1.3.5	Outsourcing (Billing Services and Customer Care Services)				
1.3.6	Others (please specify)				
	<b>Sub total</b>				
<b>1.4</b>	<b>Maintenance cost</b>				
1.4.1	Annual maintenance charges				
1.4.2	Network Consumables				
1.4.3	Repairs and maintenance				
1.4.3.1	Buildings				
1.4.3.2	Plant and machinery				
1.4.3.3	Others				
1.4.4	Outsourcing Charges for Maintenance activities				
1.4.5	Others (please specify)				
	<b>Sub total</b>				
<b>1.5</b>	<b>Government charges</b>				
1.5.1	License fee				
1.5.2	License fee penalty, if any				
1.5.3	WPC charges:				
1.5.3.1	Radio Spectrum Charges				
1.5.3.2	Microwave Charges				
1.5.4	Others (please specify)				
	<b>Sub total</b>				
<b>1.6</b>	<b>Network operating Cost</b>				
1.6.1	Leased Circuits and Gateway Charges				
1.6.2	Royalty for technical knowhow fees				
1.6.3	Rent (Network Element Equipments and Cell sites)				
1.6.4	Power and fuel				
1.6.5	Interconnection:				
1.6.5.1	Port charges				
1.6.5.2	Others (please specify)				
1.6.6	Passive Infrastructure Charges:				
1.6.7	Insurance Charges (Network Element Equipments)				
1.6.8	Outsourcing Charges for Network Element Equipments				
1.6.9	Others (please specify)				
	<b>Sub-total</b>				

<b>1.7</b>	<b>Depreciation and Amortisation:</b>				
1.7.1	Depreciation on Network Elements				
1.7.2	Amortisation of One time entry fees/license fees				
1.7.3	Amortisation of spectrum auction money				
1.7.4	Depreciation/amortisation on Others (please specify)				
	<b>Sub-total</b>				
<b>1.8</b>	<b>Other cost</b>				
1.8.1	Loss on sale of fixed assets(net)				
1.8.2	Corporate office expenses				
1.8.3	Others (please specify)				
	<b>Sub-total</b>				
<b>1.9</b>	<b>Finance charges (Refer Note 1)</b>				
1.9.1	Bank charges				
1.9.2	Others (please specify)				
	<b>Sub-total</b>				
	<b>TOTAL COST</b>				
<b>1.10</b>	<b>Replacement Cost Adjustment (Refer Note 2)</b>				
1.10.1	Holding gain/Loss				
1.10.2	Supplementary Depreciation				
1.10.3	Change in Operating Cost due to replacement of assets				
1.10.4	Total adjustment				
	<b>TOTAL NETWORK DIRECT COST (I)</b>				
<b>2</b>	<b>COST TRANSFERRED FROM SUPPORT FUNCTION / DEPARTMENT</b>				
2.1	<b>Dept 1</b>				
2.2	<b>Dept 2</b>				
2.3	<b>Dept 3</b>				
2.4	<b>Dept.....</b>				
	<b>TOTAL SUPPORT FUNCTIONS/DEPARTMENT COST (II)</b>				
<b>3</b>	<b>TOTAL NETWORK COST (I+II)</b>				

**ALLOCATION OF NETWORK ELEMENTS COST TO PRODUCTS**

Particulars	Product A	Product B	Product C	Product....	Total
-------------	-----------	-----------	-----------	-------------	-------

Network Element 1					
Network Element2					
Network Element.....					
<b>Total</b>					

**Notes:**

- 1 Excluding interest on loans / borrowed funds
- 2 Replacement cost adjustment is to be used when report is made on the basis of replacement cost accounting.
- 3 In case there is any Joint network element with any other service, the cost of the same will be split and shown under the respective service wise cost sheet.
- 4 The list of network elements is provided in Schedule II to Regulation. The service provider should use this list. In case any network element is not relevant, the same may be shown as Nil.

**Proforma D****COST SHEET: SUPPORT FUNCTIONS/DEPARTMENTS****Name of The Company :****Name of Service:****Licensed Service Area of Operation :****Period :****Cost Base:** Historical cost accounting / Replacement cost accounting**(₹ in lakh)**

S No.	Particulars	Deptt 1	Deptt 2	Deptt 3	Deptt 4	Deptt 5	Others	Total
	<b>COSTS</b>							
<b>1.1</b>	<b>Employee cost</b>							
1.1.1	Salaries and wages							
1.1.2	Contribution to provident fund and other funds							
1.1.3	Staff welfare							
1.1.4	Training and recruitment							
1.1.5	Others (please specify)							
	<b>Sub total</b>							
<b>1.2</b>	<b>Administration cost</b>							
1.2.1	Rent (Other than Network Element Equipments and Cell sites)							
1.2.2	Rates and taxes							

1.2.3	Insurance charges (Other than Network Element Equipments)							
1.2.4	Communication costs							
1.2.5	Electricity							
1.2.6	Travel and conveyance expenses							
1.2.7	Legal and professional charges							
1.2.8	Printing and stationery							
1.2.9	Audit fees							
1.2.10	Outsourcing Charges							
1.2.11	Porting Charges for MNP							
1.2.12	Others (please specify)							
	<b>Sub total</b>							
<b>1.3</b>	<b>Sales and marketing cost</b>							
1.3.1	Advertisement and business promotion expenses							
1.3.2	Sales commission							
1.3.3	Provision for bad and doubtful debts							
1.3.4	Bad debts write off							
1.3.5	Outsourcing (Billing Services and Customer Care Services)							
1.3.6	Others (please specify)							
	<b>Sub- total</b>							
<b>1.4</b>	<b>Maintenance cost</b>							
1.4.1	Annual maintenance charges							
1.4.2	Network Consumables							
1.4.3	Repairs and maintenance:							
1.4.3.1	Buildings							
1.4.3.2	Plant and machinery							
1.4.3.3	Others							
1.4.4	Outsourcing Charges for Maintenance activities							
1.4.5	Others (please specify)							
	<b>Sub total</b>							
<b>1.5</b>	<b>Government charges</b>							
1.5.1	License fee							
1.5.2	License fee penalty, if any							
1.5.3	WPC charges:							
1.5.3.1	Radio Spectrum Charges							
1.5.3.2	Microwave Charges							
1.5.4	Others (please specify)							
	<b>Sub total</b>							
<b>1.6</b>	<b>Network operating Cost</b>							
1.6.1	Leased Circuits and Gateway Charges							
1.6.2	Royalty for technical knowhow fees							

1.6.3	Rent (Network Element Equipments and Cell sites)							
1.6.4	Power and fuel							
1.6.5	Interconnection:							
1.6.5.1	Port charges							
1.6.5.2	Others (please specify)							
1.6.6	Passive Infrastructure Charges:							
1.6.7	Insurance Charges (Network Element Equipments)							
1.6.8	Outsourcing Charges for Network Element Equipments							
1.6.9	Others (please specify)							
	<b>Sub-total</b>							
<b>1.7</b>	<b>Depreciation and Amortisation:</b>							
1.7.1	Depreciation on Network Elements							
1.7.2	Amortisation of One time entry fees/license fees							
1.7.3	Amortisation of spectrum auction money							
1.7.4	Depreciation/amortisation on Others (please specify)							
	<b>Sub-total</b>							

<b>1.8</b>	<b>Other cost</b>							
1.8.1	Loss on sale of fixed assets(net)							
1.8.2	Corporate office							
1.8.3	Others (please specify)							
	<b>Sub-total</b>							
<b>1.9</b>	<b>Finance charges (Refer note 1)</b>							
1.9.1	Bank charges							
1.9.2	Others (please specify)							
	<b>Sub-total</b>							
	<b>TOTAL COST</b>							
<b>1.10</b>	<b>Replacement Cost Adjustment (Refer Note 2)</b>							
1.10.1	Holding gain/Loss							
1.10.2	Supplementary Depreciation							
1.10.3	Change in Operating Cost due to replacement of assets							
1.10.4	Total adjustment							
	<b>TOTAL COST - SUPPORT FUNCTIONS/DEPARTMENTS</b>							

Notes:

- 1 Excluding interest on loans/borrowed funds
- 2 Replacement cost adjustment is to be used when report is made on the basis of Replacement cost accounting.
- 3 The indicative List of departments is provided below.



SL No.	List of Departments
1.	Human Resource/Personnel
2.	Administration
3.	Repairs and Maintenance
4.	Information Technology/EDP
5.	Legal and Regulatory
6.	Finance & Accounts
7.	Corporate/Circle Office
8.	Other Departments

**ALLOCATION OF COST OF SUPPORT FUNCTION/DEPARTMENT TO PRODUCT/  
NETWORK ELEMENTS**

(₹ in Lakh)

Departments	Deptt 1	Deptt 2	Deptt 3	Deptt 4	Deptt 5	Others	Total
<i>Allocation to Products</i>							
Product A							
Product B							
Product C							
Product D							
Product E							
Product .....							
<i>Allocation to Network Elements</i>							
Network Element 1							
Network Element 2							

Network Element 3							
Network Element 4							
Network Element 5							
Network Element.....							
<b>Total</b>							

## Proforma E

## STATEMENT OF GROSS BLOCK, DEPRECIATION AND NET BLOCK - SERVICE

Name of The Company :

Name of Service:

Licensed Service Area of

Operation :

Period :

Cost Base:

Historical cost accounting/Replacement cost accounting

## Gross Block/Depreciation/Net Block

(₹ in Lakh)

Particulars	Tangible Assets								Intangible Assets					Total
	Land	Building	Plant and machinery	Computers	Office equipment	Furniture and fixtures	Vehicles	Others	Right to use spectrum / Auction Money for Spectrum	License Fee/ One Time Entry Fee	Bandwidth	Patents / Technical know how	Others	
NETWORK ELEMENTS (refer note 1)														
---														
---														
Sub Total (A)														
SUPPORT FUNCTIONS/ DEPARTMENTS/OTHERS (refer note 2)														
---														
---														
Sub Total (B)														
TOTAL (A+B)														

## Notes:

1. As prescribed in Schedule II to regulations. This includes common network elements as well as network elements directly identifiable/attributable to product (s).
2. This includes fixed assets (other than network elements) directly identifiable/ attributable to product (s)
3. Separate Forms for Fixed Asset (Gross Block/ Net Block) and Accumulated Depreciation.
4. Form should specifically mention whether it is prepared on historical cost basis or replacement cost.
5. A statement indicating rate of depreciation charged during the reporting period on various fixed assets will be annexed to Proforma E.
6. Information in above format under each category should be inclusive of value of impaired assets.

**Proforma F**  
**CAPITAL EMPLOYED STATEMENT- SERVICE**

**Name of The Company :**

**Name of Service:**

**Licensed Service Area of Operation:**

**Period :**

**Cost Base:** Historical cost accounting / Replacement cost accounting

(₹ in Lakh)

Particulars	Current Year			Previous Year	
	Components of Capital Employed	Adjustment for replacement cost of Assets (refer note 2)	Total	Components of Capital Employed	Total
<b>Fixed Assets (Gross Book Value)</b>					
<b>Less: Accumulated Depreciation</b>					
<b>NET BOOK VALUE OF FIXED ASSETS (I)</b>					
<b>CAPITAL WORK IN PROGRESS:</b>					
Right to use spectrum/Auction Money for Spectrum					
License Fee/ One Time Entry Fee					
Others					
<b>Total CAPITAL WORK IN PROGRESS (II)</b>					
<b>CURRENT ASSETS:</b>					
Current investments					
Trade Receivables					
Inventories					
Cash and cash equivalents					
Short Term Loans and advances					
Others (please specify)					
<b>Sub total</b>					
<b>CURRENT LIABILITIES:</b>					
Short term borrowings					
Trade Payables					
Short term provisions					
Other (please specify)					
<b>Sub total</b>					

<b>NET WORKING CAPITAL</b> <i>i.e. Current Assets Less Current Liabilities</i> <b>(III)</b>					
<b>TOTAL CAPITAL EMPLOYED (I + II+ III)</b>					
<b>Weighted Average Cost of Capital i.e. WACC (in %)</b> (refer note 3)					

**Notes:**

1. Capital Employed is the closing capital employed at the end of the Accounting period.
2. Replacement cost adjustment and net replacement cost is relevant for reports prepared on the basis of replacement cost accounting. No requirement to fill previous year's figures in reports based on replacement cost accounting.
3. WACC is pre-tax Weighted Average Cost of Capital. Statement of computation of pre tax WACC should be attached.

**Proforma G****CAPITAL EMPLOYED STATEMENT: ALLOCATION TO PRODUCTS****Name of the Company :****Name of Service:****Licensed Service Area of****Operation :****Period :****Cost Base:** Historical cost accounting / Replacement cost accounting**(₹ in Lakh)**

<b>Products</b>	<b>Current Year</b>	<b>Previous Year</b>
	<b>Allocation of Capital Employed (As per Proforma F) to different products</b>	<b>Allocation of Capital Employed (As per Proforma F) to different products</b>
Product A		
Product B		
Product C		
Product D		
Product E		
Product F		
Products.....		
<b>TOTAL</b>		

**Notes:**

1. Capital Employed is the closing capital employed at the end of the accounting period.
2. Replacement cost adjustment and net replacement cost is relevant for reports prepared on the basis of replacement cost accounting. No requirement to fill previous year's figures in reports based on replacement cost accounting.

**Proforma H****STATEMENT OF RELATED PARTY TRANSACTIONS (REVENUE)****Name of the Company :****Name of Service:****Licensed Service Area of Operation:****Period :****Cost****Base:**

Historical cost accounting

**GROSS REVENUE**

Particulars		Sale (Gross Revenue) - within Group/Company (refer note 1)								
		Product A (refer note 5)			Product B			Product...		
		Related Party 1 (refer note 2)	Related Party 2	Related Party...	Related Party 1	Related Party 2	Related Party...	Related Party 1	Related Party 2	Related Party...
At maximum rate per unit charged	Rate Per Unit (₹)									
	Unit (refer note 3)									
	Gross Revenue (₹ in Lakh)									
At lowest rate per unit charged	Rate Per Unit (₹)									
	Unit (refer note 3)									
	Gross Revenue (₹ in Lakh)									
Total Gross Revenue (sum of revenue at all rates)	Volume (refer note 4)									
	Gross Revenue (₹ in Lakh)									
	Average Gross Revenue per unit (₹)									

**Note:**

1. Group means the parties defined as "Related Party" in the Regulation. Separate information to be provided for each company separately covered under the definition of related party and also includes inter telecom service transactions with in a company.
2. Please mention name of related party (in case of other entity) or name of telecom license in case of inter service transaction.
3. Minutes of Usage, number of messages, number of towers etc.
4. Total unit transacted with related party.
5. Related party information on gross revenue in above Proforma shall be given for the following products under different telecom services:

Name of Telecom Service	Product
(I) Access Service - Wireless	(i) Wholesale (Interconnection): Termination Voice call Charges (other than international calls)
(II) Access Service – Wireline	(ii) Wholesale (Interconnection): International Termination Charges – Voice calls
	(iii) Wholesale (Interconnection): Termination SMS
	(iv) Wholesale (Interconnection): Port charges including Co-Location
	(v) Wholesale (Interconnection): Access Charges (Calling Cards)
	(vi) Wholesale (Interconnection) In-Roaming
	(vii) Sharing of Towers
	(viii) Leasing of Towers
(III) Internet Service	(i) Dark Fiber
(IV) National Long Distance Service	(ii) Voice: Carriage Services
	(iii) Dark Fiber
(V) International Long Distance Service	(i) Voice: Carriage Services
	(ii) Cable Landing Station: Collocation
	(iii) Cable Landing Station: Access facilitation
	(iv) Dark Fiber

## Proforma I

### RECONCILIATION STATEMENT (COVERING ALL SERVICES AND AREA OF OPERATION) WITH AUDITED FINANCIAL STATEMENTS

Name of the

**Company :**

**Name of Service:**

Consolidated for all telecom services

### Licensed Service

Service provider as a whole (at entity level) covering all telecom services

**Area of Operation:**

**Period:**

**Cost Base:**

## Historical cost accounting

( in Lakh)

[illegible]

1.3	Revenue (net of Pass through)											
<b>2</b>	<b>Costs:</b>											
2.1	Employees Cost											
2.2	Administrat ion Cost											
2.3	Sales and marketing Cost											
2.4	Maintenance Cost											
2.5	Government Charges											
2.6	Network operating Cost											
2.7	Depreciation and Amortisation											
2.8	Others Cost (please specify)											
2.9	Finance Charges ( <i>refer note 3</i> )											
	<b>TOTAL COST</b>											
<b>3</b>	<b>Profit before Interest and Tax (PBIT)</b>											
<b>4</b>	<b>Capital Employed</b>											

Note:

- 1 For Telecom services, revenues, costs and capital employed should be in agreement with Proforma A of that particular service.
- 2 A separate list shall be annexed with this Proforma for individual item/head of account having value more than ₹ 10 crore.
- 3 Excluding interest on loans/borrowed funds.

**PROFORMA J****STATEMENT OF NON-FINANCIAL INFORMATION FOR EACH TELECOM SERVICE**

(A) Statement of Non-Financial Information for ACCESS SERVICE – WIRELESS	
I. Basic Information	
Information as of (date)	
1.1 Name of License	
1.2 License No. and date of issue/migration	
1.3 Licensed Service Area	
1.4 License Period	

1.5 Date of commencement of commercial service					
<b>II. Subscriber Details</b>					
2.1 Number of Subscribers (in lakh)	Opening		Closing		
(a) Urban					
(b) Rural					
Total					
2.2 Number of Internet Subscribers (in lakh):					
<b>III. Traffic Details</b>					
3.1 Usage:	On Net		Off Net		Total
	Originating	Terminating	Originating	Terminating	
(a) Voice Minutes of Usage (in lakh)					
(b) Non-voice Messages-SMS/MMS (in lakh)					
3.2 Data Usage (in MB) (in lakh):					
3.3 Total bandwidth (Mbps) sold through leased circuits:					
3.4 Transmission Capacity Details	Length in Route Kilometer				
(A) OFC:					
- Owned					
- Leased In					
(B) Microwave:					
- Owned					
- Leased In					
(C) Satellite					
<b>IV. Towers Details</b>					
Particulars	Number of Towers			Average Tenancy Ratio	
	Owned	Leased			
		Exclusive	Shared		
Ground Base Tower (GBT)					
Roof Top Tower (RTT)					
Roof Top Pole (RTP)					
<b>V. Details of Spectrum Allotted</b>					
Spectrum Band (frequency)	Spectrum Allotted (in MHz)				
(a) .....					
(b) .....					



Note: Information shall be given for the last day of financial year being reported.

(B) Statement of Non-Financial Information for ACCESS SERVICE – WIRELINE					
<b>I. Basic Information</b>					
Information as of (date)					
1.1 Name of License					
1.2 License No. and date of issue/migration					
1.3 Service Area licensed					
1.4 License Period					
1.5 Date of commencement of commercial service					
<b>II. Subscriber Details</b>					
2.1 Details of Direct Exchange Lines (Subscribers) (in lakh)	Opening		Closing		
(a) Urban					
(b) Rural					
Total					
2.2 Number of Internet subscribers (in lakh):					
(a) Internet – Broadband					
(b) Internet – Narrowband					
<b>III. Traffic Details</b>					
3.1 Transmission Capacity Details:	Length in Route Kilometre				
(A) OFC:					
- Owned					
- Leased In					
(B) Microwave:					
- Owned					
- Leased In					
(C) Satellite					
3.2 Usage:	On Net		Off Net		Total
	Originating	Terminating	Originating	Terminating	
(a) Voice Minutes of Usage (in lakh)					
3.3 Data Usage (in MB):					
(a) Internet – Broadband					
(b) Internet – Narrowband					
3.4 Total bandwidth (Mbps) sold through leased circuits:					
3.5 Total length (Km): -					

(a) Local Loop Copper	
(b) Fiber	
<b>(C) Statement of Non-Financial Information for INTERNET SERVICE</b>	
<b>I. Basic Information</b>	
Information as of (date)	
1.1 Name of License	
1.2 License No. and date of issue/migration	
1.3 License Category (please indicate whether A, B or C)/Licensed Area	
1.4 License Period	
1.5 Date of commencement of commercial service	
<b>II. Subscriber Details</b>	
2.1 Number of subscribers (in lakh):	
(a) Internet – Broadband	
(b) Internet – Narrowband	
(c) IPTV	
<b>III. Network Information</b>	
3.1 Capacity details:	
(a) Total owned capacity (bandwidth in Mbps)	
(b) Capacity Leased in (bandwidth in Mbps)	
(c) Capacity Leased out (bandwidth in Mbps)	
3.2 International Internet Bandwidth:	
3.3 Data Usage (in MB):	
(a) Internet – Broadband	
(b) Internet – Narrowband	
<b>IV. Details of Spectrum Allotted</b>	
Spectrum Band (frequency)	Spectrum Allotted (in MHz)
(a) .....	
(b) .....	
Note: Information shall be given for the last day of financial year being reported.	
<b>V. Dark Fibre Transmission Media Details</b>	
(a) Total Number of Route Kilometers of OFC	
(b) Number of Route Kilometers sold/leased out	

**(D) Statement of Non-Financial Information for NATIONAL LONG DISTANCE SERVICE**

I. Basic Information	
Information as of (date)	
1.1 Name of License	
1.2 License No. and date of issue/migration	
1.3 License Period	
1.4 Date of Commencement of commercial service	
II. Traffic Details	
2.1 Details of Transmission Capacity available	Length in Route Kilometre
(A) OFC:	
(a) Owned	
(b) Leased In	
(B) Microwave:	
(a) Owned	
(b) Leased In	
(C) Satellite	

2.2 Voice Usage Minutes:	Minutes collected	Minutes handed over
- NLD Voice minutes carried including carried minutes of Calling Cards (in lakh):		
2.3 Calling Cards Minutes:	Minutes generated from Access Subscribers	
	Wireless	Wireline
- Voice Minutes (calling card) (in lakh)		
2.4 Managed Data Service (VPN/ CUG) (total bandwidth)		
2.5 Total bandwidth (Mbps) sold through leased circuits		
III. Dark Fibre Transmission Media Details		
3.1 Total Number of Route Kilometers of OFC		
3.2 Number of Route Kilometers sold/leased out		

**(E) Statement of Non-Financial Information for INTERNATIONAL LONG DISTANCE SERVICE**

I. Basic Information	
Information as of (date)	
1.1 Name of License	

1.2	License No. and date of issue/migration				
1.3	License Period				
1.4	Date of Commencement of commercial service				
<b>II. Traffic Details</b>					
2.1 Details of Transmission Capacity (in Mbps) available		Capacity Utilisation			
		Capacity Sold-Retail	Capacity Sold-Leased Out	Captive Consumption	Total
(a) Capacity Owned					
(b) Capacity leased in					
Total Capacity					
2.2 Voice Usage Minutes:		Transit Minutes	Inbound Minutes handed over	Outbound Minutes collected	
- ILD Voice minutes carried including carried minutes of Calling Cards (in lakh):					
2.3 Calling Cards Minutes:		Minutes generated from Access Subscribers			
		Wireless		Wireline	
- Voice Minutes (calling card) (in lakh)					
2.4 Managed Data Service (VPN/ CUG) (total bandwidth)					
2.5 Total bandwidth (Mbps) sold through leased circuits					
<b>III. Cable Landing Station Capacity Details</b>					
3.1 Number of Cable Landing Stations:					
3.2 Number of submarine cables landing at the Cable Landing Stations:					
3.3 Capacity Utilisation (in Mbps)		Capacity Sold- Retail	Capacity Sold-Leased Out	Captive Consumption	Total
(a) Capacity Owned					
(b) Capacity Leased in					
Total Capacity					
3.4 Number of ILDO/ISP to whom landing facility provided:					
3.5 Number of ILDO/ISP to whom access facility provided:					
3.6 Number of ILDO/ISP to whom co-location provided:					
Note: Information in respect of 3.4, 3.5 & 3.6 shall be given for the last day of accounting year being reported.					

**IV. Dark Fibre Transmission Media Details**

4.1 Total Number of Route Kilometers of OFC	
4.2 Number of Route Kilometers sold/leased out	

**(F) Statement of Non-Financial Information for MOBILE NUMBER PORTABILITY****I. Basic Information**

Information as of (date)	
1.1 Name of License	
1.2 License No. and date of issue	
1.3 Date of Commencement of commercial service	

**II. Porting Details**

2.1 Number of porting requests	
2.2 Number of porting actual	

**(G) Statement of Non-Financial Information for VSAT SERVICE****I. Basic Information**

Information as of (date)	
1.1 Name of License	
1.2 License No. and date of issue	
1.3 Date of Commencement of commercial service	

**II. Subscribers/Capacity details**

2.1 Number of Subscribers (in lakh):	
(a) Individual	
(b) (i) Closed User Group	
(b) (ii) Number of VSAT terminals in Closed User Group	

**III. Details of Spectrum Allotted**

Spectrum Band	Spectrum Allotted (in MHz)
(a) .....	

(b) .....

Note: Information shall be given for the last day of financial year being reported.

**SCHEDULE-IV****FORM OF AUDIT REPORT ON THE ACCOUNTING SEPARATION REPORT**

I/We,.....having been appointed as the Auditor(s) under the requirements laid down in the Reporting System on Accounting Separation Regulation, 2016 (here in after referred to as the Regulation) issued by Telecom Regulatory Authority of India (here in after referred to as the Authority) by ..... (mention name of the Company) having its registered office at ..... (mention registered office address of the company) (here in after referred to as the Company), have audited the attached Accounting Separation Reports covering.....(mention name of service/ licensed service area) for the year ended ..... (mention the accounting year) of the Company.

2. The Company is responsible for preparation of the Accounting Separation Reports and these have been approved by the Board of Directors of the Company. My/ Our responsibility is to audit the Accounting Separation Reports in accordance with the Regulation and generally accepted auditing standards in India.

3. Further to my/our comments/observations given in the enclosed Annexure (Annexure is required in case there are comments/observations on Accounting Separation Reports), I/We report that:

- (a) I / we have received all the information and explanations, which to the best of my/our knowledge and belief were necessary for the purpose of my/our audit.
- (b) In my / our opinion proper books of account have been kept by the Company so far as appears from my / our examination of those books to enable the preparation of complete and proper Accounting Separation Reports in accordance with the Regulation.
- (c) The Accounting Separation Reports for the year ended ..... are in agreement with the books of accounts and have been properly drawn up in accordance with the Regulation and the methods and basis laid down in the Manual of the Company prescribed under the Regulation.
- (d) In my/our opinion, and to the best of my/our information and according to the explanations given to me/us, the Accounting Separation Reports for the year ended..... give the information required by the Regulation in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the framework as per the Regulation.

4 I/ We also report that all changes to the Manual prescribed under Regulation that materially affect the Accounting Separation Reports for the year ended .....have been filed with the Authority by the Company.

Dated :

Signature

Place :

Name of Proprietor/Partner

Membership No.

Name of the Firm with Stamp (Seal)

SUDHIR GUPTA, Secy.  
[ADVT.-III/4/Exty./129]

**Note** — Explanatory Memorandum annexed to these regulations explains the objects and reasons for review on the Reporting System on Accounting Separation Regulations, 2012 issued vide Notification 16-07/2010-FA dated 10<sup>th</sup> April, 2012 and need for revised Reporting System on Accounting Separation Regulations, 2016.

**Explanatory Memorandum**

1. The Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) (hereinafter referred to as “Authority”) has been established under the Telecom Regulatory Authority of India Act 1997 to regulate telecommunication services and matters connected therewith. One of the main objectives of the Authority is to provide a fair and transparent policy environment to promote a level playing field and facilitate fair competition. In pursuit of this objective and to carry out its functions effectively and efficiently, the Authority needs financial and non financial information which is used for regulatory decision making/analysis. The Audited Annual Financial Statements i.e. Profit & Loss Account and Balance Sheet of a telecom service provider (TSP) provides only aggregated information of the company as a whole whereas for regulatory purposes, licensed service area

- (LSA)-wise, Service-wise and Product-wise disaggregated information is required, which can only be facilitated/provided by the Accounting Separation Reports.
2. The disaggregated financial information provided by Accounting Separation Reports is required for regulatory purposes such as analysing costs, revenues; capital employed in major areas of an operator's business, measuring financial performance, and profitability of various products and services. It also helps in identifying cross subsidisation practices, predatory pricing and anti-competitive behaviour of the TSPs.
  3. Further, the Accounting Separation Reports of the TSPs are very significant from the regulatory perspective in the multi operator, multi service environment and are being used by the Authority for different regulatory exercises such as determination of Interconnection Usage Charges (IUC) for Voice & SMS, carriage charges, valuation of spectrum and fixation of Roaming charges, Domestic Leased Charges & International Private Leased Circuit Charges besides inter-operator comparison of costs, revenues and investments etc.
  4. In pursuit of the above purpose, the Authority had issued the "Reporting System on Accounting Separation Regulation, 2004" on 23<sup>rd</sup> February, 2004 (hereinafter referred to as ASR, 2004), which was subsequently amended vide 1<sup>st</sup> amendment dated 24<sup>th</sup> May 2004, 2<sup>nd</sup> amendment dated 30<sup>th</sup> September 2004, 3<sup>rd</sup> amendment dated 4<sup>th</sup> March 2005 and 4<sup>th</sup> amendment dated 27<sup>th</sup> March 2006.  
Subsequent to the implementation of ASR 2004, many developments took place in the telecom sector that had an impact on the information that the Authority needed as well as on the manner in which such information was to be furnished by the service providers. In order to address these above requirements and changes, the Authority has notified "The Reporting System on Accounting Separation Regulations, 2012" on 10<sup>th</sup> April 2012 by repealing "The Reporting System on Accounting Separation Regulation, 2004". An amendment to this regulation was also issued on 15<sup>th</sup> October, 2012 wherein clause for levying financial disincentives on the service providers was introduced for non-compliance of the provisions of the regulations.
  5. The prevailing "The Reporting System on Accounting Separation Regulations, 2012" (hereinafter referred to as "ASR, 2012") was notified four years back. During the course of submission of reports under ASR 2012, many TSPs pointed out various difficulties/ concerns with regard to the reporting requirements under ASR, 2012, mainly related to applicability criteria, addition and deletion of certain products/network elements, periodicity of submission of reports based on Replacement Cost Accounting etc. The Authority also at the same time felt the need to review the ASR 2012 in view of the following:
    - Review (addition or deletion) in the list of telecom services specified in ASR, 2012;
    - Re-categorization/ addition/ deletion of the products/ network elements under specified telecom services;
    - Review of Proformae of financial information;
    - Review of Proforma 'J' of ASR 2012 (non-financial information) for inclusion of more non-financial information required for regulatory exercises and decision making;
    - Bringing uniformity in reporting period for submission of reports based on Replacement Cost Accounting;
    - Updation of definitions and sections of applicable Acts/Rules quoted in the ASR 2012; and
    - To bring uniformity and rationalise the basis of allocation/apportionment for revenue, costs and assets across all the TSPs.
  6. In order to review the ASR, 2012, the comments/ views of stakeholders were invited through notice dated 1<sup>st</sup> April 2015 (i.e. at pre consultation stage). Based on comments received, meetings with TSPs and deliberations thereon, the Authority have prepared the draft "Reporting System on Accounting Separation Regulations, 2016" (hereinafter referred to as "draft Regulations, 2016"). The draft Regulations 2016 was uploaded on the TRAI's website by the Authority on 22<sup>nd</sup> February 2016 to seek comments/views of the stakeholders. The last date of submission of comments was 14<sup>th</sup> March 2016 which was subsequently extended to 28<sup>th</sup> March 2016. Comments received from stakeholders were uploaded on TRAI's website on 31<sup>st</sup> March 2016. Based on the comments/suggestions received from stakeholders and further deliberations thereon, the Authority has finalised "The Reporting System on Accounting Separation Regulations, 2016" (hereinafter referred to as ASR 2016).
  7. ASR 2012 was applicable to all service providers having aggregate turnover of not less than ₹ one hundred (100) crore, during the accounting year (for which report is required to be submitted) from operations under the telecom license issued to them under section 4 of Indian Telegraph Act, 1885. During consultation, one stakeholder stated that Regulation should be made applicable only to incumbent/significant market player (SMP) and not to non-integrated/standalone service providers in line with international best practices for accounting separation regulation. One stakeholder opined that threshold limit for the turnover should be reviewed upward to ₹ 1000 crore and above. Another stakeholder suggested threshold limit of ₹ 2000 crore. Few stakeholders suggested that level of segregation mandated under ASR 2016 is vast and since the charges regulated by TRAI (termination of calls/messages, roaming etc.) are same for all LSAs, LSA wise reports may be withdrawn. Another

stakeholder commented that considering the changes proposed in the revised Regulation, it should be made applicable w.e.f. accounting year ended March 2017.

8. The comments have been examined in the light of Indian telecom scenario where several large TSPs exist together, each holding comparable market share. Some of the TSPs are integrated player offering access services as well as other telecom services. Some Access TSPs hold significant market share in some LSAs whereas in other LSAs, significant market share of market is captured by another set of TSPs. At the same time some standalone TSP providing single telecom service have captured significant market share in the area/services in which they are operating. In Indian telecom service sector where a service/LSA has on an average at least 6 to 8 TSPs, the Authority in order to meet its regulatory objectives needs information which is representative of the market. The Authority is of the view that present turnover criteria of ₹100 crore facilitates in collection of representative data from a range of medium to large TSPs. Therefore, the Authority decides to continue in ASR 2016 with the existing limit of aggregate turnover of ₹100 crore or more.
9. The level of accounting separation depends upon the assessment of the market by the respective regulatory authority. In India, current licensing regime in access service is based on LSA specific assignment (and spectrum allotment in wireless service is also on LSA basis) and tariffs are also operated LSA wise. Collection of information on an aggregate basis for the whole country will not be able to capture varying/unique nature of operations and trade in different LSAs. Each LSA has its own market structure as well as dynamics which may not be similar to other LSAs. Therefore, the Authority is of the view that submission of accounting separation reports at LSA level in Access service continues to be very relevant. For other specified telecom services in the ASR 2016, submission of reports are at an all India level.
10. Regarding applicability of ASR 2016 from the accounting year ended March 2017, it is noted that ASR 2016 does not deviate much from ASR 2012 in terms of reporting formats/requirements, list of services/products/network elements etc. In fact, reporting requirement has been simplified in ASR 2016 and list of products/network elements/telecom services have been rationalised/reduced with an objective to collect relevant and meaningful information/data. Thus the Authority is of the view that ASR 2016 to be implemented from the date of notification and all the reports subsequent to notification shall be submitted in accordance with the provisions of ASR 2016.
11. During the consultation process, two stakeholders were of the view that timeline of submission of reports should be extended. One stakeholder suggested extension of two months in last date of submission of reports; another suggested extension of six months. These stakeholders submitted that preparation of accounting separation reports and audit thereof is a time consuming process and coincides with the other regulatory/legal filings such as finalisation of annual financial statements, quarterly board meeting, AGM etc. Another set of stakeholders have favoured for online submission of reports like XBRL/PDF.
12. The Authority has noted the suggestions made by the stakeholders. However, extension in timeline of submission by two or six months will make the information of less importance and of little use for regulatory exercise in view of the time gap involved. In an ideal situation, any decision making body would like to have information as current as possible. But in view of linkage of accounting separation reports with annual financial statements, the time of six months was prescribed in ASR for submission of reports. However, to cover other administrative requirements, regulatory filings etc., the Authority has decided to extend the time for submission of reports from six months of the end of the accounting year to seven months of the end of the accounting year for which reports are to be submitted.
13. At present, there is no system of online submission of accounting separation reports by TSPs. However, in view of large volume of information to be filed under ASR and with an objective to obtain and compilation of reports in a timely manner, online submission of reports is a preferred way. The Authority will look into this aspect and modalities for online submission of accounting separation reports.
14. During consultation process, many stakeholders were of the view that there is no need for adoption of accounting separation reports by the Board of Directors of the Company as the accounting separation reports are prepared and based on the audited annual accounts duly adopted by the Board of Directors. Further ASR also mandates reconciliation of accounting separation reports with the audited annual accounts of the company. One of the stakeholder commented that since cost audit has become mandatory, the purpose of TRAI making its own rules (regulation) appears to be not in the interest of any service provider. Another stakeholder suggested that there should be sync between ASR guidelines as issued by the TRAI and Cost Audit Rules as issued by Ministry of Corporate Affairs as the data being used for preparation of both reports is inter changeable.
15. Requirement of adoption of accounting separation reports by Board of Directors was introduced in the ASR 2012. The provision was introduced in view of the role and responsibility of the Board of Directors under the principles of good corporate governance and global practice in this regard. As regards to cost audit prescribed by the Ministry of Corporate Affairs, the Authority noted that though the information called through both the rules/regulation appears to be similar to a great extent, requirements and objectives of cost audit and accounting separation reports are quite different. Accounting separation reports are designed by the Authority to collect detailed and segregated information/data of different services and products for discharging its



regulatory obligations and responsibilities. In view of foregoing discussion, the Authority has retained the separate reporting under ASR 2016 and provision on the adoption of accounting separation reports by the Board of Directors of the Company.

16. Many stakeholders have favoured for discontinuation of accounting separation reports based on replacement cost accounting (RCA). They have represented that reports based on RCA are needed only for purpose of tariff setting which is presently under forbearance. Further there are practical difficulties in preparation of reports based on RCA like non-availability of current quotes from vendor/assets deployed are no longer available in the market/vendor may have exited the business etc. Further preparation of reports based on RCA is a time consuming and costly exercise. One stakeholder submitted that post implementation of Indian Accounting Standards (IND AS) by Ministry of Corporate Affairs w.e.f 1<sup>st</sup> April 2016, companies having net worth of more than ₹500 crore have to value capital assets at current or fair value. This will make reports based on RCA redundant and unwarranted. Few stakeholders are of the view that in case reports based on RCA cannot be dispensed with, then its periodicity for submission should be changed from at every two years to every three or five years.
17. The comments received from stakeholders regarding reports based on RCA have been examined. It is seen that the TSPs have cited practical difficulties in valuation and additional resources required for preparing reports based on RCA. However, the rationale for introducing the concept of replacement cost accounting in ASRs lies in the fact that with replacement costs, in a competitive environment, service providers would compete on the basis of current costs. Reports based on RCA offer significant insights and benefits to regulators in discharge of its regulatory works/objectives. ASR 2016 has prescribed replacement cost adjustments limited to fixed assets with indication of its implications in the form of holding gain/loss, supplementary depreciation and change in operational expenditure as result of replacement of an old asset by modern equivalents assets. The ASR based on such RCA is prescribed for access and long distance service providers every alternate year. Any upward change in frequency of submission of reports based on RCA will make the reported information/data redundant in view of the time gap involved. The Authority also noted that Ministry of Corporate Affairs has implemented IND AS w.e.f. 1<sup>st</sup> April 2016 but in a phased manner based on criterion linked to net worth/listing in any stock exchange in India and therefore, shall not be applicable to all the TSPs with immediate effect. Therefore, the Authority is of the view that submission of reports based on RCA will continue.
18. A new licensee is exempted from submission of reports based on RCA for the first three accounting years from the date of issue of license. This provision (in ASR 2004 as well as ASR 2012) has resulted in different reporting periods amongst the TSPs providing same service and in Access service, in different LSAs of same TSP. The non-availability of reports based on RCA across all the TSPs in all the LSAs/services in the same year is hindering in utilizing these reports and for carrying out any meaningful analysis/comparison of these reports. In order to overcome the problem of non-uniformity in submission of accounting separation reports based on RCA by the TSPs, it has been decided that accounting year 2015-16 under the ASR 2016 will be a zero year for submitting the accounting separation reports based on RCA. All the TSPs shall submit the reports based on RCA under regulation 4(2)(b) of ASR 2016 beginning from the accounting year 2016-17 and every second year thereafter i.e. for the years 2018-19, 2020-21 and so on. In case of new licensee, if the fourth year happens to be the year in which reports based on replacement cost accounting are not required to be submitted as per periodicity prescribed in regulation 4(2)(b), such TSP would be required to submit reports in accordance with the time schedule as prescribed in the said regulation. In case any licensee converts its existing license into unified license or obtain the new license on expiry of old license, ASR 2016 shall be applicable to such licensee at par with existing licensee.
19. During the consultation process some stakeholders have commented on list of telecom services and products specified in the draft Regulations 2016. Some stakeholders have favoured for merging of Access service (full mobility) and Access service (WLL) as both services are offered from same network and have similar costs. Two of the TSPs have opined that BWA services should not be made as an independent product under the Access service. They have argued that no justification has been given in the draft Regulations 2016 on inclusion of BWA services as a product in Access service. One of the stakeholder has opined that all spectrum bands will be interchangeably used to provide mobile broadband services and there should not be a requirement to report separate financials for 2300 MHz band. Another stakeholder suggested that BWA services using 2300 MHz band should be classified as a separate service with full mobility in order to identify any cross subsidization practices, predatory pricing and anti-competitive behaviour of TSP.
20. The Authority has examined the comments received from stakeholders. As regards to merging of Access service (full mobility) and Access service (WLL), it has been noted that Access service (WLL), a limited mobility service has demonstrated a declining trend in past couple of years. Its market share in wireless segment in terms of revenue as well subscribers has gone down considerably. Further with change in spectrum allotment process which allot spectrum through auction and availability of option of liberalisation of administratively allotted spectrum, the concept of usage of a particular spectrum band for deploying specified technology has lost its relevance. Since both sub-service are part of wireless segment, the Authority

is of the view that Access service (full mobility) and Access service (WLL) to be merged as Access service (Wireless). Further under the present system (spectrum allotment through auction), the spectrum allotted is of liberalised nature and its usage is not restricted to any particular technology. The Authority also noted that DoT in a recent reference back dated 1<sup>st</sup> April 2016 on TRAI's Recommendations dated 27<sup>th</sup> January 2016 on valuation and reserve price of spectrum, had intended for henceforth adoption of uniform SUC rate with prospective effect for all spectrum bands acquired through auction. After considering all these facts, the Authority is of the view that reporting for BWA services as a separate product under Access service may not be mandated.

21. Under some licence agreements, there are certain services which are separate and distinct from each other and serve different market segments e.g. (i) in ILD license, distinct services of cable landing station (CLS) and carriage of international voice minutes/data is provided, & (ii) in Access service license, voice/SMS/data services to subscribers and infrastructure services (towers) to other TSPs is provided. The Authority with the objective to have information on distinct profitability and performance of such services given under a license, mandated filing of separate reporting under ASR, 2012 e.g., in ILD license, separate reports for CLS and ILD, in Access service (Full Mobility), separate reports for tower business and full mobility operations etc. It has been observed that these separate services do not generate significant revenue and serve a limited segment, thereby not justifying separate reporting. In ASR 2016 tower service, cable landing service and dark fibre service have been merged in respective principle licensed services. However, at the same time, the need of having the distinct information on these services cannot be overlooked, if one has to undertake/assess the profitability and performance of these bifurcated services. Therefore, to continue with their separate identity, these merged services have been kept as separate product (with separate identified network elements) in the principal services in which they have been merged for e.g. Dark Fibre service has been merged with ISP, NLD and ILD service, Tower business service with Access Service and CLS have been merged with ILD.
22. During the consultation process, some stakeholders favoured simplification of product list. One stakeholder submitted that bifurcation of revenue into local, STD and ISD in Access service should not be mandated as there are no separate bifurcation/reports available for segregating local, STD and ISD voice revenue and development of such reports will put extra strain on the system. Two stakeholders opined against the recognition of rental/activation fees/one time fees as product in Access service. They submitted that these are only revenue streams and not products. Two other stakeholders argued for continuation of separate reporting of products in Access service under prepaid and postpaid segment. It has been submitted that prepaid and postpaid products are two variants of billing, addressing different segments of telecom consumers having different subscriber base and different types of strategies, tariff rates and direct costs are associated with these segments. Some stakeholders have advocated for inclusion of intra-circle roaming charges (being wholesale revenue in nature) as a separate product in Access service. Two service providers submitted that since in-roaming charges in Access service are bilateral and on mutually agreed terms, it should not be part of wholesale interconnection. One stakeholder stated that MNP should not be recognised as separate telecom service in view of insignificant revenue from this service.
23. The comments received from stakeholders have been examined. The basic principle behind the proposed list of products is the revenue generation from the offered services or significance of the offered service from point view of regulatory exercises/analysis. Major heads of revenue have been recognised as product under respective telecom service. Inroaming charges and intra circle roaming charges accordingly have been identified as separate products under the Access service. It has been noted that bifurcation of voice revenue into local, STD and ISD category is basic classification in the segment and is consistently followed by the TSPs. Further quarterly revenue and license fee statement filed with Licensor (DoT) also mandate the segregated reporting of voice revenue into local, STD and ISD. Separate information on local, STD and ISD calls have been introduced as they have different revenue and cost structures due to different tariff and network resources utilisation. It is also noted that rental, activation, one time fees are payments for assurance of services to the consumer that enable him to remain active/remain connected on the network for a specified time frame, make free calls and so on, and therefore collectively qualify as a separate product. It is further noted that pre-paid and post-paid segment in Access service are treated alike in the regulatory exercises and in wireline segment, all subscribers belong to post-paid segment. Thus the Authority is of the view that separate reporting under prepaid and postpaid is not required under the ASR 2016. As regards to MNP service, it is clarified that separate reports for MNP service are to be filed by TSPs who had obtained MNP license from the DoT.
24. During the consultation process, one stakeholder commented that Proforma 'C' should be revised to capture department wise cost instead of network element wise cost. Few stakeholders argued for removal of Proforma 'D' (on support functions/department cost sheet). They represented that Proforma 'D' increases complexities without significantly serving any useful purpose. Some stakeholders submitted that in Proforma 'F', part of long term loan to be repaid during the current year, should not be treated as current liabilities which will have effect on the capital employed also.

25. The comments received from stakeholders have been examined. The objective behind the Proforma 'C' was to assess the cost of different network elements deployed in the telecom business and operations. The network element stands for one of major cost in the telecom service sector and cost break-up of the same is an essential input for detailed analysis/examination in many regulatory exercises. As regards to Proforma 'D', its removal of Proforma 'D' will have straight effect on direct cost of products and network elements. Further Proforma 'D' give information of cost of support functions/departments and its apportionment to products and network elements making availability of cost separately into direct and indirect. As regards to Proforma 'F', it is stated that with an objective to bring uniformity with financial accounts and to incorporate the changes made in Companies Act, 2013 (particularly in current assets and current liabilities), necessary changes have been made in different Proformae including Proforma 'F'.
26. Many stakeholders have submitted that requirement of minimum and maximum rate charged for each product in Proforma 'H' (on related party transactions) would not be feasible to comply. They have submitted that collection of information at this level is not possible. They further suggested that instead of per unit rate, details on gross revenue may be mandated. One stakeholder opined for removal of Proforma 'H'.
27. The comments received from stakeholders have been examined. The Authority has noted that presently retail tariff is under forbearance (except roaming and rural wireline) in Indian telecom service sector. However, many items of tariff between a TSP to another TSP (mainly wholesale interconnection charges) are regulated by the Authority. Reporting requirements on related party information in Proforma H under ASR 2016 has been rationalised to collect limited and relevant information on inter TSP revenue transactions for analysis and examination. Accordingly, Proforma H in ASR 2016 has been simplified with revenue information only on those products where service provider as well as service recipient both are TSPs. Further related party information has been restricted to Access service (wireless & wireline), Internet service, NLD service and ILD service for limited specified products.
28. During consultation process two stakeholders submitted comments that Proforma J on collection of non-financial information should be deleted as it is not relevant to ASR. One stakeholder submitted that in Access service (wireline) requirement of details of DEL should be omitted. Another stakeholder commented that reporting requirement of subscribers in urban and rural should be removed. Some stakeholders commented that it is difficult to provide number of subscribers using internet out of total subscribers.
29. The stakeholders comments have been examined. Proforma J contains the limited non-financial information on the respective service which are related and vital for any meaningful analysis and examination of the financial information submitted through other proformae under ASR 2016. As regards to other comments, it has been noted that these information are gathered under the existing reporting requirements to TRAI and thus will not put extra efforts/strain on the system.
30. Two stakeholders argued for removal of clause on financial disincentive that can be levied on TSP for delayed submission of reports or submission of false reports under the ASR 2016 as accounting separation reports is only a different representation of the already filed audited financial statements.
31. The financial disincentive clause was introduced to enhance the compliance level in order to ensure timely submission of complete and correct reports to the Authority. Accounting Separation Reports are required for various regulatory functions and therefore their timely receipt is of paramount importance. Delay in receipt of the information or receipt of incorrect information will have adverse affect on the performance of regulatory functions. Therefore, the Authority is of the view to continue with clause of financial disincentive in ASR 2016.
32. For the purpose of ASR 2016, 'service specific licence' and 'service specific authorisation' under Unified license shall be taken same for all practical purposes.